हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

ईरान के राष्ट्रपति भवन पर एयरस्ट्राइक इजरायली सेना का लेबनान पर कब्जा!

ईरान के खिलाफ इजरायल का अब तक का सबसे बड़ा हमला, नेतन्याहू बोले- ईरान से जंग लंबी नहीं चलेगी

अमेरिका और इजरायल मिलकर ईरान पर ताबड़तोड़ हमले कर रहे हैं, तेहरान की ओर से भी करारा पलटवार किया जा रहा है। पूरे मिडिल ईस्ट युद्ध की चपेट में है। जंग के चौथे दिन मंगलवार को इजरायल ने ईरान के राष्ट्रपति भवन पर हमला किया है। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल की बिल्डिंग पर भी एयरस्ट्राइक हुई है।

एजेंसी ▶▶| दुबई/तेहरान

इजरायली सेना की ओर से कहा गया है कि उसने ईरान के शासन के नेतृत्व पर एयर स्ट्राइक की है। आईडीएफ ने कहा कि राष्ट्रपति ऑफिस और सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद पर ताबड़तोड़ हमला किया है। यह भी दावा किया गया है कि एयर स्ट्राइक में ईरान के एक सैन्य प्रशिक्षण संस्थान और एक अन्य अहम ढांचे को भी निशाना बनाया गया है।

इधर, जंग के चौथे दिन ईरान ने इजरायल की तरफ बैलिस्टिक मिसाइलें लॉन्च की हैं। इजरायली एयर फोर्स ने हिब्रू में पोस्ट करके बताया कि आईडीएफ ने कुछ देर पहले ईरान से इजरायल की तरफ मिसाइलें लॉन्च होने की पहचान की है। डिफेंस सिस्टम्स ऑपरेट हो रहे हैं और खतरे को इंटरसेप्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। होम फ्रंट कमांड ने रिलेवेंट एरिया में मोबाइल फोन पर डायरेक्ट अलर्ट भेजा है। लोगों से अपील की गई है कि जिम्मेदारी से काम लें और अलर्ट मिलते ही प्रोटेक्टेड स्पेस में जाएं। वहां रहें जब तक नया ऐलान न हो। बाहर निकलने की ▶▶शेष पेज 7 पर

फुजैराह बंदरगाह पर लगी आग

फुजैराह तेल उद्योग क्षेत्र में लगी आग पर काबू पा लिया है, जो एक दुर्घटनाग्रस्त ड्रोन के मलबे से भड़की थी।एक्स पर जारी बयान के मुताबिक फुजैराह के अधिकारियों ने कहा कि हवाई रक्षा प्रणालियों द्वारा ड्रोन को रोके जाने के बाद मलबा गिरने पर आपातकालीन टीमों ने तेजी से कार्रवाई की।

कनाडा की उड़ानों पर भी असर

मिडिल ईस्ट में बिगड़ते हालातों के चलते कनाडा से इजरायल और दुबई के लिए फ्लाइट्स 22 मार्च तक कैंसिल कर दी गई हैं। युद्ध की स्थिति का असर कनाडा की उड़ानों पर भी दिखाई दे रहा है। एअर कनाडा के मुताबिक, 23 मार्च से सेवाएं फिर शुरू की जाएंगी।

नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल की बिल्डिंग पर भी अटैक

ईरान ने इजरायल पर फिर दागीं बैलिस्टिक मिसाइलें

परमाणु टेस्ट का संदेह

ईरान में भूकंप के तेज झटके

ईरान इस वक्त दोहरे संकट से गुजर रहा है। एक तरफ अमेरिका और इस्राइल के साथ भीषण जंग छिड़ी हुई है, तो दूसरी तरफ कुदरत ने भी मुश्किल बढ़ा दी है। इसी तनावपूर्ण माहौल के बीच मंगलवार को ईरान के दक्षिणी हिस्से में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, यह भूकंप दक्षिणी ईरान के गेराश शहर के पास आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.3 मापी गई। ईरान में 3 मार्च 2026 को फार्स प्रांत के खोन्ज इलाके में 4.3 तीव्रता का भूकंप आया जिसका केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई पर था। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार यह भूकंप गेराश शहर से 52 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में आया। इसका प्रभाव ग्रामीण इलाकों में महसूस हुआ। कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि यह भूकंप ईरान के गुप्त परमाणु परीक्षण की वजह से हुआ लेकिन विशेषज्ञों ने इसे खारिज कर दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस भूकंप और किसी परमाणु या सैन्य गतिविधि के बीच कोई वैज्ञानिक सबूत नहीं है। पहले भी ऐसे दावे हुए हैं जैसे 2024 में ईरान में 4.5 तीव्रता के भूकंप को परमाणु परीक्षण बताया गया।

अमेरिका ने नागरिकों से कहा सुरक्षा की गारंटी नहीं दे सकते

'मिडिल ईस्ट में लड़ाई तेज होने के साथ ही, संयुक्त राज्य अमेरिका का कहना है कि वह इजरायल से अपने नागरिकों को नहीं निकाल सकता। यरुशलम स्थित अमेरिकी दूतावास ने सभी अमेरिकी सरकारी कर्मचारियों और उनके परिवारों को अगले आदेश तक अपने घरों में और उसके आसपास ही शरण लेने को कहा है।

सऊदी अरब दूतावास पर हमला

ईरान ने मंगलवार तड़के रियाद स्थित अमेरिकी दूतावास पर ड्रोन से हमला किया और मध्य पूर्व में कई अन्य ठिकानों को भी निशाना बनाया। दो ड्रोनों के हमले से मामूली आगजनी और क्षति हुई।

ईरान में 750 से अधिक की मौत

इजराइल और अमेरिका के हवाई हमलों में अब तक ईरान में कम से कम 787 लोगों की मौत हुई है। यह जानकारी ईरानी रेड क्रीसेंट सोसायटी ने मंगलवार को दी।

होली की शुभकामनाएं

होली के अवसर पर सुधि पाठकों, विज्ञापनदाताओं, एजेंसियों और हॉकर बंधुओं समेत सभी शुभचिंतकों को हार्दिक शुभकामनाएं।

अवकाश

इस अवसर पर 4 और 5 मार्च को हरिभूमि कार्यालय में अवकाश रहेगा। 7 मार्च शनिवार को आपका यह प्रिय अखबार आपके हाथों में होगा।

प्रधान संपादक

हमले हुए तेज

जंग के साथ ही अब तेल पर वार

होर्मुज जलडमरूमध्य बंद, भारत के पास सिर्फ 45 दिनों का स्टाक

ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच जारी महायुद्ध अब वैश्विक आर्थिक संकट की ओर बढ़ गया है। ईरान ने आधिकारिक तौर पर दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्ग, होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने का ऐलान कर दिया है। ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि अगर किसी भी जहाज ने इस रास्ते से गुजरने की कोशिश की, तो उसे आग के हवाले कर दिया जाएगा। इधर, सरकारी अधिकारियों का कहना है कि भारत के पास अभी शॉर्ट-टर्म रुकावटों को मैनेज करने के लिए काफी बफर स्टॉक हैं। सप्लाई में रुकावट की स्थिति में कच्चे तेल के रिजर्व के 45 दिनों तक चलने का अनुमान है।

होर्मुज जलडमरूमध्य क्यों है महत्वपूर्ण?

यह संकरा समुद्री रास्ता वैश्विक अर्थव्यवस्था की धड़कन माना जाता है। दुनिया के कुल दैनिक तेल उपभोग का लगभग 20% हिस्सा इसी 33 किलोमीटर चौड़े रास्ते से गुजरता है। सऊदी अरब, इराक, यूएई और कुवैत जैसे देशों का तेल निर्यात इसी रास्ते पर निर्भर है। इस मार्ग के बंद होने से दुनिया भर में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आग लग सकती है, जिससे महंगाई का बड़ा संकट खड़ा हो सकता है।

अमेरिकी दावा- होर्मुज स्ट्रेट बंद नहीं

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी सेंट्रल कमांड का कहना है कि विश्व की तेल आपूर्ति के लिए एक महत्वपूर्ण शिपिंग मार्ग, होर्मुज स्ट्रेट बंद नहीं है। ईरानी अधिकारियों के बयानों के बावजूद अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट खुले होने का दावा किया है। हालांकि, सेंटकॉम ने रॉयटर्स के टिप्पणी के अनुरोध पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। वहीं, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा है कि उसने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद कर दिया है। यह समुद्री रास्ता बहुत अहम है, क्योंकि दुनिया का बड़ा हिस्सा तेल यहीं से गुजरता है।

इधर, राहत भरी खबर

खाड़ी देशों से लौटे 10 हजार भारतीय!

युद्ध के कारण खाड़ी देशों से भारतीयों की वापसी होने लगी है। खाड़ी देशों से अब तक करीब 10 हजार भारतीय अलग-अलग देशों से वापस लौट चुके हैं। इसमें ईरान से करीब 3 हजार भारतीयों को विशेष विमान से भारत लाया गया है। इसके साथ-साथ कुवैत से करीब ढाई हजार भारतीय वापस लौटे हैं। लेबनान में हमलों के कारण बेरुत से भी 1500 से अधिक भारतीय वापस लौट रहे हैं, जबकि यूएई और कतर से करीब 3 हजार भारतीयों ने वापसी की है।

वंतारा फाउंडेशन डेः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटन के एक वर्ष बाद, अनेक जानवर स्वस्थ होकर फिर से जंगल में लौटे

एजेंसी ▶▶| जामनगर

वंतारा फाउंडेशन डेः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटन के एक वर्ष बाद, अनेक जानवर स्वस्थ होकर फिर से जंगल में लौटेजामनगर, गुजरातः वंतारा फाउंडेशन डे के अवसर पर, जो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इसके उद्घाटन के एक वर्ष पूर्ण होने का प्रतीक है, वंतारा ने वन्यजीव बचाव, उन्नत चिकित्सीय

देखभाल और विज्ञान-आधारित संरक्षण में अपने एक वर्ष के मापनीय प्रभाव पर प्रकाश डाला।

अनंत मुकेश अंबानी द्वारा स्थापित वंतारा ने विभिन्न प्रजातियों के हजारों बचाए गए वन्य जीवों—जिनमें बड़े बिल्लीनुमा जीव, सरीसृप, प्राइमेट्स (वनमानुष वर्ग), पक्षी तथा अन्य स्तनधारी शामिल हैं—को स्वस्थ किया है। बीते वर्ष में इसकी पशु-चिकित्सा टीमों ने कई जटिल शल्य प्रक्रियाएं कीं और अनेक जानवरों को उनके प्राकृतिक आवास में पुनर्वासित किया, साथ ही बचाव, उपचार और पूर्ण स्वस्थ होने के बाद कई जानवरों को पुनः जंगल में छोड़ा। अपने पहले वर्ष में, अनंत अंबानी को वन्यजीव की विशेष देखभाल और संरक्षण में उनके उल्लेखनीय वैश्विक योगदान के लिए प्रतिष्ठित 'ग्लोबल ह्यूमेन अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। जो करुणा और विज्ञान-आधारित संरक्षण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। वंतारा के कार्य को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर EARAZA और SEAZA की सदस्यता, ग्लोबल ह्यूमेन कंजर्वेशन सर्टिफिकेशन तथा प्राणी मित्र पुरस्कार 2025 के माध्यम से भी मान्यता मिली है।

सम्मान से आगे बढ़ते हुए, संगठन ने दीर्घकालिक प्रभाव निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया है—सैकड़ों पशु-चिकित्सकों को संरक्षण चिकित्सा में प्रशिक्षित

किया, 50 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय ज्ञान-साझाकरण कार्यक्रम आयोजित किए, और हजारों बच्चों को जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से जोड़ा, ताकि अगली पीढ़ी को संरक्षण के प्रति प्रेरित किया जा सके। पिछले एक वर्ष में, वंतारा ने संकटग्रस्त और शोषणपूर्ण परिस्थितियों से जानवरों का बचाव किया है, साथ ही उन्हें विश्व-स्तरीय पशु-चिकित्सीय देखभाल और दीर्घकालिक, विशेष सहायता प्रदान की है। लकड़ी ढुलाई, सर्कस, सवारी और भीख मांगने जैसी गतिविधियों से बचाए गए 250 से अधिक हाथियों—जो गठिया और अन्य आयु-संबंधी बीमारियों से ग्रस्त थे—को विशेष देखभाल दी जा रही है। वंतारा भीड़भाड़ वाली सुविधाओं से बचाए गए हजारों मगरमच्छों की निरंतर देखभाल भी करता है। भारत के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर सहयोग के माध्यम से, वंतारा करुणा, कल्याण और विज्ञान पर आधारित एक वैश्विक संरक्षण मॉडल को प्रतिबिंबित करता है।वन्यजीवों के लिए राष्ट्रीय रेफरल केंद्र (पश्चिम क्षेत्र) के रूप में नामित वंतारा ने वन्यजीव स्वास्थ्य को व्यापक रोग निगरानी और समन्वित प्रतिक्रिया प्रणालियों में एकीकृत कर भारत के 'वन हेल्थ' पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ किया है। इसकी वैज्ञानिक संरचना में एक केंद्रीय वैज्ञानिक प्रयोगशाला और 11 उपग्रह प्रयोगशालाएं शामिल हैं, जिनमें 70 से अधिक विशेषज्ञ कार्यरत हैं और जो प्रतिदिन 2,000 से अधिक नैदानिक

नमूनों की जांच करती हैं। इनकी क्षमताओं में बायो-बैंकिंग, नेक्स्ट-जनरेशन सीक्वेंसिंग, आणविक निदान, पैथोलॉजी, परजीविविज्ञान और विषविज्ञान शामिल हैं।

प्रतिदिन हजारों जानवरों की देखभाल का समर्थन करते हुए, वंतारा पूरी तरह स्वचालित प्रणालियों के माध्यम से 1,56,000 किलोग्राम उच्च-गुणवत्ता वाला पोषण तैयार करता है, जिसे 50 तापमान-नियंत्रित वाहनों के माध्यम से वितरित किया जाता है और 200 प्रशिक्षित पेशेवरों द्वारा प्रबंधित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, 1,000 से अधिक किसान चारा और पशु-आहार की खेती में सहयोग करते हैं। इस एकीकृत देखभाल के व्यापक स्तर के साथ 200 सदस्यों की चौबीसों घंटे सक्रिय प्रतिक्रिया टीम भी कार्यरत है, जिसने 50 से अधिक अंतरराष्ट्रीय बचाव अभियानों तथा 15 वन्यजीव त्वरित प्रतिक्रिया एवं बचाव टीम तैनातियों में सहयोग प्रदान किया है।

जंग की विभीषिका

तेहरान में मंगलवार को इजराइल के मिसाइल अटैक के बाद उठता धुंआ

तेहरान स्थित गांधी होटल के बाहर ईरानी झंडा लेकर खड़ा युवक।

तेहरान में मंगलवार को जाती हुई महिला।

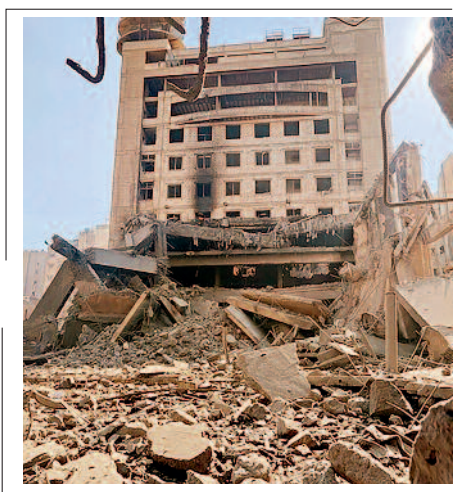

बेरुत, लेबनान में इजराइली अटैक के बाद जर्जर इमारत।

जासूसी खेल में नया खुलासा

इजराइल ने ट्रैफिक कैमरे हैक कर बनाया खामेनेई को निशाना, हर एक्टिविटी पर सालों रखी नजर

डिजिटल जासूसी के दम पर किया सटीक लोकेशन का पता

ट्रैफिक कैमरों से मिलने वाली फुटेज को भेजा जाता था गुप्त सर्वरों पर

अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए ने भी इस ऑपरेशन में की मदद

एजेंसी ▶▶ तेलअवीव

ईरान और अमेरिका के बीच चल रही तनातनी ने अब एक ऐसा मोड़ ले लिया है जिसकी कल्पना शायद ही किसी ने की हो। अमेरिकी और इजरायली हमलों में न केवल ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई मारे गए हैं, बल्कि उनके पूरे परिवार का नामो निशान मिटा दिया गया है। यह हमला इतना सटीक था कि इसने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है क्योंकि इसमें खामेनेई के पूरे वंश को एक साथ निशाना बनाया गया है। लंदन स्थित फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट ने खुलासा किया है कि इस भीषण हमले की प्लानिंग सालों से चल रही थी। इस पूरे ऑपरेशन की सबसे चौंकाने वाली बात इजरायल की जासूसी का तरीका है।

डिजिटल जासूसी के दम पर सटीक लोकेशन का पता

रिपोर्ट के मुताबिक इजरायली एजेंसियों ने सालों पहले तेहरान के लगभग सभी साढ़े 8 हजार ट्रैफिक कैमरों को हैक कर लिया था। इन कैमरों से मिलने वाली फुटेज को लगातार एनक्रिप्ट करके तेल अवीव और दक्षिण इजराइल के गुप्त सर्वरों पर भेजा जाता था। अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए ने भी इस ऑपरेशन में मदद की। इसमें एक खास कैमरा था, क्योंकि उससे पता चलता था कि सीनियर अधिकारियों के बॉडीगार्ड और ड्राइवर अपनी निजी गाड़ियां कहां पार्क करते हैं। इसके अलावा इजरायल ने ईरान के मोबाइल फोन नेटवर्क में भी सेंध लगा रखी थी। इसी डिजिटल जासूसी के दम पर खामेनेई की सटीक लोकेशन का पता लगाया गया।

ईरान के कोने-कोने से वाकिफ है इजराइली अधिकारी

खामेनेई बोले थे- मेरी मौत से फर्क नहीं पड़ता

फोन टावरों को भी किया गया था हैक

इजराइल के एक इंटेलिजेंस अधिकारी ने कहा कि वे तेहरान को उतनी अच्छी तरह जानते हैं जितनी अच्छी तरह यरुशलम को जानते हैं। जब आप किसी जगह को इतनी अच्छी तरह जानते हैं, तो वहां की कोई भी छोटी सी गड़बड़ी भी नजर आ जाती है। इजराइल में टारगेटिंग इंटेलिजेंस बहुत जरूरी है, अगर फैसला होता है कि किसी को मारना है, तो इंटेलिजेंस उसे पूरा करने के लिए तैयार हो जाता है।

इन कैमरों से इजराइल को अफसरों के बारे में बहुत जानकारी मिली, जैसे उनका घर कहां है, वे कब ड्यूटी पर आते हैं, कौन सा रास्ता लेते हैं, और सबसे जरूरी बात वे किस नेता की सुरक्षा करते हैं या किसे ले जाते हैं। इसे इंटेलिजेंस में 'पैटर्न ऑफ लाइफ' कहते हैं। यह जानकारी इजराइल को खामेनेई की हत्या के लिए बहुत काम आई। यह एकमात्र तरीका नहीं था। इजराइल और सीआईए ने कई तरह की खुफिया जानकारी जुटाई थी। इजराइल ने पास्चर स्ट्रीट के आसपास के मोबाइल फोन टावरों को भी हैक किया, ताकि हमले के समय फोन व्यस्त दिखें और सुरक्षा टीम को कोई चेतावनी न मिले।

जब सीआईए और इजराइल को पता चला कि शनिवार सुबह खामेनेई अपने ऑफिस में बैठक कर रहे हैं और कई बड़े नेता साथ हैं, तो मौका बहुत अच्छा लगा। युद्ध शुरू होने के बाद उन्हें ढूंढना मुश्किल हो जाता, क्योंकि वे बंकरों में छिप जाते। लेकिन खामेनेई ने कभी-कभी सार्वजनिक रूप से कहा था कि उनकी मौत से फर्क नहीं पड़ता।

खामेनेई की हत्या पर भारत की चुप्पी से हैरानी : सोनिया

यूपीए चेयरपर्सन ने कहा- यह न्यूट्रल रहना नहीं, जिम्मेदारी से पीछे हटना

कांग्रेस की राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी ने ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या पर भारत सरकार की चुप्पी को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा- दिल्ली की चुप्पी हैरान करने वाली है, यह तटस्थता (न्यूट्रल) नहीं, बल्कि जिम्मेदारी से पीछे हटना है। मंगलवार को इंडियन एक्सप्रेस में पब्लिश आर्टिकल में उन्होंने लिखा- 1 मार्च को ईरान ने पुष्टि की कि उसके सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई की एक दिन पहले अमेरिका और इजराइल के टारगेटेड अटैक में हत्या कर दी गई। जब दो देशों की डिप्लोमैट लेवल की बातचीत चल रही हो, तब एक मौजूदा राष्ट्राध्यक्ष की हत्या अंतरराष्ट्रीय संबंधों में गंभीर दरार को दिखाती है। सोनिया ने लिखा कि भारत सरकार ने न तो हत्या की निंदा की और न ही ईरान की संप्रभुता के उल्लंघन पर कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया दी। मोदी ने अमेरिका-इजराइल के हमले को अनदेखा किया, केवल यूएई पर ईरान की जवाबी कार्रवाई की निंदा की। बाद में पीएम ने 'गहरी चिंता' और 'बातचीत व कूटनीति' की बात कही। जबकि हमला उस समय हुआ, जब दो देशों के बीच कूटनीतिक प्रक्रिया जारी थी।

ईराक-इजराइल युद्ध का परीक्षाओं पर असर

खाड़ी देशों में 5-6 मार्च को होने वाली सीबीएसई परीक्षाएं स्थगित

ईराक-इजराइल युद्ध जारी है। इस युद्ध में पहले दिन से अमेरिका ने इजराइल की तरफ से मोर्चा खोला हुआ है, जिसके तहत वह कई मिडिल ईस्ट देशों में स्थित मिलिट्री कैंपों से ईराक पर हमला किया जा रहा है। तो वहीं ईराक भी मिडिल ईस्ट देशों पर हमले कर रहा है। इस वजह से मिडिल ईस्ट देशों में अशांति बनी हुई है। इसे देखते हुए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने बड़ा फैसला लिया है। सीबीएसई ने मिडिल ईस्ट देशों में 5 व 6 मार्च को प्रस्तावित 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं का स्थगित कर दिया है। इस संबंध में सीबीएसई ने 3 मार्च को सर्कुलर जारी कर दिया है। आइए जानते हैं कि मिडिल ईस्ट के कौन-कौन से देश में 5 व 6 मार्च को प्रस्तावित 10वीं और 12वीं के एग्जाम सीबीएसई ने पोस्टपोन किए हैं?

मिडिल ईस्ट के इन देशों में नहीं होंगे बोर्ड एग्जाम

मिडिल ईस्ट के बहरीन, ईरान, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब एंड यूएई में सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों में 10वीं और 12वीं के 5 और 6 मार्च को प्रस्तावित बोर्ड एग्जाम नहीं होंगे। सीबीएसई ने कहा है कि मिडिल ईस्ट की मौजूदा परिस्थिजनक स्थिति की समीक्षा करते हुए ये फैसला लिया गया है।

7 मार्च के बाद के एग्जाम पर 5 को फैसला

सीबीएसई ने साथ ही कहा है कि मिडिल ईस्ट देशों की मौजूदा परिस्थिजनक स्थिति की समीक्षा करने के बाद 7 मार्च के बाद होने वाले 10वीं और 12वीं बोर्ड एग्जाम पर फैसला लिया जाएगा। ये समीक्षा 5 मार्च को किए जाएगी, जिसमें इस संबंध में फैसला लिया जाएगा।

नई तारीखों का जल्द होगा ऐलान

सीबीएसई की तरफ से मिडिल ईस्ट देशों में 10वीं और 12वीं बोर्ड एग्जाम को पोस्टपोन कर दिया गया है। ऐसे में स्टूडेंट्स की परेशानियां बढ़ी हुई हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए सीबीएसई ने कहा है कि पोस्टपोन हुए एग्जाम की नई तारीखों का जल्द ही ऐलान किया जाएगा।

2 मार्च को प्रस्तावित बोर्ड एग्जाम पोस्टपोन

सीबीएसई ने इससे पहले मिडिल ईस्ट देशों में 2 मार्च को प्रस्तावित 10वीं और 12वीं बोर्ड एग्जाम को पोस्टपोन कर दिया था. ईरान, इजराइल युद्ध को देखते हुए बोर्ड एग्जाम को पोस्टपोन किया गया था। 2 मार्च को प्रस्तावित एग्जाम की नई तारीख का अभी ऐलान नहीं किया गया है।

अमेरिका-इजरायल की बढ़ाई टेंशन

चीन ने चुपके से कर दिया खेल ईरान को दे दिए बड़े हथियार

एजेंसी ▶▶ लंदन

चीन ने वैसे तौर पर आधिकारिक तौर पर ईरान के साथ सीधे किसी भी तरह के हथियार सौदे से इनकार किया है, लेकिन ईरान की अमेरिका और इजराइल के साथ जंग के बीच विशेषज्ञ तेहरान की हवाई और मिसाइल रक्षा को मजबूत करने में बीजिंग की भूमिका पर सवाल उठा रहे हैं। फिलहाल ईरान की सैन्य क्षमता काफी हद तक उसकी अपनी घरेलू तकनीक और रूस जैसे दूसरे साझेदारों पर निर्भर है। वहीं एक एक चैनल को मिली एक खुफिया रिपोर्ट के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों और भू-राजनीतिक जोखिमों के कारण चीन और ईरान के बीच बड़े खुले हथियार सौदे कम दिखाई देते हैं। हालांकि चीन ने फिर भी ईरान को पिछले दरवाजे से मदद पहुंचाई है।

चीन ने भेजी सुपरसोनिक एंटी-शिप क्रूज मिसाइल

चीन की तरफ से ईरान को दिए हथियारों में सबसे ज्यादा चर्चा सीएम-302 सुपरसोनिक एंटी-शिप क्रूज मिसाइल की है, जो चीन की वायजे-12 मिसाइल का एक्सपोर्ट वर्जन मानी जाती है। यह मिसाइल मुख्य रूप से बड़े नौसैनिक जहाजों जैसे एयरक्राफ्ट कैरियर, डेस्ट्रॉयर और युद्धपोतों को निशाना बनाने के लिए बनाई गई है। हालांकि चीन ने इस सौदे को अंतिम रूप दिए जाने से इनकार किया है।

एफ-35 और बी-2 को पकड़ लेगा यह रडार

तीसरा महत्वपूर्ण सिस्टम वायएलसी-8**B** यूएचएफ लंबी दूरी का सर्विलांस रडार है। यह 3डी रडार है, जो स्टेल्थ यानी रडार से बचकर उड़ने वाले विमानों जैसे एफ-35 और बी-2 को भी दूर से पकड़ने में सक्षम बताया जाता है। इसकी सप्लाई 2025 में शुरू हुई और कई यूनिट्स ईरान के रक्षा नेटवर्क में जोड़ी गईं। यूएचएफ बैंड में काम करने के कारण यह कम दिखाई देने वाले विमानों और बैलिस्टिक मिसाइलों का जल्दी पता लगा सकता है। यह ईरान की वायु रक्षा की अलग-अलग परतों को मजबूत करने में मदद करता है और समय रहते चेतावनी देने का काम करता है। रिपोर्ट में मिसाइल ईंधन से जुड़े रसायनों और पुर्जों का भी जिक्र है, जैसे सोडियम परक्लोरेट और अमोनियम परक्लोरेट. सोडियम परक्लोरेट को अमोनियम परक्लोरेट में बदला जाता है, जो ठोस ईंधन वाली मिसाइलों में करीब 70 प्रतिशत तक इस्तेमाल होता है। युद्ध के दौरान ईरान के घटे मिसाइल भंडार को दोबारा भरने में इन सामग्रियों की भूमिका अहम मानी जा रही है।

चीनी एस-400 भी ईरान को थमाया

इसके अलावा एचक्यू-9**B** लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल डिफेंस सिस्टम (एसएएम) की भी चर्चा है। यह सिस्टम रणनीतिक वायु और मिसाइल रक्षा के लिए बनाया गया है, ताकि परमाणु ठिकानों, बड़े शहरों और सैन्य अड्डों को हवाई हमलों से बचाया जा सके। रिपोर्टों के अनुसार 2025 की गर्मियों से इसकी सप्लाई और तैनाती शुरू हुई। इसकी मारक दूरी लगभग 200 से 260 किलोमीटर तक बताई जाती है। इसे चीन का उन्नत सिस्टम माना जाता है, जो रूस के **S**-300 या **S**-400 के बराबर समझा जाता है।

पीएम नरेंद्र मोदी को ईरान संकट पर बोलना चाहिए : राहुल

कांग्रेस नेता ने कहा- चुप्पी दुनिया में भारत की हैसियत कम करती है

ईरान के मसले को लेकर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार को घेरा है। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी को ईरान संकट पर बोलना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस विवाद पर अब भी चुप रहने से दुनिया में भारत की हैसियत कम होती है। राहुल गांधी ने अपने एक्स पोस्ट में कहा कि अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच बढ़ती दुश्मनी एक नाजुक इलाके को बड़े झगड़े की ओर धकेल रही है। उन्होंने कहा कि उसे इलाके में करोड़ों लोग (जिनमें लगभग एक करोड़ भारतीय भी शामिल हैं) अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, 'भारत को नैतिक रूप से स्पष्ट होना चाहिए। हमारे पास इंटरनेशनल कानून और इंसानी जिंदगी के बचाव में साफ-साफ बोलने की हिम्मत होनी चाहिए। हमारी विदेश नीति संप्रभुता और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान पर आधारित है और इसे एक जैसा रहना चाहिए।'

'दोनों तरफ के हमलों की निंदा होनी चाहिए'

इसी पोस्ट में राहुल गांधी ने कहा कि सुरक्षा की चिंताएं अपनी जगह सही हैं लेकिन किसी भी देश की संप्रभुता का उल्लंघन करके किए गए हमले संकट को और बढ़ा देंगे। उन्होंने कहा कि ईरान पर हमले हों या ईरान द्वारा अन्य मिडिल ईस्ट देशों पर किए जा रहे हमले, निंदा दोनों की होनी चाहिए। गांधी ने कहा कि हिंसा से हिंसा ही पैदा होती है – बातचीत और संयम ही शांति का एकमात्र रास्ता है। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी से सवाल किया कि क्या वह वर्ल्ड ऑर्डर को डिफाइन करने के तरीके के तौर पर किसी हेड ऑफ स्टेट की हत्या का सपोर्ट करते हैं?

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

छत्तीसगढ़ में पांच साल में शराब की खपत पहुंची दो गुना, पीने पिलाने में रायपुर अव्वल

खास खबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में इस साल होली के मौके पर बिकने वाली शराब की एक-एक बोतल राज्य में शराब बिक्री के आंकड़ों में इजाफा करने वाली होगी। ये बात दरअसल इसलिए है, क्योंकि प्रदेश में साल-दर साल शराब की बिक्री और खपत बढ़ती ही जा रही है्। इसका नतीजा ये है कि पिछले पांच साल में छत्तीसगढ़ में शराब बिक्री दोगुनी से अधिक हो गई है। पांच साल पहले सरकार को इस कारोबार से पांच हजार करोड़ रुपयों का राजस्व मिला था, जो इस चालू वित्तीय वर्ष में बढ़कर 11 हजार करोड़ से अधिक होने की संभावना है। राज्य में इस समय देशी, अंग्रेजी और विदेशी शराब की उपलब्धता का आलम ये है कि बड़े शहरों से लेकर छोटे गांव-कस्बों में भी दुकानें खुली हुई है। प्रदेश भर में पिछले साल तक कुल मिलाकर 6 सौ 89 दुकानें मौजूद हैं, इनमें से 122 देशी शराब की, कंपोजिट दुकानें जहां देशी और अंग्रेजी दोनों मिलती है, उनकी संख्या 356 है, विदेशी मदिरा की दुकानें 167 हैं। प्रीमियम दुकानें जहां महंगी कीमत वाली बड़े ब्रांड की शराब बिकती है, इनकी संख्या 44 है। इन सभी दुकानों में नियमित रूप से बिक्री हो रही है। हालांकि राज्य सरकार पिछले साल 67 नई दुकानें ▶▶|शेष पेज 7 पर

रायपुर में सबसे ज्यादा हैं शौकीन

छत्तीसगढ़ में सभी 33 जिलों में शराब का सरकारी कारोबार जोरों पर है, लेकिन देखने वाली बात ये है कि किस जिले में सबसे ज्यादा पीने-पिलाने वाले हैं। यह जानने के लिए ये आंकड़े काफी है जिसमें बताया गया है कि किस जिले में शराब बिक्री से सरकार को कितना राजस्व मिला।

दुर्ग, बिलासपुर, बलौदाबाजार और राजनांदगांव में भी शौकीन बना रहे हैं रिकार्ड

जिला	राजस्व (अरब में)	वृद्धि %
रायपुर	17.74	25.42%
दुर्ग	10.39	24.68%
बिलासपुर	8.68	31.26%
बलौदाबाजार	3.87	30.60%
राजनांदगांव	3.31	12.12%

एक नजर साल-दर साल बढ़े राजस्व पर

प्रदेश में सरकार ने वर्ष 2025-26 में शराब से राजस्व वसूली का लक्ष्य 12 हजार करोड़ रुपए रखा है। इसमें से अब तक 9 हजार 659 करोड़ रुपए फरवरी तक मिल चुके हैं। अभी मार्च का पूरा महीना और होली के सीजन की बिक्री बाकी ▶▶|शेष पेज 7 पर

खबर संक्षेप

छग के बाद मप्र में भी 'शतक' करमुक्त

भोपाल। हिंदी फिल्म 'शतक : संघ के 100 वर्ष (2026)' को मध्यप्रदेश सरकार ने राज्य में मनोरंजन कर से मुक्त कर दिया है।

यह फिल्म राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्ष की यात्रा को दर्शाती है। इससे पहले छत्तीसगढ़ सरकार ने भी फिल्म को कर मुक्त कर दिया था। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि फिल्म को राष्ट्रीय सेवा और मूल्यों की उस परंपरा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से करमुक्त किया गया है।

हाईकोर्ट में तीन दिनों का होली अवकाश

बिलासपुर। होली पर्व पर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में 4 से 6 मार्च तक अवकाश रहेगा। 7 मार्च शनिवार व 8 मार्च रविवार होने के कारण 9 मार्च से नियमित कामकाज प्रारंभ होगा। इसमें ध्यान रहे कि 28 फरवरी को अवकाश के दिन कोर्ट लगाकर एक अवकाश को एडजेस्ट किया गया है। इस प्रकार राज्य शासन ने 4 मार्च को रंगपर्व पर अवकाश घोषित किया है।

'डोला पूर्णिमा' पर पुरी में अफरा-तफरी

पुरी। ओडिशा के पुरी में श्री जगन्नाथ मंदिर के पास मंगलवार को 'डोला पूर्णिमा' के अवसर पर श्रद्धालुओं के बीच अफरा-तफरी

फैलने के कारण कुछ समय के लिए हल्का तनाव फैल गया। किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है और स्थिति को तुरंत नियंत्रण में कर लिया गया। एक महिला श्रद्धालु अपनी पोशाक के कारण गिर गई। महिला पुलिसकर्मियों ने उसकी सहायता की और वह बिना किसी चोट के वापस खड़ी हो गई।

पति को घर के अंदर बंद कर पत्नी ने लगाई आग

महराजगंज। उत्तर प्रदेश के महराजगंज जिले में मंगलवार को एक महिला ने अपने पति को घर के अंदर बंद कर घर में आग लगा दी और बाहर से ताला लगाकर फरार हो गई। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और दरवाजा खोला तो अंदर रामपत का जला हुआ शव मिला। ग्रामीणों के मुताबिक रामपत (65) और सुमित्रा (60) के बीच पहले से ही विवाद चल रहा था।

स्कूलों में 1.2 करोड़ बच्चों का आधार डेटा अपडेट

नई दिल्ली। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने छह महीने के भीतर देशभर के एक लाख से अधिक स्कूलों में अनिवार्य

बायोमेट्रिक अपडेट का अभियान पूरा कर लिया है। इस अभियान से करीब 1.2 करोड़ स्कूली बच्चे लाभांवित हुए हैं। आधिकारिक बयान के मुताबिक, इस अभियान के तहत सात से 15 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए आधार में फिंगरप्रिंट एवं आंखों की पुतलियों के स्कैन को अद्यतन करने की सुविधा अक्टूबर, 2025 से एक वर्ष की अवधि के लिए मुफ्त रखी गई है।

भाजपा ने जारी की नौ राज्यसभा उम्मीदवारों की सूची

नितिन जाएंगे राज्यसभा, बंगाल में भाजपा का चुनावी दांव, छत्तीसगढ़ से लक्ष्मी

भाजपा ने राज्यसभा चुनाव को लेकर इसी के साथ अपने पूरे पत्ते खोल दिए हैं। नितिन नबीन को बीजेपी ने अपना राज्यसभा उम्मीदवार बनाया है। नबीन फिलहाल पटना की बांकीपुर सीट से विधायक हैं। अब अध्यक्ष बनने के बाद उन्हें उच्च सदन में भेजना तय हो गया है। इधर, छत्तीसगढ़ से लक्ष्मी वर्मा को उम्मीदवार बनाया गया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन राज्यसभा के सांसद बनेंगे। इसके अलावा बिहार से शिवेश कुमार को भी राज्यसभा का टिकट दिया गया है। भाजपा ने पश्चिम बंगाल से अपने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राहुल सिन्हा को उम्मीदवार बनाया है तो वहीं छत्तीसगढ़ से लक्ष्मी वर्मा राज्यसभा जाएंगी। इस तरह पार्टी ने कुल 9 उम्मीदवारों की लिस्ट एक साथ जारी की है। नितिन नवीन बिहार सरकार में मंत्री थे, जब उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया था। अब उन्होंने विधायकी की बजाय राज्यसभा की राह चुनी है।

असम की दो राज्यसभा सीटों के लिए सूबे के पथ निर्माण मंत्री जोगेन मोहन और विधायक तेराश गोवाला को उम्मीदवार बनाया गया है। ओडिशा से पार्टी ने मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल सामल को कैंडिडेट बनाया है तो वहीं सुजीत कुमार को ▶▶|शेष पेज 7 पर

बिहार में एनडीए ने पांचवां उम्मीदवार खड़ा कर दिया

नितिन-शिवेश निर्विरोध, लेकिन उपेंद्र को करनी होगी फाइट

संख्याबल के लिहाज से भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन और शिवेश कुमार राम तो आराम से राज्यसभा चले जाएंगे। लेकिन उपेंद्र कुशवाहा को पांचवी सीट के लिए फाइट करनी होगी। फाइट इसलिए कि पूरे एनडीए को मिलाकर भी जो वोट बनेंगे वो कुल जमा 38 होंगे। ऐसे में पांचवें एनडीए उम्मीदवार यानी उपेंद्र कुशवाहा को जीत के लिए 3 और विधायकों की जरूरत पड़ेगी।

सीएम साय ने वर्मा को दी बधाई

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति द्वारा छत्तीसगढ़ भाजपा की पूर्व उपाध्यक्ष और राज्य महिला आयोग सदस्य श्रीमती लक्ष्मी वर्मा को छत्तीसगढ़ से राज्यसभा चुनाव हेतु नामित किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं। संगठन के प्रति आपकी निष्ठा और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता निश्चित ही सदन में प्रदेश की आकांक्षाओं को सशक्त स्वर प्रदान करेगी।

शिवेश को बनाया अपना दूसरा उम्मीदवार

भाजपा ने अपना दूसरा राज्यसभा उम्मीदवार बनाया है शिवेश कुमार राम। शिवेश कुमार राम कौन हैं? को बीजेपी ने 2024 में सासाराम से लोकसभा उम्मीदवार बनाया था। लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। तब कहा गया था कि पवन सिंह की बगावत के चलते सासाराम पर शिवेश कुमार राम जीती हुई बाजी हार गए थे। माना जा रहा है कि पार्टी ने उन्हें हार के बाद भी वफादारी का इनाम दिया है और अब वो भी निर्विरोध राज्यसभा जाएंगे।

राहुल को राज्यसभा भेजने का अहम फैसला

पश्चिम बंगाल में अप्रैल-मई में ही चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में राहुल सिन्हा को राज्यसभा भेजने का फैसला अहम माना जा रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि वह कायस्थ समाज से आते हैं, जिसकी बड़ी आबादी पश्चिम बंगाल में है। इस वर्ग का बड़ा हिस्सा अब तक टीएमसी को वोट डालता रहा है, लेकिन भाजपा उन्हें लुभाने की कोशिश में जुटी है। यहां तक कि जब नितिन नबीन अध्यक्ष बनाए गए तो उन्हें लेकर भी यही कहा गया था कि पार्टी ने बंगाल चुनाव को साधने के लिए यह फैसला लिया है। इसके अलावा राहुल सिन्हा पार्टी के पुराने नेता हैं और मुश्किल वक्त में राज्य में संगठन खड़ा करने के लिए भी मेहनत से काम किया है।

बिहार में रोचक हुआ मुकाबला

बता दें कि बिहार में एनडीए ने पांचवां कैंडिडेट राज्यसभा में खड़ा कर दिया है। उसके पास अपने दम पर 4 कैंडिडेट जिताने का बहुमत है, लेकिन पांचवां कैंडिडेट उपेंद्र कुशवाहा को उतारकर उसने मुकाबला रोचक कर दिया है। बता दें कि बिहार से जेडीयू ने नीतीश कुमार के बेटे निशांत को राजनीति में उतारने का फैसला लिया है। उन्हें राजनीति में लाने के लिए लंबे समय से कोशिशें होती रही हैं और अब जेडीयू की रणनीति सफल होती दिख रही है।

वर्दी हुई दागदार जशपुर में 24 पैकेट गांजा बरामद

गांजा तस्करी के मामले में दो आरक्षक गिरफ्तार

गोविंद उर्फ सुनील भगत | रवि विश्वकर्मा | अमित त्रिपाठी | धीरेंद्र मधुकर

एजेंसी ▶▶| जशपुरनगर

जिले में नशे के खिलाफ चल रही मुहिम के बीच शनिवार को कोतवाली पुलिस ने ऐसी कार्रवाई की, जिसने पूरे पुलिस महकमे को झकझोर कर रख दिया। विवेकानंद कॉलोनी स्थित एक किराए के मकान से 24 पैकेट गांजा बरामद होने के बाद जब पूछताछ आगे बढ़ी तो तस्करी के तार सीधे पुलिस विभाग तक जा पहुंचे। मामले में दो आरक्षकों की गिरफ्तारी से सनसनी फैल गई है।

28 फरवरी को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि रवि विश्वकर्मा नामक व्यक्ति अपने किराए के मकान में भारी मात्रा में अवैध गांजा छिपाकर रखा है। सूचना मिलते ही थाना कोतवाली की टीम ने बिना देर किए ▶▶|शेष पेज 7 पर

पूछताछ में खुला बड़ा राज

सख्ती से पूछताछ करने पर रवि विश्वकर्मा ने बताया कि यह गांजा गोविंद उर्फ सुनील भगत ने पैसों के एवज में उसके घर में रखवाया था। पुलिस ने तत्काल सुनील भगत को भी गिरफ्तार कर लिया। मामले में थाना जशपुर में अपराध क्रमांक 74/26 के तहत धारा 20 (बी) एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर दोनों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

विभाग में मचा हड़कंप

मामले ने उस समय और गंभीर रूप ले लिया जब आरोपी गोविंद उर्फ सुनील ने पूछताछ में खुलासा किया कि थाना तपकरा के आरक्षक क्रमांक 581 धीरेंद्र मधुकर उम्र 37 वर्ष एवं आरक्षक क्रमांक 392 अमित त्रिपाठी उम्र 35 वर्ष भी गांजा तस्करी में मिलकर काम कर रहे थे। जांच के दौरान दोनों आरक्षकों की संलिप्तता पाए जाने पर उन्हें भी गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

पर्यटन के लिए गए थे

दुबई में फंसे करगी रोड कोटा के तीन दोस्त, लगाई गुहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

पश्चिम एशिया में ईरान और इज़राइल के बीच बढ़ते सैन्य तनाव का असर अब संयुक्त अरब अमीरात के प्रमुख शहर दुबई तक महसूस किया जा रहा है। इसी बीच करगी रोड, कोटा (छत्तीसगढ़) के तीन युवक शिवम मिश्रा, आकाश अग्रवाल और आयुष अग्रवाल के दुबई में फंसे होने की खबर से परिजनों में चिंता का माहौल है। तीनों युवक पर्यटन के उद्देश्य से दुबई गए थे, लेकिन वापसी के दिन से ही क्षेत्रीय सुरक्षा हालात को लेकर अनिश्चितता की स्थिति बन गई है। इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार करगी रोड निवासी शिवम मिश्रा अपने दो साथियों आकाश अग्रवाल और आयुष अग्रवाल के साथ घुमने के लिए दुबई पहुंचे थे।

तीनों दोस्त फिलहाल होटल में सुरक्षित

शिवम मिश्रा ने अपने परिवार से संपर्क कर जानकारी दी है कि क्षेत्र में अनिश्चितता का वातावरण है, हालांकि वे तीनों फिलहाल होटल में सुरक्षित हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि दुबई के प्रतिष्ठित स्थल बुर्ज खलीफा पर किसी प्रकार का मिसाइल अटैक नहीं हुआ है। परिवार के अनुसार शिवम ने अपील के माध्यम से अपनी स्थिति साझा की है, जिससे स्थानीय स्तर पर चिंता और बढ़ गई है। परिजनों ने भारत सरकार और विदेश मंत्रालय से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि दुबई और आसपास के क्षेत्रों में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर विशेष उड़ानों की व्यवस्था कर उन्हें सुरक्षित स्वदेश लाया जाए। शिवम के परिवार ने बताया कि वे लगातार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के संपर्क में हैं।

जानकारी नहीं दी गई

फिलहाल इस मामले में किसी ने लिखित रूप से कोई जानकारी नहीं दी है। सामान्यत: विदेश में फंसे नागरिकों से संबंधित सूचनाएं सीधे ईमेल के माध्यम से विदेश मंत्रालय को भेजी जाती हैं और वहीं से आवश्यक प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाती है। कोई जानकारी आती है तो जरूर पहल करते हुए सारी व्यवस्थाएं कराईं जाएंगी।

\- संजय अग्रवाल, कलेक्टर

साल का पहला चंद्रग्रहण...

नई दिल्ली। साल 2026 का पहला चंद्रग्रहण भारत सहित देश के कई हिस्सों में यह चंद्रग्रहण दिखाई दिया। अरुणाचल प्रदेश और असम में चंद्रमा सबसे पहले उदित हुआ। चंद्रग्रहण दोपहर 3 बजकर 20 मिनट से शुरू हुआ। चंद्रग्रहण कुल 3 घंटे 27 मिनट का रहा, जबकि खग्रास कुल 59 मिनट का था, जो 4 बजकर 34 मिनट से शुरू हुआ, जो शाम 6 बजकर 47 मिनट पर समाप्त होगा और इसके साथ ही चंद्रग्रहण समाप्त भी हो जाएगा। हिंदू धर्म में चंद्र ग्रहण को सिर्फ खगोलीय घटना नहीं, बल्कि धार्मिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जाता है। जब पृथ्वी सूर्य और चंद्रमा के बीच आ जाती है और उसकी छाया चंद्रमा पर पड़ती है, तब चंद्रग्रहण होता है। इस दौरान चंद्रमा का रंग हल्का लाल या तांबे जैसा दिखाई देता है, इसलिए इसे 'ब्लड मून' भी कहा जाता है।

हाईकोर्ट ने दी जमानत

पूर्व आईएएस टुटेजा और बिल्डर अनवर को राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

आबकारी घोटाला मामले में करीब 22 महीने से केंद्रीय जेल में निरुद्ध पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा और बिल्डर अनवर ढेबर को जमानत मिल गई है। हाईकोर्ट ने प्रकरण में आदेश रिजर्व रखा था जिसे अब सार्वजनिक किया गया है। ध्यान रहे कि हाइकोर्ट में जस्टिस अरविंद वर्मा की कोर्ट में अनिल टुटेजा, अनवर ढेबर, नितेश पुरोहित और यश पुरोहित की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित था। हाईकोर्ट ने इन सभी को जमानत दे दी है। ज्ञात हो कि पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा और बिल्डर अनवर ढेबर को ईओडब्लू ने जेल में रहने के दौरान पुनः गिरफ्तार किया है। ईओडब्लू ने अनिल टुटेजा को डीएमएफ मामले में जबकि अनवर ढेबर को आबकारी से ही जुड़े एक अन्य मामले में आरोपी बनाकर गिरफ्तार किया है। इन दोनों के ही अधिवक्ताओं ने ईओडब्लू की इस कार्यवाही को विधि के द्वारा मिले अधिकारों का खुला दुरुपयोग और संविधान तथा कानून की संप्रुभता का मखौल उड़ाना निरुपित किया है।

यूट्यूब पर 3 करोड़ सब्सक्राइबर्स का आंकड़ा पार

डिजिटल दुनिया के 'किंग' बने प्रधानमंत्री मोदी!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यूट्यूब चैनल ने 3 करोड़ सब्सक्राइबर का आंकड़ा पार कर लिया है। इसके साथ ही, वह इस प्लेटफॉर्म पर सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले विश्व नेता बन गए हैं। यह उपलब्धि उनकी बढ़ती डिजिटल लोकप्रियता को दिखाती है। रिपोर्ट के अनुसार, ▶▶|शेष पेज 7 पर

- इंस्टाग्राम के बाद यूट्यूब की फालोवर्स संख्या ने भी तोड़ा अन्य नेताओं का रिकॉर्ड

दूसरे नेताओं के कितने फॉलोअर्स

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो के लगभग 1.5 करोड़ , ब्राजील के राष्ट्रपति के करीब 1.44 करोड़ और तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के 1.16 करोड़ अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली के करीब 64 लाख, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राहुल गांधी भी सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं, लेकिन संख्या के मामले में अभी पीछे हैं।

ट्रंप और राहुल गांधी रह गए पीछे

नेता	सब्सक्राइबर्स (अनुमानित)	मोदी की तुलना में
नंबर 1 (वैश्विक)	नरेंद्र मोदी 3.0 करोड़+ (30एम)	ग्लोबल लीडर
नंबर 2 (वैश्विक)	जेयर बोलसोनारो (ब्राजील)70-75 लाख	लगभग 4 गुना कम
नंबर 3 (वैश्विक)	डोनाल्ड ट्रंप (अमेरिका)40-45 लाख	7 गुना से भी कम
भारतीय नेता	राहुल गांधी (कांग्रेस)1.0 करोड़	3 गुना कम
राजनीतिक दल	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 70-75 लाख	4 गुना से भी कम

अन्य प्लेटफॉर्म पर भी मजबूत मौजूदगी

प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी काफी मजबूत और प्रभावशाली मानी जाती है। आंकड़ों के अनुसार, एक्स पर उनके करीब 10.6 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स हैं, जो बड़ी संख्या है। इस प्लेटफॉर्म पर एलन मस्क सबसे ऊपर हैं, जबकि बराक ओबामा और डोनाल्ड ट्रंप भी बड़ी संख्या में फॉलो किए जाते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि सोशल मीडिया आज नेताओं के लिए जनता से सीधे जुड़ने और संवाद करने का बड़ा माध्यम बन चुका है।

मुंबई। मुंबई में होली के मौके पर मंगलवार को एक-दूसरे को लोग रंग-गुलाल लगाते हुए।

कोलकाता। कोलकाता, बंगाल में इस्कॉन मंदिर में मंगलवार को होली के त्योहार से एक दिन पहले गुलाल लगाए लोग नाचते हुए, जश्न मनाते हुए।

24 देशों के विदेशी पर्यटक, भारतीयता का रंग-गुलाल

एजेंसी ▶▶| जयपुर

गुलाबी नगरी में 'ग्लोबल होली'

विदेशी मेहमानों संग मनाया गया रंगोत्सव
पर्यटन विभाग ने किए विशेष इंतजाम

300 किलो गुलाल और देशी-विदेशी पर्यटकों का संगम

राजस्थान की राजधानी जयपुर में ऐतिहासिक खासा कोठी होटल परिसर एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक मिलन का केंद्र बना। पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित इस भव्य 'होली उत्सव' में दुनिया के 24 देशों के विदेशी पर्यटक भारतीय संस्कृति और रंगों के अनूठे मेल के साक्षी बने।इस वर्ष का आयोजन अपनी भव्यता के कारण बेहद खास है। उत्सव में 3000 से अधिक देशी और विदेशी पर्यटकों के शामिल हुए। होली खेलने के लिए विशेष रूप से 300 किलो से अधिक प्राकृतिक (हर्बल) गुलाल की व्यवस्था की गई।

पर्यटन विभाग की पहल

इस उत्सव को सफल बनाने के लिए पर्यटन विभाग ने शहर के विभिन्न होटलों में ठहरे पर्यटकों को विशेष निमंत्रण पत्र भेजे हैं। होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान और पर्यटन व्यवसाय से जुड़े उद्यमियों के सहयोग से विदेशी मेहमानों को खासा कोठी तक लाने और उन्हें इस उत्सव की जानकारी देने की पूरी रणनीति तैयार की गई है। पर्यटन विभाग की यह अनूठी पहल न केवल राजस्थान के पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर ले जाती है, बल्कि 'अतिथि देवो भवः' की भावना को पूरी दुनिया के सामने जीवंत कर देती है।

तिलक, आरती व लोक नृत्यों की संस्कृति

खासा कोठी में जैसे ही विदेशी मेहमान प्रवेश किया। पर्यटन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी राजस्थानी परंपरा के अनुसार तिलक, गुलाल और आरती के साथ उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद राजस्थानी लोक कला का जादू शुरू हुआ।

- **कालबेलिया नृत्य :** नागिन की तरह लहराती नृत्यांगनाओं की चपलता मेहमानों को दांतों तले उंगली दबाने पर मजबूर कर दिया।
- **घूमर और चक्री :** राजस्थानी लोक गीतों की मधुर धुनों पर होने वाले पारंपरिक नृत्य विदेशी सैलानियों भी थिरकने लगे।

गंगा जमुनी तहजीब की मिसाल बना सामुदायिक एकता का 'गुलालोत्सव'

वाराणसी में मुस्लिम महिलाओं ने खेली होली, दिया शांति का संदेश

एजेंसी ▶▶| वाराणसी

वाराणसी के लमही गाँव के सुभाष भवन में मंगलवार को होली के अवसर पर मुस्लिम महिलाओं ने हिंदू महिलाओं के साथ मिलकर गुलाल और रंग खेलकर सामूहिक उत्सव मनाया। इस कार्यक्रम का नाम 'गुलालोत्सव' रखा गया और यह स्थानीय सामाजिक संगठनों — मुस्लिम महिला फाउंडेशन तथा विशाल भारत संस्थान — के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में ढोल-मजीरे पर गीत, नृत्य और रंग खेलते हुए सभी मिलकर एक शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण माहौल तैयार कर लिया। हिन्दू और मुस्लिम महिलाओं ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर शांति, भाईचारे और एकता का संदेश दिया। प्रमुख वक्ताओं ने कहा कि ऐसे आयोजन धार्मिक विभाजन की बजाय सांस्कृतिक जुड़ाव और मानवीय एकता को उजागर करते हैं।

मुस्लिम महिला फाउंडेशन के गुलालोत्सव में जमकर उड़ा गुलाल

सांस्कृतिक एकता की मिसाल

यह आयोजन धार्मिक मतभेदों से ऊपर उठकर सांस्कृतिक एकता की मिसाल बन गया। विश्व में कई जगह तनाव और सांप्रदायिक संघर्ष की ख़बरें की जा रही हैं, ऐसे में यह घटना शांति-संदेश के रूप में भी चर्चा में रही। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ताओं ने जरूरतमंदों में उपहार-होली पोटलियाँ भी वितरित कीं।

हम भारत में रहते हैं यह सबसे बड़ा अचीवमेंट

हिंसा और कट्टरपंथ ने पूरी दुनिया को आतंकवाद दिया मुस्लिम महिला फाउंडेशन की नेशनल सदर नाजनीन अंसारी ने कहा कि - हम भारत में रहते हैं यह सबसे बड़ा अचीवमेंट है।यहां की संस्कृति में रंगो, फ़ोल और गुलाल की होली का प्रावधान है। लेकिन इस समय मुस्लिम देशों में खून की होली खेली जा रही है। उन्होंने आगे कहा - मुस्लिम देश भगवान राम और कृष्ण के मार्ग पर चले तभी उनके देश में शांति आएगी। हिंसा, कट्टरपंथ और नफरत ने पूरी दुनिया को सिर्फ आतंकवाद दिया है।

नफरत की बात करने वालों को करारा जवाब

नफरत की बात करने वालों को करारा जवाब इस मौके पर मुस्लिम महिला नूरजहां ने कहा - हम सब हर साल की तरह आज यहां गुलाल और फूलों की पंखुड़ियों से होली खेलने के लिए आये हैं। यहां आकर ऐसा लगता है मानों सभी धर्म एक ही रंग में रंग गए हों। उन्होंने कहा - आज हम सभी ने एक दुसरे को गुलाल लगाकर आज यहां नफरत की बात करने वालों को करारा जवाब दिया है। भारत संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ राजीव ने कहा कि होली का त्योहार नफरत को खत्म करके गले मिलने के लिए ही मनाया जाता है। विश्व शांति के लिए त्योहारों का बहुत महत्व है।

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर, अटल नगर

(केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ) ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
Main Portal: https: // eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-

स. क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक / दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये लाख में)
1	186398 प्रथम आमंत्रण 26.02.2026	भिनोदा गगोरी मार्ग लंबाई 3.70 कि.मी. का निर्माण कार्य।	632.72
2	186407 प्रथम आमंत्रण 26.02.2026	जिला जशपुर के तपकरा में बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण कार्य।	276.95
3	186412 प्रथम आमंत्रण 26.02.2026	जिला बीजापुर ब्लॉक - बीजापुर के अंतर्गत पीडिया से मिरघोटुल मार्ग लंबाई 20.00 कि.मी. 32 नग पुल-पुलिया सहित मार्ग का निर्माण कार्य।	2777.29
4	186414 प्रथम आमंत्रण 26.02.2026	जिला बीजापुर ब्लॉक - बीजापुर के अंतर्गत मिरघोटुल से तर्रेम मार्ग लंबाई 7.50 कि.मी. 15 नग पुल-पुलिया सहित मार्ग का निर्माण कार्य।	1057.36
5	186415 प्रथम आमंत्रण 27.02.2026	1) जिला जशपुर के ग्राम पंचायत कछार से सरपंच बस्ती चौक पक्की सड़क से तिरसोठ तक मार्ग लं. 3.50 कि.मी. का निर्माण कार्य । 2) जिला जशपुर के ग्राम । पंचायत मुड़ापारा के एन. एच. 43 रोड से चर्चपारा होते हुए सुकबासुपारा तक मार्ग लं. 2.53 कि.मी. निर्माण कार्य।	576.57
6	186490 प्रथम आमंत्रण 27.02.2026	जिला खैरागढ़–छुईखदान - गंडई के अंतर्गत खैरागढ़ में सर्किट हाऊस का रेन वाटर हार्वेस्टिंग, बाऊण्ड्रीवॉल, 1 नग 'आई' टाईप स्टॉफ क्वार्टर, पार्किंग शेड, फायर फाईटिंग, लैण्ड स्कैपिंग, ट्यूब वैल, आंतरिक सी.सी.मार्ग, ड्रायवर रेस्ट रूम गार्ड रूम एवं विद्युतीकरण सहित निर्माण का कार्य।	295.63
7	186508 प्रथम आमंत्रण 27.02.2026	जिला जांजगीर-चांपा के राष्ट्रीय राजमार्ग क्रं. 49 से जांजगीर चांपा के मध्य लक्षनपुर के पास भुंडी नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	375.66
8	186533 प्रथम आमंत्रण 27.02.2026	जिला सक्ती (जांजगीर-चांपा) के सक्ती - मालखरौदा - छपोरा मार्ग के कि.मी. 6/10 पर ग्राम आडिल के पास सपनाई नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	364.44
9	186534 प्रथम आमंत्रण 27.02.2026	जिला कोरबा के कुदमुरा - श्यांग मार्ग में गुरमा नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	497.22
10	186527 तृतीय आमंत्रण 27.02.2026	जिला जशपुर के धौरासांड से दाईजबहार मार्ग पर ईब नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	909.17
11	186528 तृतीय आमंत्रण 27.02.2026	केसतरा से टेढ़ाघौरा मार्ग लंबाई 2.80 कि.मी. का मजबूतीकरण कार्य।	337.00
12	186529 द्वितीय आमंत्रण 27.02.2026	Under PM USha Component Grants to Strenghten Colleges (GSC) अंतर्गत शासकीय राजीव लोचन स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजिम जिला गरियाबंद के परिसर में 02 नग स्मार्ट क्लास रूम, कम्प्युटर लैब, डिजिटल लाईब्रेरी एवं प्रथम तल में 03 नग अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य, विद्युतीकरण कार्य सहित, जमा मद का कार्य ।	340.96
13	186561 प्रथम आमंत्रण 27.02.2026	जिला जशपुर के कण्डोरा से आराकोना पहुंच मार्ग लं. 3.00 कि.मी. पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य।	354.77
14	186539 प्रथम आमंत्रण 27.02.2026	जिला महासमुंद विकासखंड पिथौरा के सावित्रीपुर से बिजेमाल मार्ग लंबाई 3.60 कि.मी. का पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य।	386.92
15	186461 प्रथम आमंत्रण 27.02.2026	बलौदा बायपास मार्ग (बलौदा रामपुर चारपारा शनिचराडीह) मार्ग के किमी. 1/2 से 8/6 (165 मी.) (वास्तविक कि.मी. 4/6 से 7 /2 (100 मी) लंबाई 2.50 कि.मी.) का शेष कार्य।	603.47
16	186468 प्रथम आमंत्रण 27.02.2026	जिला धमतरी के धमतरी - बागतराई पहुंच मार्ग के कि.मी. 1/2 से 3/8 2.80 कि.मी. के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण निर्माण कार्य, पुल पुलिया सहित।	398.74
17	186491 प्रथम आमंत्रण 27.02.2026	जिला जशपुर के ग्राम पंचायत चराईडांड के मलेरिया बस्ती से एन. एच. 43 तक पहुंच मार्ग, लं. 1.90 कि.मी. पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य।	214.11
18	186498 प्रथम आमंत्रण 27.02.2026	जिला जशपुर के माडो से ढेंगनी पहुंच मार्ग लंबाई 3.10 कि.मी. पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य।	348.99
19	186525 प्रथम आमंत्रण 27.02.2026	जिला बेमेतरा के वि.ख. बेरला के भिंभौरी में शासकीय नवीन महाविद्यालय भवन का वाटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग, सेप्टिक टैंक, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, पहुंच मार्ग एवं विद्युतीकरण सहित निर्माण कार्य ।	456.18

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथी सं.क्र. 10 से सं.क्र. 11 दिनांक 10.03.2026, सं.क्र. 12 दिनांक 16.03.2026 निर्धारित है। एवं अन्य शेष निविदाओं के लिए दिनांक 20.03.2026 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है।

मुख्य अभियंता
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय प्रमुख अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर

G-252607004/4

JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?
वैदेही तुलसी कफ सीरप
नई एवं पुरानी खांसी, एलर्जी खांसी, श्वास, निमोनिया, कुकुरखांसी, टान्सिल, ब्रानकाटिस, सर्दी आदि में तेज असर कारक
2 वर्ष से बड़े बच्चों के लिए हानिरहित कफ सिरप
HMS देखकर खरीदें एक बार उपयोग कर देखें 94060-21769

हरिभूमि HEALTH CARE छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • केमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

सुधा सूरज फर्टिलिटी केयर
डॉ. सूरज कुमार चौधरी MD (Physician, Pathology)
डॉ.सुधा अग्रवाल चौधरी MBBS, MS (OBG) FRM स्त्री रोग विशेषज्ञ, इंफर्टिलिटी कंसल्टेंट
• पुरुष और महिला बांझपन परीक्षण • आईवीएफ, आईयूआई, पीसीओएस, सोनोग्राफी,
• सभी पैथोलॉजी परीक्षण (रक्त, मूत्र, मल और वीर्य विश्लेषण) • गर्भवती महिला एवं गर्भाशय की सोनोग्राफी (टीवीएस, डॉपलर 3डी, 4डी)
C-81, VIP Estate, Opposite Ashoka Ratan Gate No.2, Shankar Nagar, Raipur, Mob. 63549 65797, 95120 44488

Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
छाती, एलर्जी एवं सांस से जुड़ी सभी बीमारियों का आधुनिक एवं विशेषज्ञ उपचार एक ही स्थान पर
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल 24 घंटे आपात चिकित्सा
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

निवेद चेस्ट & आई केयर
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयोथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण क्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनॉपेथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केनाल सिविल रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बडों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

पाइल्स
क्षारसूत्र विशेषज्ञ
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर
25 वर्षों का अनुभव
11000 से ऊपर सफल चिकित्सा
फाफाडीह / पंडरी, रायपुर, मो. 9039050422

वैरिकोज वेन्स & VASCULAR Clinic
वैरिकोज वेन्स & वैस्कुलर क्लिनिक
डॉ. प्रशांत पोटे MD DNB FVIR Interventional Radiologist
• वैरिकोज वेन्स • पैर का अल्सर • डीवीटी • फाइब्रॉइड • थायरॉइड/गॉइटर
पता- 309, लालगंगा बिजनेस पार्क, पचपेड़ी नाका, रायपुर, मोबाईल : 7400628099

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

मैं ईरान गई तो वो मार देंगे

मुंबई। बॉलीवुड और वेब सीरीज दर्शकों के बीच लोकप्रिय एलनाज नौरोजी ने एक बार फिर अपनी राय को पद पर रखकर सुर्खियां बटोरी हैं। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के पर प्रतिक्रिया देते हुए एलनाजने स्पष्ट किया है कि वह अपने देश ईरान वापस नहीं जा सकतीं,

क्योंकि उन्हें जान का खतरा है। एलनाज ने 2017 में एक पाकिस्तानी फिल्म से अपना एक्टिंग कॅरियर की शुरुआत की थी। इसके बाद 2018-19 में उन्होंने सैक्रेड गेम्स के दो सीजन में जोया का किरदार निभाया, जिससे उन्हें अपार पॉपुलैरिटी मिली। वह अभय, मेड इन हेवेन, जग जग जीयो और मस्तीज 4 जैसे प्रोजेक्ट्स में भी नजर आ चुकी हैं। 2023 में उन्होंने जेरार्ड बटलर के साथ हॉलीवुड फिल्म कंधार से वहां डेब्यू किया था। एक नए इंटरव्यू में एलनाज ने कहा है कि वह अपने देश ईरान नहीं लौट सकती हैं, क्योंकि अगर ईरान गईं तो उन्हें मार दिया जाएगा। बॉलीवुड और टीवी सेलेब्स भी इस मसले पर अपनी-अपनी राय रख रहे हैं। एक इंटरव्यू में एलनाज ने साफ किया कि उनका विरोध ईरान के लोगों के खिलाफ नहीं, बल्कि वहां के शासन यानी इस्लामिक रिपब्लिक के खिलाफ है। उन्होंने कहा, 'जब हम ईरान की बात करते हैं, तो मैं इस्लामिक रिपब्लिक और ईरान के लोगों के बीच फर्क करना चाहूंगी। इस्लामिक रिपब्लिक ने देश पर कब्जा कर रखा है।

बॉलीवुड की मशहूर होली पार्टियों में मिलती है मस्ती, रंगों और सौहार्द की झलक ...

मुंबई। होली भारत के सबसे जीवंत और व्यापक रूप से मनाए जाने वाले त्योहारों में से एक है, और बॉलीवुड अक्सर संगीत, नृत्य और रंगों का संगम करने वाली कुछ बेहतरीन होली पार्टियों का आयोजन करता है। बॉलीवुड की होली पार्टियों में हमेशा से एक जादुई आकर्षण रहा है, जो त्योहार की उमंग और बॉलीवुड की चकाचौंध का अद्भुत संगम है। बच्चन परिवार की पारिवारिक होली पार्टियों से लेकर शाहरुख खान की सितारों से सजी पार्टियों तक, ये यादगार पार्टियां बॉलीवुड के इतिहास में एक किंवदंती बन गई हैं। इन आयोजनों के कुछ खास पल अक्सर सोशल मीडिया पर वायरल हो जाते हैं, जिससे प्रशंसकों को बॉलीवुड की होली पार्टियों को खास बनाने वाले मस्ती, रंगों और सौहार्द की झलक मिलती है। ये पार्टियां बॉलीवुड की मस्ती और ग्लैमर का अनुभव करने का एक शानदार तरीका हैं।

बच्चन परिवार की होली पार्टी : बॉलीवुड के सबसे चर्चित आयोजनों में से एक है। अमिताभ बच्चन और उनका परिवार, जिसमें उनके बेटे अभिषेक बच्चन और बहू ऐश्वर्या राय बच्चन शामिल हैं, अपने प्रतिष्ठित घर 'जलसा' में भव्य होली उत्सव का आयोजन करते हैं। इस आयोजन में परिवार, दोस्त और फिल्म जगत के सहकर्मी शामिल होते हैं। बच्चन परिवार की होली पार्टियों में पारंपरिक अंदाज तो होता ही है, साथ ही बॉलीवुड की स्टार पावर और ग्लैमर भी झलकती है।

मन्नत में शाहरुख खान की होली पार्टी : शाहरुख खान के प्रतिष्ठित घर मन्नत में आयोजित होली पार्टियां बेहद लोकप्रिय हैं। शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान अपनी शानदार और स्टाइलिश होली पार्टियों के लिए जानी जाती हैं। उनकी पार्टियां आमतौर पर ग्लैमर और मस्ती का मिश्रण होती हैं, जहां बॉलीवुड सितारे, डिजाइनर और समाजसेवी लोग शामिल होते हैं। इंटीरियर डिजाइन में अपनी महारत के लिए मशहूर गौरी, सजावट को हमेशा शानदार बनाए रखती हैं। कुछ बड़ी पार्टियों की तुलना में यह पार्टी अधिक अंतरंग होती है, लेकिन इसमें हमेशा ही पारंपरिक रंगों और आधुनिकता का अनूठा मेल देखने को मिलता है। अपने भव्य आयोजनों के लिए मशहूर शाहरुख खान की इन पार्टियों में फिल्म और फैशन जगत की जानी-मानी हस्तियां शामिल होती हैं। उत्सव में संगीत, रंग और खूब नाच-गाना शामिल होता है।

अंबानी परिवार का होली समारोह : अंबानी परिवार भारत में सबसे भव्य होली समारोहों में से एक के आयोजन के लिए जाना जाता है। अपने आलीशान निवास, एंटीलिया में, अंबानी परिवार मशहूर हस्तियों, उद्योगपतियों और गणमान्य व्यक्तियों के एक विशिष्ट समूह को आमंत्रित करता है। उत्सव में प्रस्तुतियां, शानदार भोजन, रंगारंग सजावट और ऊर्जा से भरपूर बॉलीवुड संगीत का आनंद लिया जा सकता है। मुकेश अंबानी और उनका परिवार अपने करीबी दोस्तों और बॉलीवुड की जानी-मानी हस्तियों के साथ भव्य तरीके से होली मनाते हैं।

वो रोमांटिक फिल्म, 7 दिन में कमाए 100 करोड़ होली के सुपरहिट सॉन्ग ने तड़पाए जवां दिल

नई दिल्ली। होली रंगों का त्योहार है। इस त्योहार में मस्ती का आलम कुछ और ही रहता है। दिनभर लोग होली के गानों पर नाचते हैं। होली के गानों में 2013 में आई 'ये जवानी है दीवानी' का एक गाना 'बलम पिचकारी जो तूने मुझे मारी' भी जरूर बजता है। इस गाने और इस ब्लॉकबस्टर फिल्म को बनने की कहानी मजेदार है। इस गाने के शुरुआती बोल कुछ और थे। 'ये जवानी है दीवानी' 2013 में आई एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म थी जिसे अयान मुखर्जी ने डायरेक्ट किया था। फिल्म की कहानी अयान मुखर्जी और हुसैन दलाल ने लिखी थी. प्रोड्यूसर करण जौहर थे। फिल्म में रनबीर कपूर, दीपिका पादुकोण लीड रोल में थे। कल्कि कोचलिन और आदित्य रॉय कपूर भी नजर आए थे। अयान मुखर्जी ने 2009 में 'वेक अप सिड' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। अयान मुखर्जी ने अपनी ज्यादातर फिल्में रनबीर कपूर के साथ ही बनाई हैं।

बलम पिचकारी जो तूने मुझे मारी

'बलम पिचकारी जो तूने मुझे मारी' सॉन्ग के बारे में गीतकार अमिताभ भट्टाचार्य ने अपने एक इंटरव्यू में बताया था, 'ओरिजनल लाइन गाने में ही है। बलम पिचकारी जो तूने मुझे मारी, बोले रे जमाना खराबी हो गई। मेरे अंग राजा, जो तेरा रंग लागा, तो सीधी-सादी छोरी शराबी हो गई। तो बृज की कन्या शराबी हो गई. गाने को सुनकर संगीतकार प्रीतम और डायरेक्टर ने कहा कि थोड़ा इसे मॉडर्न कर दो। मैंने कहा कि लाइन तो सही है। इतना अच्छा तो लग रही है। फॉक जैसा ही लग रहा है। फिर उन्होंने कहा कि पहली लाइन तो सही लेकिन दूसरी लाइन को थोड़ा बदल दो। फिर मैंने 'जींस पहनके जो तूने मारा ठुमका, तो लट्टू पड़ोसन की भाभी हो गई।'

गुलमर्ग-पहलगाम में हुई शूटिंग

डायरेक्टर अयान मुखर्जी चंडीगढ़ से रनबीर कपूर, दीपिका पादुकोण, कल्कि कोचलिन और आदित्य रॉय कपूर के साथ मनाली के लिए निकले थे। 6 घंटे का रास्ता मस्ती करते हुए 14 घंटे में पूरा किया. फिल्म की असल कहानी भी मौज-मस्ती और बेफ्रिक जिंदगी पर बेस्ड है। फिल्म की शूटिंग गुलमर्ग-पहलगाम में हुई। रनबीर कपूर तो फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़े बिना ही मूवी में काम करने के लिए तैयार हो गए थे। मूवी में मनाली स्थित हिडिम्बा देवी का मंदिर भी दिखाया गया था।

म्यूजिक प्रीतम ने किया था कंपोज

फिल्म का म्यूजिक प्रीतम चक्रवर्ती ने कंपोज किया था। उन्होंने पहली बार धर्मा प्रोडक्शंस के लिए काम किया था। गीतकार अमिताभ भट्टाचार्य थे। उन्होंने ही इस फिल्म का सबसे पॉप्युलर होली सॉन्ग 'बलम पिचकारी जो तूने मुझे मारी तो सीधी सादी छोरी शराबी हो गई' लिखा था।'

हिंदी फिल्मों में हमेशा से होली को बड़े ही खास अंदाज में दिखाया जाता है आज भी याद किए जाते हैं इन फिल्मों के ये होली सीन्स

नई दिल्ली। होली में बस कुछ ही दिन बचे हैं। होली को लेकर हर किसी में एक अलग ही जोश देखने के मिलता है। हिंदी फिल्मों में भी हमेशा से होली को बड़ी ही खास अंदाज में दिखाया जाता है। आज हम आपको ऐसी 7 होली सीन के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके बिना शायद फिल्म अधूरी लगती।

शोले : बॉलीवुड की आइकॉनिक फिल्म शोले का होली सीन कोई कैसे भूल सकता है, जब अचानक पूरे गांव में होली का जश्न मातम में बदल जाता है। मूवी में हेमा मालिनी, जया बच्चन, अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, संजीव कुमार जैसे कलाकार लीड रोल में थे। शोले में होली स्पेशल के तौर पर होली के दिन दिल खिल जाते हैं गीत दिखाया गया था। इसके बाद गांव में डाकू गब्बर सिंह की एंट्री होती है और फिल्म का पूरा क्लाईमैक्स बदल जाता है।

दामिनी : इस लिस्ट में मीनाक्षी शेषाद्री, ऋषि कपूर और सनी देओल स्टारर फिल्म 'दामिनी' भी है। फिल्म में होली का सीन है जिसमें सब अच्छे से होली खेल रहे होते हैं और रंग- गुलाल एक दूसरे को लगा रहे होते हैं। होली का फायदा उठाकर फैमिली के ही कुछ लोग घर में काम करने वाली नौकरानी का गैंगरेप करते हैं। इसके बाद एक तरफ जहां परिवार के लोग उसे बचाने की कोशिश करते हैं वहीं, दूसरी तरफ घर की बहू दामिनी यानी मीनाक्षी उसे इंसाफ दिलाने की लड़ाई लड़ती है।

कबीर सिंह : शाहिद कपूर और कियारा आडवाणी स्टारर फिल्म 'कबीर सिंह' का होली सीन भी काफी जबरदस्त था। इसमें दिखाया गया था कि कैसे कुछ कॉलेज सीनियर स्टूडेंट कियारा को जबरदस्ती रंग लगाते हैं, जिसके बाद कबीर सिंह को इतना गुस्सा आता है कि वो उन्हें बुरी तरह से पीटता है।

डर : यश चोपड़ा के निर्देशन में बनी फिल्म डर का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। दरअसल, डर में होली स्पेशल सॉन्ग अंग से अंग लगाना दिखाया गया है। इसके अंत में राहुल (शाह रुख खान) जबरदस्ती किरण यानी जूही चावला को रंग लगा देता है, जो सुनील यानी सनी देओल को पसंद नहीं आता है और वह उसका पीछा करता है। इसके बाद डर की कहानी का क्लाईमैक्स चेंज हो जाता है।

मिर्जापुर : इस लिस्ट में फेमस वेब सीरीज मिर्जापुर का होली सीन भी शामिल है। इसमें दिखाया गया कि होली के जश्न के दौरान झगड़ा हो जाता है। जब एक डांसर के साथ मुन्ना भैया डांस करने लगते हैं और इसके बाद दूसरे नेता जी थोड़े नाराज हो जाते हैं और बुरा मान जाते हैं।

पद्मावत : संजय लीला भंसाली की फिल्म पद्मावत में कई बढ़िया सीक्वेंस देखने को मिले थे। इन्हीं में से एक था होली का सीन और उसका गाना होली। इस गाने में जहां पद्मावत और रतन का रोमांस चल रहा था, वहीं खिलजी अपनी चाल को पलटने की तैयारी करता है।

कटी पतंग : राजेश खन्ना और आशा पारेख स्टारर फिल्म कटी पतंग में होली स्पेशल गीत खेलेंगे हम होली गीत के बाद दोनों के बीच प्रेम कहानी का सिलसिला शुरू हो जाता है, जो काफी रोमांचक नजर आता है।

शबाना और जावेद ने मनाई होली ...

मुंबई। कई जगह होली आज मनाई जाएगी, लेकिन बॉलीवुड सेलिब्रिटीज कल ही होली के रंग में रंग गए। जावेद अख्तर और शबाना आजमी ने

अपने घर पर होली पार्टी रखी थी। कई बॉलीवुड सेलिब्रिटीज भी परिवार संग होली खेलते नजर आए। होली के रंग में बॉलीवुड भी रंग गया है। कई सेलिब्रिटीज के होली मनाते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं। हर कोई होली की मस्ती में डूबा नजर आ रहा है। अपनों को रंग लगाया जा रहा है। कई सेलेब्स अपने बच्चों संग होली खेल रहे हैं। शबाना आजमी और जावेद अख्तर ने हर साल की तरह इस बार भी अपने घर पर होली पार्टी रखी थी। इसमें कई बॉलीवुड सेलेब्स नजर आए। ऋचा चड्ढा को भी इस होली पार्टी में देखा गया। रणबीर कपूर भी होली के रंग में रंगे नजर आए। वह अपनी बेटी राहा के साथ होली खेलते हुए दिखे। राहा भी होली खेलकर काफी खुश नजर आई। रणबीर ने पैपराजी को भी होली की शुभकामनाएं दीं। रणबीर कपूर के साथ डायरेक्टर अयान मुखर्जी भी होली खेलते हुए नजर आए।

टीवी मसाला

शादी के बाद पार्टनर संग पहली होली खेलेंगे ये टीवी सितारे

नई दिल्ली। होली की रौनक अभी से ही चारों तरफ देखने को मिल रही है। होली का त्योहार बेहद खास होता है और टीवी के कई कपल्स ऐसे हैं जिनके लिए ये और भी ज्यादा खास होने वाला है। क्योंकि, ये उनकी शादी के बाद पहली होली होने वाली है। इस लिस्ट में हिना खान-रॉकी जायसवाल से लेकर सारा खान-कृष पाठक तक का नाम शामिल है।

हिना-रॉकी : टीवी एक्ट्रेस हिना खान और रॉकी जायसवाल यूं तो सालों से साथ में होली मनाते नजर आ रहे हैं। लेकिन ये होली उनकी शादी के बाद की पहली होली होगी। दोनों बीते साल जून में ही शादी के बंधन में बंधे थे।

सारा-कृष : सारा खान और कृष पाठक के लिए भी होली का त्यौहार बेहद खास होने वाला है, क्योंकि ये शादी के बाद उनकी पहली होली होने वाली है। सारा खान और कृष पाठक ने जहां बीते साल अक्टूबर में कोर्ट मैरिज की थी तो वहीं दिसंबर में दोनों ने बिग फैट वेडिंग की।

जिया-वरुण : टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस जिया मानेक और एक्टर वरुण जैन की भी शादी के बाद ये पहली होली होगी। दोनों ने बीते साल परिवार और दोस्तों की खास मौजूदगी में शादी रचाई थी।

अंकुर -लीना : अंकुर वर्मा और लीना वर्मा बीती 25 फरवरी को ही शादी के बंधन में बंधे हैं। दोनों की शादी के बाद ये न केवल पहली होली होगी, बल्कि उनका साथ में पहला त्यौहार भी होगा। अंकुर वर्मा ने हरियाणा में अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड लीना वर्मा के साथ शादी रचाई थी।

रूपल-नोमिष : टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस रूपल त्यागी ने बीते साल दिसंबर में बॉयफ्रेंड नोमिश भारद्वाज के साथ शादी रचाई थी।

चिंतन

बढ़ती ऊर्जा मांग को पूरा करेगी भारत-कनाडा डील

भारत और कनाडा के बीच हालिया समझौतों ने द्विपक्षीय संबंधों को नई दिशा दी है। विशेष रूप से 10 वर्ष के संभावित यूरेनियम आपूर्ति समझौते ने ऊर्जा सुरक्षा, सामरिक सहयोग और आर्थिक साझेदारी के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण संदेश दिया है। तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और बढ़ती आबादी के कारण भारत में ऊर्जा की मांग लगातार ऊंचाई पर है। ऐसे में विश्व के प्रमुख यूरेनियम उत्पादकों में शामिल कनाडा के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति समझौता भारत की परमाणु ऊर्जा महत्वाकांक्षाओं को मजबूती देगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी के बीच हुई वार्ता ने स्पष्ट किया कि दोनों देश केवल व्यापारिक लेन-देन तक सीमित नहीं रहना चाहते, बल्कि रणनीतिक विश्वास को भी गहराई देना चाहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे नई ऊर्जा, आपसी विश्वास और सकारात्मकता का प्रतीक बताया। यह वक्तव्य केवल कूटनीतिक औपचारिकता नहीं, बल्कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में दोनों देशों की साझा प्राथमिकताओं का संकेत है। भारत की ऊर्जा नीति में परमाणु ऊर्जा की भूमिका लगातार बढ़ रही है। कोयले पर निर्भरता कम करने और स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए परमाणु ऊर्जा एक स्थिर और कम-कार्बन विकल्प प्रदान करती है। 2013 में लागू हुए परमाणु सहयोग समझौते के बाद कनाडा से यूरेनियम आपूर्ति शुरू हुई थी। अब प्रस्तावित 3 अरब डॉलर का दीर्घकालिक समझौता इस सहयोग को अगले दशक तक स्थिरता देगा। इससे भारत के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को निरंतर ईंधन उपलब्ध होगा और उत्पादन क्षमता में विस्तार संभव होगा। कनाडा दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा यूरेनियम उत्पादक देश है। ऐसे में उसकी आपूर्ति क्षमता विश्वसनीय मानी जाती है। भारत के लिए यह समझौता केवल ऊर्जा का प्रश्न नहीं, बल्कि रणनीतिक विविधीकरण का भी हिस्सा है। वैश्विक ऊर्जा बाजार में अस्थिरता, भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति श्रृंखला के जोखिमों को देखते हुए भारत का दीर्घकालिक अनुबंध करना दूरदर्शी कदम माना जा सकता है। हालांकि यह साझेदारी केवल यूरेनियम तक सीमित नहीं है। दोनों देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। रक्षा एवं सुरक्षा क्षेत्र में बढ़ता सहयोग भी इस संबंध का महत्वपूर्ण आयाम है। समुद्री क्षेत्र जागरूकता, सैन्य आदान-प्रदान और रक्षा उद्योगों में साझेदारी का निर्णय दोनों देशों के बीच बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। भारत दालों का बड़ा उपभोक्ता है और कनाडा प्रमुख निर्यातक। अनुसंधान, उत्पादकता और आपूर्ति श्रृंखला के आधुनिकीकरण में सहयोग से दोनों देशों को लाभ होगा। शिक्षा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के क्षेत्र में संभावनाएं भी व्यापक हैं, क्योंकि बड़ी संख्या में भारतीय छात्र कनाडा में अध्ययन करते हैं। फिर भी, इस साझेदारी की सफलता केवल समझौतों पर निर्भर नहीं करेगी। इसे जमीनी स्तर पर क्रियान्वित करना, पारदर्शिता बनाए रखना और आपसी संवेदनशील मुद्दों को संवाद से सुलझाना आवश्यक होगा। ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक विकास और रणनीतिक संतुलन इन तीनों के संगम पर खड़ा यह समझौता भारत और कनाडा के रिश्तों को नई दिशा देता है। यदि यह सहयोग तय लक्ष्यों के अनुरूप आगे बढ़ता है, तो न केवल भारत की बढ़ती ऊर्जा मांग पूरी होगी, बल्कि दोनों लोकतांत्रिक देशों के बीच भरोसे का एक स्थायी सेतु भी निर्मित होगा। यही इस समझौते की वास्तविक उपलब्धि होगी।

इजराइल-ईरान युद्ध
डॉ. घनश्याम बादल

विचार, वर्चस्व व संप्रभुता का खूनी संघर्ष

> अमेरिका और इज़राइल के लिए ईरान केवल एक देश नहीं, बल्कि ऐसी शक्ति संरचना है जो उनके प्रभुत्व वादी ढांचे को चुनौती देती है, उनकी भू-राजनीतिक रणनीति को असहज करती है और उनकी वैश्विक व्यवस्था के लिए वैचारिक ख़तरा बन लगती है। ईरान के विरुद्ध इस आक्रामकता की जड़ें तो स्वार्थपरक राजनीति में हैं, लेकिन उसकी शाखाएं अर्थव्यवस्था, समाज और वैश्विक शक्ति-संतुलन तक फैली हुई हैं। यदि यह युद्ध नहीं रुका, तो इतिहास इसे एक और ऐसे मोड़ के रूप में दर्ज करेगा, जहां मानवता ने विवेक के बजाय वर्चस्व को चुना, संवाद के बजाय हथियारों को और न्याय के बजाय शक्ति को।

अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान पर किए जा रहे हमले आज की वैश्विक राजनीति का वह क्रूर चेहरा है, जहां 'शक्ति ही नीति' है और नीति नैतिकता का स्थान ले चुकी है। अमेरिका और इज़राइल के लिए ईरान केवल एक देश नहीं, बल्कि ऐसी शक्ति संरचना है जो उनके प्रभुत्व वादी ढांचे को चुनौती देती है, उनकी भू-राजनीतिक रणनीति को असहज करती है और उनकी वैश्विक व्यवस्था के लिए वैचारिक ख़तरा बन लगती है। ईरान के विरुद्ध इस आक्रामकता की जड़ें तो स्वार्थपरक राजनीति में हैं, लेकिन उसकी शाखाएं अर्थव्यवस्था, समाज और वैश्विक शक्ति-संतुलन तक फैली हुई हैं।

ईरान ने पश्चिमी वर्चस्व को स्वीकार करने से इनकार किया है। उसने न केवल अपनी राजनीतिक स्वतंत्रता को सर्वोपरि रखा, बल्कि क्षेत्रीय स्तर पर भी स्वयं को एक वैकल्पिक शक्ति-केंद्र के रूप में स्थापित करने की कोशिश की। यह वही 'प्रतिरोध की धुरी' है, जो अमेरिकी-इज़राइली प्रभाव क्षेत्र को सीधी चुनौती देती है। वैचारिक धरातल पर इज़राइल के लिए यह चुनौती अस्तित्व का प्रश्न है, क्योंकि ईरान न केवल उसकी नीतियों का विरोध करता है, बल्कि उसके प्रभुत्व को भी अस्वीकार करता है। जबकि अमेरिका के लिए यह टकराव इससे भी ज़्यादा मायने रखता है क्योंकि ईरान उसकी वर्ल्ड लीडर की भूमिका, सैन्य-संधि व्यवस्था और आर्थिक एकाधिकार के लिए सीधी चुनौती है। निर्विवाद रूप से ईरान ऊर्जा संसाधनों की दृष्टि से एक वैश्विक शक्ति है। तेल और गैस के विशाल भंडार, फारस की खाड़ी और होर्मुज़ जलडमरूमध्य पर रणनीतिक प्रभाव, और वैकल्पिक ऊर्जा व्यापार मार्गों की संभावनाएं,ये सभी वैश्विक पूंजी के समीकरणों को प्रभावित करती हैं। अमेरिका और उसके सहयोगियों की नीति हमेशा से रही है कि वैश्विक ऊर्जा प्रवाह उनके नियंत्रण में रहे, इसके विपरीत, ईरान रूस और चीन जैसे देशों के साथ मिलकर एक वैकल्पिक आर्थिक धुरी खड़ी करने की कोशिश करता रहा है, जो डॉलर आधारित वैश्विक व्यवस्था को चुनौती देती है इसीलिए यह संघर्ष केवल बम और मिसाइलों का नहीं है, मुद्रा, बाजार, व्यापार मार्ग और संसाधनों के नियंत्रण का भी युद्ध है।

सामाजिक स्तर पर यह टकराव पश्चिमी आधुनिकता बनाम इस्लामी-सांस्कृतिक स्वायत्तता का संघर्ष है। ईरान जिस सामाजिक मॉडल को अपनाता है, वह पश्चिमी उदार लोकतांत्रिक ढांचे से भिन्न है। यह भिन्नता जीवन-दृष्टि, और सांस्कृतिक पहचान की है। इसलिए यह युद्ध एक वैचारिक युद्ध भी है, जहां मीडिया, सूचना, प्रचार और मनोवैज्ञानिक दबाव भी हथियार बन रहे हैं। बेशक, अमेरिका और इजराइल बहुत ताकतवर हैं लेकिन सामरिक दृष्टि से ईरान को कमज़ोर आंकना ऐतिहासिक भूल होगी।

प्रत्यक्ष सैन्य शक्ति में अमेरिका और इज़राइल तकनीकी रूप से भले ही आगे हों, लेकिन ईरान की असीमित युद्ध क्षमता उसे अत्यंत प्रभावी बनाती है। मिसाइल तकनीक, ड्रोन नेटवर्क, साइबर युद्ध क्षमता और क्षेत्रीय सहयोगी समूह उसे एक ऐसे देश के रूप में स्थापित करते हैं जो पारंपरिक युद्ध के नियमों से नहीं,

बल्कि नेटवर्क आधारित युद्ध से लड़ता है। यही कारण है कि यह संघर्ष किसी निर्णायक युद्ध में बदलने के बजाय एक लंबे, थकाऊ और व्यापक अस्थिरता के रूप में फैलने की ओर अग्रसर होता दिखाई दे रहा है। बीते समय में आर्थिक प्रतिबंधों ने ईरानी समाज को कमजोर किया है, महंगाई और बेरोज़गारी ने असंतोष को जन्म दिया है, लेकिन बाहरी हमलों ने एक विरोधाभासी स्थिति भी पैदा की है-जहां सत्ता के प्रति आलोचना के बावजूद राष्ट्र के प्रति निष्ठा मजबूत होती है। बाहरी ख़तरा समाज को विभाजित करने के बजाय एक प्रकार की राष्ट्रीय एकजुटता पैदा करता है, जो सत्ता को वैधता भी देता है और विरोध को सीमित भी करता है।

अब तक इस संघर्ष में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई सहित कई बड़े सैन्य और रणनीतिक नेतृत्वकर्ता मारे जा चुके हैं। रिवोल्यूशनरी गार्ड के वरिष्ठ अधिकारी, रक्षा और वैज्ञानिक कार्यक्रमों से जुड़े प्रमुख नाम, और क्षेत्रीय अभियानों के योजनाकार टकराव की भेंट चढ़ चुके हैं। ईरान विरोधी ताकतों की एक रणनीति है नेतृत्व, ज्ञान और संरचना को तोड़ने की नीति, ताकि ईरान की दीर्घकालिक सामरिक क्षमता कमजोर हो सके। वैश्विक स्तर पर इसके प्रभाव दूरगामी और विनाशकारी हैं। ऊर्जा बाज़ार में अस्थिरता, तेल की कीमतों में उछाल, वैश्विक मुद्रास्फीति का दबाव, विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर संकट और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्गों की अनिश्चितता इस संघर्ष के प्रत्यक्ष परिणाम होंगे। यह युद्ध दुनिया को स्पष्ट रूप से दो ध्रुवों में बांट रहा है। एक ओर अमेरिका-इज़राइल और उनके सहयोगी हैं, दूसरी ओर ईरान के साथ सहानुभूति रखने वाली शक्तियां हैं। अभी तक रूस और चीन इस संघर्ष में प्रत्यक्ष भागीदार नहीं हैं, लेकिन रणनीतिक रूप से गहराई से जुड़े हैं, क्योंकि ईरान की स्थिरता उनके भू-राजनीतिक और आर्थिक हितों से जुड़ी है। तुर्की, सऊदी अरब और खाड़ी देशों के लिए यह युद्ध क्षेत्रीय संतुलन को अस्थिर करने वाला कारक है।

भारत पर ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, समुद्री मार्गों और प्रवासी नागरिकों के माध्यम से युद्ध का गहरा प्रभाव पड़ेगा। यह संघर्ष यदि रोका नहीं गया, तो यह केवल मध्य-पूर्व का संकट नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक संकट में बदल जाएगा। यह एक ऐसी आग है, जो धीरे-धीरे पूरे अंतरराष्ट्रीय तंत्र को अपनी चपेट में ले सकती है। युद्ध का विस्तार केवल भौगोलिक नहीं होगा, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर पूरी दुनिया को अस्थिर करेगा। संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक संस्थानों की भूमिका अब बेमानी बन चुकी है। वास्तविक आवश्यकता है एक नई वैश्विक राजनीतिक इच्छा-शक्ति की, जहाँ संवाद को युद्ध से ऊपर रखा जाए, संतुलन को प्रभुत्व से ऊपर और सह-अस्तित्व को वर्चस्व से ऊपर। प्रतिबंधों की राजनीति, सैन्य दबाव और रणनीतिक घेराबंदी ने अब तक केवल हिंसा को जन्म दिया है, समाधान नहीं। यह संघर्ष केवल ईरान, अमेरिका या इज़राइल का प्रश्न नहीं, वैश्विक नैतिकता का प्रश्न है।

यह उस अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का आईना है, जहां ताकतवर देशों के लिए युद्ध नीति है और कमज़ोर देशों के लिए नियति। यदि यह युद्ध नहीं रुका, तो इतिहास इसे एक और ऐसे मोड़ के रूप में दर्ज करेगा, जहां मानवता ने विवेक के बजाय वर्चस्व को चुना, संवाद के बजाय हथियारों को और न्याय के बजाय शक्ति को। यही वक्त है जब दुनिया को तय करना होगा कि वह शक्ति की राजनीति के साथ चलेगी या शांति की राजनीति के साथ और यदि यह चुनाव अब नहीं हुआ, तो भविष्य में विकल्प ही नहीं बचेगा।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

आह्वान
डॉ. मार्कण्डेय आहूजा

टूटते परिवारों के बीच संस्कारों की पुकार

आज जब दुनिया तेज़ी से हर क्षण बदल रही है, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जीवन को सरल बना रही है और सुख सुविधाएं बढ़ रही हैं, तब एक प्रश्न गंभीरता से हमारे सामने खड़ा है कि क्या हमारा परिवार उतना ही सशक्त हो रहा है जितना हमारा बाहरी विकास? आर्थिक प्रगति, शहरीकरण, स्मार्ट सिटी और डिजिटल जीवनशैली के बीच भारतीय समाज की मूल इकाई; हमारा परिवार धीरे-धीरे संवादहीनता, संवेदनहीनता, पीढ़ियों की दूरी और संस्कारों के क्षरण का सामना कर रहा है। ऐसे समय में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पंच परिवर्तन में से एक "कुटुम्ब प्रबोधन" का होना केवल सामाजिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण का आह्वान है और इस दिशा में यदि कोई कालजयी मार्गदर्शक है तो वह है भगवद् गीता। कुटुम्ब प्रबोधन का प्रथम सूत्र है; अधिकार से पहले कर्तव्य। गीता का सबसे बड़ा संदेश है; कर्तव्य। "कर्मण्येवाधिकारस्ते . ." क़ा सिद्धांत केवल युद्धभूमि तक सीमित नहीं है; वह गृहस्थ जीवन का भी मूल है।

आज अधिकांश पारिवारिक विवादों की जड़ में "अधिकार" की अपेक्षा है। पति अपेक्षा करता है, पत्नी अपेक्षा करती है, माता-पिता अपेक्षा करते हैं, बच्चे अपेक्षा करते हैं परंतु यदि हर सदस्य अपने अधिकार से पहले अपने कर्तव्य पर ध्यान दें, तो घर का वातावरण स्वतः संतुलित हो सकता है। कुटुम्ब प्रबोधन का दूसरा सूत्र है; संवाद को जीवित रखना। गीता का संपूर्ण उपदेश संवाद का अद्भुत उदाहरण ही तो है। अर्जुन भ्रमित थे, किंतु उन्होंने प्रश्न पूछे। श्रीकृष्ण ने उन्हें सुना, समझाया, तर्क दिए और अंततः निर्णय का अधिकार भी उन्हीं को सौंपा। आज परिवारों में सबसे बड़ा संकट संवाद का टूटना है। घर में लोग साथ रहते हैं, पर मन अलग-अलग दिशाओं में भटकते हैं। मोबाइल स्क्रीन ने आमने-सामने बैठकर बात करने की परंपरा को कम कर दिया है। प्रतिदिन कुछ समय ऐसा हो, जब परिवार के सदस्य बिना किसी मोबाइल या अन्य उपकरण के केवल एक-दूसरे से बातचीत करें। तीसरा सूत्र है समभाव यानि हर सदस्य को उसकी विशिष्टता सहित स्वीकार करना। गीता 5.18 में समदृष्टि की शिक्षा दी गई है। विद्वान, साधु, ब्राह्मण, गाय, हाथी; सबमें एक ही आत्मा का दर्शन। यदि यह दृष्टि परिवार में आ जाए तो तुलना की प्रवृत्ति समाप्त हो सकती है। आज भाई-बहन की तुलना, बच्चों की उपलब्धियों की तुलना और आर्थिक स्थिति की तुलना से ईर्ष्या व असंतोष जन्म लेते हैं।

चौथा सूत्र है कि परिवार संस्कारों का प्रथम विद्यालय है और भारतीय इतिहास इस बात का प्रमाण है। शिवाजी मराठा केवल युद्ध कौशल से महान नहीं बने; उनके पीछे माता जिजाऊ के संस्कार थे। इसी प्रकार स्वामी विवेकानंद के व्यक्तित्व के निर्माण में उनकी माता भुवनेश्वरी देवी की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण रही। स्पष्ट है कि सशक्त परिवार ही सशक्त राष्ट्र की नींव है। आज परिवारों के सामने अनेक चुनौतियां हैं जैसे संयुक्त परिवार का विघटन, पीढ़ियों के बीच वैचारिक दूरी, डिजिटल एवं अन्य व्यसन, और जीवन की तीव्र प्रतिस्पर्धा। गीता इन सबका समाधान; संयम, संतुलन और आत्मचिंतन के माध्यम से देती है। जब व्यक्ति स्वयं को साधता है, तब परिवार सधता है और जब परिवार सधता है, तब समाज संगठित होता है। कुटुम्ब प्रबोधन के व्यावहारिक प्रयोगों में परिवार में सामूहिक प्रार्थना या ध्यान की परंपरा अपनायें। सप्ताह में कम से कम एक दिन सामूहिक भोजन व खुला संवाद करें। बच्चों को नैतिक साहित्य या गीता का एक श्लोक सिखायें। बड़ों के अनुभवों को सुनें और सम्मान दें। निर्णयों में सभी की सहभागिता रखें।

ये छोटे-छोटे कदम बड़े परिवर्तन का आधार बन सकते हैं। कुटुम्ब प्रबोधन कोई नारा नहीं है, यह एक जीवन शैली है। यह हमें याद दिलाता है कि परिवर्तन संसद से नहीं, संस्कार से आता है; नीतियों से नहीं, परिवारों से आता है। भगवद्गीता हमें सिखाती है कि भ्रम की स्थिति में भी संवाद, कर्तव्य और समत्व का मार्ग अपनाया जाए। यदि यह शिक्षा हर घर तक पहुंचे, तो परिवार केवल रहने का स्थान नहीं रहेगा अपितु वह मूल्य निर्माण का केंद्र बनेगा। समय की पुकार स्पष्ट है कि यदि हमें समाज को सशक्त बनाना है तो परिवार को जागृत करना होगा और परिवार को जागृत करने के लिए गीता का प्रकाश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना कुरुक्षेत्र में था।

(लेखक प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

वार्ता से निकल सकता है हर समस्या का हल

संकलित
दर्शन

वार्ता से प्रत्येक व्यक्ति का सरोकार है। जब मन में संदेह उपजे, हृदय अविश्वास से घिर जाए, मस्तिष्क में विचार न ठहरे, तब वार्ता से ही रास्ता निकलेगा। कोई भी विवाद हो, कैसी भी समस्या हो, फिर भी वार्ता से हल निकल सकता है। संबंधों में कितना भी ठहराव क्यों न आ जाए, लेकिन वार्ता के ताप से रिश्तों पर जमा बर्फ भी पिघल जाती है। वार्ता में शिथिलता के लिए केवल अहंकार दोषी होता है। किसी भी विध्वंस का कारण अंहकार ही रहा है। विश्व शांति की अवधारणा परस्पर संवाद पर ही टिकी है। संवादहीनता से कूटनीति और राजनीति अकेली पड़ सकती है। बातचीत चलती रहे तो विकल्प निकलने की संभावना बढ़ जाती है। चर्चाओं में तर्क, सुझाव और मतों का विभाजन होता रहता है। यह अनवरत प्रक्रिया है। जनता के मध्य निरंतर जनमत पर चर्चा चलती रहती है। लोक चर्चा और लोकमत से संसार की बड़ी समस्याओं पर सकारात्मक निष्कर्ष निकल सकते है। चर्चा या वार्ता को प्रोत्साहित करना उचित है। संवादहीनता को हतोत्साहित करना चाहिए। सभी द्वार भले ही बंद हो जाएं, लेकिन बातचीत का द्वार सदैव खुला रहे। लोग कहते हैं कि पैसों का काम पैसों से ही चलता है, बातों से नहीं। यह बात सच है कि बातों से कोई काम नहीं होता, काम तो काम करने से हो सकता है, लेकिन काम तभी हो सकता है, जब उस काम से पहले कोई विचार स्थिर हो। विचार स्थिर होगा तो उससे संबंधित बात पूरी हो सकेगी और बात होगी तो काम का आदेश होगा।

व्यक्ति के विचार अच्छे नहीं, तो नीयत साफ नहीं

संकलित
प्रेरणा

महाभारत में द्युत क्रीड़ा में युधिष्ठिर दुर्योधन और शकुनि से सब कुछ हार गए थे। उस समय ये तय हुआ था कि जब पांडव 12 वर्ष का वनवास और 1 वर्ष का अज्ञातवास पूरा कर लेंगे, तब उन्हें उनका हारा हुआ राज्य लौटा दिया जाएगा। युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन, नकुल, सहदेव और द्रौपदी का 12 वर्ष का वनवास और 1 वर्ष का अज्ञातवास पूरा हो गया था। शर्त के मुताबिक, दुर्योधन को पांडवों का राज्य लौटाना था। इसके लिए श्रीकृष्ण पांडवों के दूत बनकर हस्तिनापुर पहुंचे। भगवान ने दुर्योधन से कहा कि पांडवों ने वनवास पूरा कर लिया है, अब उन्हें उनका राज्य लौटा दो। श्रीकृष्ण की बात सुनने के बाद दुर्योधन ने पांडवों को राज्य लौटाने से मना कर दिया। दुर्योधन ने कहा कि वो पांडवों को एक गांव भी नहीं देगा। दुर्योधन की जिद के आगे धृतराष्ट्र, भीष्म, द्रोणाचार्य भी कुछ बोल नहीं सके। इसके बाद श्रीकृष्ण दरबार से जाने लगे तो दुर्योधन ने उनसे कहा कि आप हमारे अतिथि हैं, आप बिना भोजन किए न लौटें। श्रीकृष्ण ने कहा कि मैं किसी के यहां खाना खाते समय दो बातें ध्यान रखता हूं। पहली, मुझे बहुत भूख लगी हो। दूसरी, सामने वाला मुझे बहुत प्रेम से खिला रहा हो। अभी ये दोनों ही बातें नहीं हैं, न तो मुझे भूख है और न ही तुम मुझे प्रेम से निमंत्रण दे रहे हो। जैसा तुम्हारा स्वभाव है, इसमें भी कोई षड्यंत्र हो सकता है। इतना कहकर श्रीकृष्ण वहां से चले गए और बाद में भगवान ने विदुर के यहां भोजन किया था।

होली मिलन

बिहार के पटना में मंगलवार को होली मिलन समारोह के दौरान भगवान कृष्ण और राधा के रूप में सजे कलाकार प्रस्तुति देते हुए।

आज की पाती

बच्चों की परीक्षाएं और क्रिकेट का उन्माद

हद होती है हर चीज की। लगभग चौबीस घंटे, बारह महीने क्रिकेट ही क्रिकेट का असहनीय शोर-शराबा। सबको मालूम है भारत में मार्च-अप्रैल महीने विद्यार्थियों के लिए कितने अधिक महत्वपूर्ण हैं! आईपीएल तो हर साल ही होता है, और इस बार ये 'टी-20 वर्ल्ड कप' का हल्ला-गुल्ला भी निरंतर चल ही रहा है। इन्हीं दो महीनों में लगभग सारे भारत के लगभग सभी स्कूलों, महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों में छात्र-छात्राओं के विभिन्न प्रकार की बहुत सारी परीक्षाएं और एंट्रेंस टेस्ट होते हैं। ऐसे में देश के हर शहर, कालोनी, नुक्कड़, गली-मोहल्ले, गांव-देहात में घर-बाहर क्रिकेट का ये सर्वथा गैर-जरूरी शोर, हो-हल्ला तथा अवांछित चर्चाएं गंभीर और मेधावी विद्यार्थियों के लिए बड़ी चुनौती बने रहते हैं। परीक्षा सीजन में इस पर नियंत्रण जरूरी है। *- मुकेश ठाकुर, बिलासपुर*

ट्रेंड

मुक्त व्यापार समझौते

भारत ने बहुत सारे देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं। हमारे लिए अवसरों का बहुत बड़ा द्वार खुला है। ऐसे में हमारी जिम्मेदारी है कि हम गुणवत्ता पर कभी भी समझौता न करें।
- पीयूष गोयल, केंद्रीय उद्योग मंत्री

बेटियों को आर्थिक सुरक्षा

'लखपति बिटिया योजना' और 'मेरी पूंजी, मेरा अधिकार' के जरिए हम बेटियों को आर्थिक सुरक्षा और उनका हक दे रहे हैं। त्योहारों पर फ्री गैस सिलेंडर योजना से गृहिणियों को बचत का उपहार मिल रहा है। वहीं, 'सहेली पिंक स्मार्ट कार्ड' से उनकी यात्रा सुरक्षित और आसान बनी है।
- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

डोल महोत्सव

भक्ति, संस्कृति और लोकपरंपरा के दिव्य संगम का प्रतीक श्रीश्रीकृष्ण डोल महोत्सव हमारी आध्यात्मिक चेतना की उज्ज्वल अभिव्यक्ति है। पावन बटद्रवा थान में आज होली का यह आध्यात्मिक पर्व मन को गहन आनंद और शांति से भर गया।
हिमंता बिस्वा सरमा, सीएम, असम

वन्यजीवों का योगदान

प्रकृति में पर्यावरण संतुलन एवं जैव विविधता को बनाए रखने में वन्यजीवों का महत्वपूर्ण योगदान है। आज विश्व वन्यजीव दिवस पर इनके संरक्षण, संवर्धन और प्राकृतिक आवासों की रक्षा का संकल्प लेना हम सभी की जिम्मेदारी है।
अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

करंट अफेयर

आर्थिक चुनौतियों की छाया में होगी चीन की संसदीय बैठक

चीन की आधुनिक अर्थव्यवस्था की प्रगति कुंग-फू लड़ने वाले रोबोट और खुद से पार्क होने वाली कारों से भले ही दिखती हो, लेकिन रियल एस्टेट क्षेत्र की सुस्ती, छोटे व्यवसायों की मुश्किलें और युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी उसकी रफ्तार को थाम रही हैं। चीनी नेता शी चिनफिंग की उच्च प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर आधारित महत्वाकांक्षाओं और धीमी पड़ती आर्थिक वृद्धि की कठोर वास्तविकताओं के बीच का अंतर उस पृष्ठभूमि को रेखांकित करता है, जिसके बीच देश की औपचारिक मानी जाने वाली संसद 'नेशनल पीपुल्स कांग्रेस' की वार्षिक बैठक बृहस्पतिवार से शुरू हो रही है। करीब 3,000 प्रतिनिधियों की मौजूदगी वाली बैठक में शीर्ष नेता वार्षिक आर्थिक वृद्धि लक्ष्य और 2030 तक की नीतिगत रूपरेखा पेश करेंगे। विश्लेषकों के अनुसार, राष्ट्रपति शी चिनफिंग के सामने सबसे बड़ी चुनौती उच्च-प्रौद्योगिकी आधारित विकास और घरेलू मांग को संभालने के बीच संतुलन की है। चीन ने 2025 में लगभग पांच प्रतिशत आर्थिक वृद्धि का दावा किया है, हालांकि कई अर्थशास्त्री आधिकारिक आंकड़ों पर सवाल उठा रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ व्यापारिक तनाव के बावजूद निर्यात में उछाल और विनिर्माण क्षेत्र की मजबूती ने अर्थव्यवस्था को सहारा दिया है।

ऑफ बीट

आधा अरब क्षुद्रग्रह सूर्य की परिक्रमा कर रहे

क्षुद्रग्रह हमारे सौर मंडल के निर्माण के बाद बचे चट्टानों के टुकड़े हैं। चार मीटर से अधिक व्यास वाले लगभग आधा अरब क्षुद्रग्रह सूर्य की परिक्रमा करते रहते हैं, जो हमारे सौर मंडल से लगभग 30 किलोमीटर प्रति सेकंड की गति से गुजरते हैं - लगभग पृथ्वी के समान गति से। ज्यादातर मामलों में, सबसे छोटे क्षुद्रग्रह पृथ्वी के वायुमंडल से टकराने पर काफी हद तक टूट जाते हैं, और सतह तक भी नहीं आ पाते हैं। जब एक छोटा क्षुद्रग्रह (या उल्कापिंड, क्षुद्रग्रह से छोटी वस्तु) पृथ्वी के वायुमंडल से टकराता है, तो यह एक चमकीला 'आग का गोला' बन जाता है - एक शूटिंग स्टार या उल्का का एक बहुत लंबे समय तक चलने वाला और उजला संस्करण। यदि वस्तु का कोई बचा हुआ टुकड़ा जमीन से टकराता है, तो उसे उल्कापिंड कहा जाता है। अधिकांश वस्तु वायुमंडल में जल जाती है। प्रति वर्ष एक बार, औसतन, चार मीटर का क्षुद्रग्रह पृथ्वी की सतह से टकराता है। यदि आपने उस सतह क्षेत्र को दोगुना कर दिया, तो आपको प्रति वर्ष दो मिलेंगे। पृथ्वी की त्रिज्या 6,400 किमी है। दोगुने सतह क्षेत्रफल वाले एक गोले की त्रिज्या 9,000 किमी है। तो, प्रति वर्ष लगभग एक बार, चार मीटर का क्षुद्रग्रह पृथ्वी की सतह के 2,600 किमी के भीतर आएगा - 9,000 किमी और 6,400 किमी के बीच का अंतर।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय
टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से hbcgpati@gmail.com पर भेज सकते हैं।

खबर संक्षेप

दंतेश्वरी मंदिर में चोरी एक आरोपी गिरफ्तार

जगदलपुर। बस्तर की आराध्य माईं दंतेश्वरी मंदिर में चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने आखिरकार 41 दिन बाद गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। चोरी की घटना के बाद से ही आरोपी मोनू यादव 27 साल निवासी शांतिनगर फ्रेजरपुर स्थाई पता ग्राम मंगनार थाना करपावड फरार हो गया था। एसपी शलभ कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन व एएसपी माहेश्वर नाग, सीएसपी धोत्रे सुमित कुमार के निर्देश में आरोपी की पतासाजी के लिए दर्जन भर अलग अलग टीम बस्तर समेत पड़ोसी राज्यों में तलाश कर रही थी। एएसपी माहेश्वर नाग ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी मगनार करपावंड का मूल निवासी हैं जिसे नगरनार थाना क्षेत्र के मारकेल से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी किए मंगलसूत्र व सोने के हार का टुकड़ा बरामद किया गया है। गौरतलब है कि 23 जनवरी को दन्तेश्वरी मंदिर में चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था। आरोपी द्वारा मंदिर से पीतल की मूर्ति, चांदी की चैन एवं उसमे लगा हुआ सोने का लॉकेट, मंगलसूत्र एवं सोने का हार चोरी किया गया था घटना के तुरंत बाद चोरी को पकड़ने विभिन्न विशेष टीमें गठित की गई थी। पता तलाश दौरान मां दंतेश्वरी मंदिर एवं शहर के विभिन्न स्थानों में लगे सीसीटीव्ही फूटेज को खंगालने के बाद उसकी शिनाख्त मोनू यादव के रूप में हुई थी। जिसे मारकेल से पकड़कर हिरासत में लिया गया था।

वारदात: ग्राम सेमरकोना में शिवलिंग, नदी महाराज तथा ठाकुर देव की प्रतिमा की गई खण्डित

होली के पूर्व मंदिरों में तोड़फोड़ धार्मिक सौहार्द्र बिगाड़ने का प्रयास

हरिभूमि न्यूज ⏭ कवर्धा

जिले में बेलगाम हो चुके आपराधिक तथा आसामाजिक तत्वों द्वारा एक बार फिर होली के ठीक पहले सनातनियों की आस्था पर प्रहार कर धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाकर सामाजिक सौहार्द्र बिगाड़ने का प्रयास किया गया है। बताया जाता है कि इस बार आपराधिक तथा आसामाजिक तत्वों ने जिले के कुण्डा थाना क्षेत्रांतर्गत ग्राम सेमरकोना स्थित सनातनियों के आस्था के केन्द्र शिव मंदिर तथा ठाकुर देव मंदिर में स्थापित शिवलिंग, नंदी महाराज तथा ठाकुर देव की प्रतिमा में तोड़फोड़ की है। इस घटना के बाद ग्राम सेमरकोना सहित पूरे क्षेत्र के सनातनियों में आक्रोश व्याप्त है और वे इस घिनौने कृत्य को अंजाम देने वाले आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर धरने पर बैठ गए है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार ग्राम सेमरकोना में स्थित शिव मंदिर तथा ठाकुर देव मंदिर में स्थापित शिवलिंग, नंदी महाराज तथा ठाकुर देव की प्रतिमा को किसी ने सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात तोड़फोड़ कर खिण्डत कर दिया। घटना की जानकारी स्थानीय ग्रामीणों को मंगलवार की सुबह उस समय हुई जब वे चन्द्रग्रहण में सूतक लगने से पूर्व मंदिर में पूजा अर्चना करने पहुंचे। ग्रामीणों ने बताया मंदिर में स्थापित शिवलिंग, नंदी महाराज तथा ठाकुर देव की प्रतिमा अस्त व्यस्त थी जिन्हें किसी के द्वारा तोड़ा गया है। घटना की खबर कुछ ही देर में जंगल की आग की तरह पूरे ग्राम सहित क्षेत्र में फैल गई और लोगों का जमावड़ा घटना स्थल में लगना शुरू हो गया। लोगों ने इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया।

लगातार सामने आ रही मंदिरों में तोड़फोड़ की घटनाएं

यहां बताना लाजिमी होगा कि कबीरधाम जिले में सनातनियों के धार्मिक एवं आस्था के केन्द्रों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। जिला मुख्यालय कवर्धा से लेकर बोड़ला, कामठी सेमरकोना सहित ऐसे कई गांव है जहां से सनातनियों के देवी देवताओं की प्रतिमाओं को तोड़ने की खबरे सामने आ चुकी है। अभी हाल के ही दिनो में जिला मुख्यालय कवर्धा के काली गार्डन स्थित शिव मंदिर तथा बस स्टैण्ड स्थित रेवाबंद तालाब के शिव मंदिर तथा शनिदेव मंदिर में तोड़फोड़ की गई थी।

और इधर, बापू की प्रतिमा में तोड़फोड़

बलौदाबाजार। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम करमदा में देर रात असामाजिक तत्वों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया। शरारती तत्वों ने प्रतिमा का सिर तोड़कर अलग कर दूर फेंक दिया जिससे गांव में तनाव की स्थिति निर्मित हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण बड़ी संख्या में एकत्र हो गए और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करने लगे। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाइश देते हुए आरोपियों की जल्द पहचान कर सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया।

किस्टाराम में स्मारकों को फोर्स और पुलिस ने किया जमींदोज

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

सुकमा जिले के धूर नक्सल प्रभावित किस्टाराम थाना क्षेत्र के सकलर गांव में नक्सलियों ने मारे गए अपने साथियों की याद में 40 फीट उंची स्मारकों को शहीदी सप्ताह के दौरान वर्ष 2016 व 2018 में बनाया था।

सूचना मिलने पर सीआरपीएफ सी 217 बटालियन व किस्टाराम पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा स्मारकों को जमीदोंज किया गया। सीआरपीएफ आईजी सीजी सेक्टर शालिन, राजेश पांडे डीआईजी कोंटा के मार्गदर्शन में विजय शंकर कमांडेंट 217 बटालियन के निर्देशानुसार, सी 217 बटालियन के सैनिकों और किस्टाराम पुलिस स्टेशन की टीम अभियान में रवाना हुई थी। सीआरपीएफ ने जानकारी देते हुए बताया कि लगभग 40 फीट उंची स्मारक को नक्सलियों ने शहीदी सप्ताह के दौरान वर्ष 2016 व 2018 में मारे गए अपने साथी नक्सली ताती भेमई, देशू मुट्टे राजे, सोडी हुंगा, कलमू पोज्जा, सोढ़ी हिदमाई के नाम से बनाया था। सीआरपीएफ ने बताया की हमारी टीम लगातार अपने क्षेत्र में बने नक्सली स्मारकों को स्थानीय लोगों के सहयोग से ध्वस्त कर उनके मन से नक्सलियों के भय को समाप्त कर सुरक्षा की भावना लाने प्रयासरत है।

- मारे गए नक्सलियों की याद में सकलर गांव में बनाया गया था स्मॉरक

ट्रेलर की टक्कर से एक की मौत, एक गंभीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ सेल

थाना कसडोल क्षेत्र अंतर्गत ग्राम छरछेद स्थित नेशनल हाईवे 130B पर सोमवार की रात करीब 11 बजे एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने स्कूटी सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा शिव शक्ति हॉस्पिटल के सामने हुआ जहां टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान करण दास मानिकपुरी 22 वर्ष पिता सुकृत दास मानिकपुरी निवासी विद्या नगर वार्ड क्रमांक 1 नगर पंचायत कसडोल के रूप में हुई है।

हादसे में घायल यशवंत साहू को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रेलर तेज रफ्तार में था और अचानक स्कूटी को टक्कर मार दी।

पति ने की थी हत्या, गिरफ्तार

बालोद। थाना बालोद अतंर्गत ग्राम देवीनवागांव तांदुला किनारे में हुए महिला के अंधे कत्ल मे आरेपी पति को बालोद पुलिस ने गिरफ्तार किया है। प्रकरण में सवित्री निषाद की हत्या हुई थी। घटना 23 फरवरी की है। ग्राम देवीनवागांव तांदुला किनारे गांव की ही सावित्री निषाद का शव मिला था। फोरेंसिक टीम, साइबर सेल टीम, थाना की टीम, डाग स्क्वाड व विशेषज्ञों के राय उपरांत प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत होने से थाना बालोद में मर्ग धारा 103 बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया। घटना के एक दो दिन पहले ही अपने ससुराल देवीनवागांव आई थी। टीम द्वारा सभी पहलू पर बारीकी से जांच करने के बाद मृतिका के पति धर्मेन्द्र निषाद पर शक होने पर उसे बारीकी से पूछताछ करने पर उसने घटना करना कबूल किया।

लकड़ी का अवैध भंडारण, दो आरा मिल सील

दल्लीराजहरा। होली पर्व के ठीक एक दिन पूर्व वन विभाग की कार्रवाई से अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों के बीच जबरदस्त हड़कंप मच गया है। वनमंडल बालोद के अंतर्गत आज वन अमला द्वारा अवैध काष्ठ कारोबार के विरुद्ध एक बड़ी और सख्त कार्रवाई की गई। जिला वन मंडलाधिकारी अभिषेक अग्रवाल के कुशल नेतृत्व, स्पष्ट दिशा-निर्देशन और सतत निगरानी में वन विभाग की उड़ान दस्ता एवं क्षेत्रीय अधिकारियों की संयुक्त टीम ने आधा दर्जन आरा मिलों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गुण्डरदेही सर्किल के अर्जुंदा क्षेत्र में ग्राम अर्जुन्दा स्थित सत्य सांई मिल तथा ग्राम मटेवा स्थित हरिओम सॉ मिल में प्रतिबंधित प्रजाति के काष्ठ का अवैध रूप से उपयोग पाया गया। गंभीर अनियमितताओं को देखते हुए दोनों आरा मशीनों को तत्काल सील कर दिया गया।

कार्यालय आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास
इन्द्रावती भवन, भूतल, ब्लॉक 4डी, नवा रायपुर अटल नगर (छ.ग.)
Phone No. - 2263708 Fax - 2262558
website-tribal.cg.gov.in E mail- ctd.cg@nic.in

क्रमांक/रा.यु.उ.यो./133/2025-26/14268 नवा रायपुर दिनांक 2/3/2026

-: संक्षिप्त विज्ञप्ति :-

राजीव युवा उत्थान योजना वर्ष 2019 अंतर्गत छ.ग. राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा की कोचिंग जिला बिलासपुर में प्रदान करने हेतु निजी प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थाओं से ऑनलाईन ''रुचि की अभिव्यक्ति'' का आमंत्रण (वर्ष 2025-26)

वर्ष 2025-26 में राजीव युवा उत्थान योजना वर्ष 2019 अंतर्गत राज्य के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के पात्र अभ्यर्थियों को छ.ग. राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा की कोचिंग जिला बिलासपुर में प्रदान करने हेतु परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण उपलब्ध कराने एवं प्रतिस्पर्धात्मक बनाकर परिणाममूलक सफलता सुनिश्चित करने हेतु विभाग द्वारा इस क्षेत्र में कार्यरत निजी प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थाओं से "रुचि की अभिव्यक्ति" (Expression of Interest) का ऑनलाईन प्रस्ताव आमंत्रित है।

1	रूचि की अभिव्यक्ति का ऑनलाईन प्रदर्शन की तिथि	26.02.2026 दोपहर 02:00 बजे से
2	रूचि की अभिव्यक्ति के संबंध में PreBid Meeting	09.03.2026 दोपहर 02:00 बजे
3	निर्धारित प्रपत्र में प्रस्ताव ऑनलाईन प्रेषित करने की अंतिम तिथि	27.03.2026 सायं 5:00 बजे तक
4	प्राप्त प्रस्ताव को समिति के समक्ष खोला जाना	30.03.2026 दोपहर 12:00 बजे
5	तकनीकी मुल्यांकन एवं अन्य कार्यवाही / जानकारी की सूचना	पृथक से दी जावेगी

अन्य कार्यवाही एवं तिथियों में परिवर्तन की सूचना संबंधित प्राधिकारी / चयन समिति द्वारा पृथक से विभागीय वेबसाईट पर दी जायेगी। विस्तृत जानकारी एवं नियमावली हेतु विभागीय वेबसाईट www.tribal.cg.gov.in से अवलोकन किया जा सकता है तथा ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in के निविदा क्रमांक-186540 दिनांक 27.02.2026 से वांछित जानकारी / प्रपत्र का अवलोकन / डाउनलोड कर सकते है।

उपायुक्त
आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास
नवा रायपुर अटल नगर (छ.ग.)
G-252607001/3

खेती-किसानी की बात पर विवाद बुजुर्ग की कुल्हाड़ी मारकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ खैरागढ़

बुजुर्ग रोज टीवी देखने घर आता था और खेती-किसानी के काम को लेकर अनाप-शनाप कहता था। घर की महिलाओं पर भी आंख से गलत हरकत करता था। इस बात से आक्रोशित होकर आरोपी ने घर में सोये हालत में बुजुर्ग की हत्या कर दी।

इस सनसनीखेज हत्या के मामले को आज पुलिस ने पत्रकारवार्ता में खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार थाना ठेलकाडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत पुलिस को 27 फरवरी को सुबह लगभग साढे 8 बजे सूचना मिला था कि ग्राम गहिरा-गोपालपुर में गुवाल वर्मा के पिता लेडगूराम वर्मा की हत्या हो गई है। सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंचा। घटनास्थल पर डाग स्क्वाड एवं एफएसएल के सीन ऑफ क्राईम यूनिट ने बारिकी से जांच पड़ताल की।

सोते समय हमला

गुस्से में आकर लेडगूराम को मारने की योजना बनाया और सबके सो जाने के बाद 26 फरवरी को लगभग 11 बजे घर से कुल्हाडी लेकर लेडगूराम के घर गया, जो उस वक्त सो रहा था। आरोपी ने टंगिया से लेडगूराम के सिर में तीन वार कर उसके गला को दबाकर हत्या कर दिया। घटना को किसी चोर द्वारा चोरी करने के बाद किया गया है, ऐसा दिखाने के लिए उसके नए मकान के पिछले खड़की को तोड़कर घर अंदर आलमारी को तोडफोड़ किए जाने की बात कही।

टंगिया सहित अन्य सामान बरामद

आरोपी के बताए अनुसार घटना में प्रयुक्त कुल्हाडी एवं घटना के समय पहने हुए टी-शर्ट व लोवर तथा बनियान का कपड़ा। जिसमें मृतक के खून को आरोपी द्वारा पोछा गया था, को आरोपी के घर से निकालकर पेश करने पर एवं तालाब के किनारे हल्के पानी के अंदर कीचड़ से निकालकर पेश करने पर जब्त किय गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कार्रवाई की है।

कार्यालय जिला बाल संरक्षण अधिकारी
महिला एवं बाल विकास विभाग जिला-धमतरी
E-Mail ID :- wcd.dhamtari@gmail.com,
dweddhamtari@gmail.com, Phone No. 07722-232353

दावा-आपत्ति

1. बालक का नाम :- शुभम (शिशु)
2. बालक का प्राप्ति दिनॉक :- 09.02.2026
3. संस्था :- विशेषीकृत दत्तक ग्रहण अभिकरण कांकेर जिला उत्तर बस्तर कांकेर
4. रंग :- गेहुँआ (गोरा)
5. उम्र :- 06 माह (लगभग)
6. लिंग :- पुरुष (बालक)

उक्त परित्यक्त बालक शुभम को दिनाँक 09.02.2026 को बालक कल्याण समिति जिला धमतरी के आदेश क्रमांक/ 1201/ बा.क.स./ 2025-26 धमतरी दिनॉक 09.02.2026 के तहत दिनॉक 09.02.2026 से अस्थायी संरक्षण हेतु विशेषीकृत दत्तक ग्रहण अभिकरण कांकेर में रखा गया है।

सर्व संबंधित जो कि बालक के वैधानिक पालक/ अभिभावक होने का दावा आपत्ति दर्ज कराना चाहते है, प्रकाशन दिनॉक से 30 दिवस के भीतर कार्यालय जिला बाल संरक्षण अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग जिला धमतरी अथवा विशेषीकृत दत्तक ग्रहण अभिकरण कांकेर में आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। उक्त समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्तियों पर विचार नहीं किया जावेगा तथा बच्चें को दत्तक ग्रहण की कार्यवाही की जावेगी।

यह विज्ञापन मेरे द्वारा जारी किया गया।

जिला बाल संरक्षण अधिकारी
महिला एवं बाल विकास विभाग
जिला धमतरी (छ.ग.)
मो.नं. 7000247954
G-252606998/4

कार्यालय कलेक्टर, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई
(आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग)

क्रमांक /2070/आजाक/ निर्माण/2025-26 खैरागढ़, दिनांक 02/03/2026

॥ ई-निविदा आमंत्रण सूचना ॥

निम्नांकित कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है, निविदा ऑनलाईन अपलोड करने की अंतिम तिथि 23/03/2026 सायं 5.00 बजे तक है :-

क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	निविदा की राशि (लाख में)
1	2	3	4
1	186686	Construction of Hostel Building Post Matric ST Boys Hostel Salhewara Block Chhuikhadan	190.70
2	186689	Construction of Hostel Building Post Matric ST Girls Hostel Salhewara Block Chhuikhadan	190.70

उपरोक्तानुसार निर्माण कार्यों की निविदा सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी ऑनलाईन वेबसाईट https:eproc.cgstate.gov.in में देखी जा सकती है।

(कलेक्टर महोदय द्वारा अनुमोदित)

सहायक आयुक्त आदिवासी विकास
खैरागढ़-छुईखदान-गंडई छ.ग.
G-252607017/3

एक्सीडेंट में बाइक चालक की हुई मौत

महासमुंद। सरायपाली पुलिस ने बताया कि 02 नवंबर 2025 को मृतक विजय कुमार पटेल पिता अडंगकुश पटेल (37 वर्ष) निवासी बिरसिंगपाली थाना सरायपाली अपनी पल्सर मोटर सायकल क्रमांक सीजी 06 जीवी 7186 से दोपहर करीबन 01 बजे सरायपाली से भंवरपुर अपनी डेली निडस दुकान खोलने जा रहा था। भंवरपुर रोड पटेल चेस्ट सरायपाली के आगे मौहा नर्सरी के पास के पास प्रेतनडीह पहुंचा तभी बगईजोर की ओर आ रही स्कूटी क्रमांक सीजी 06 एचसी 2573 के चालक ने वाहन को तेज चला कर मोटर सायकल को ठोकर मारकर एक्सीडेंट कर दिया।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking : Raipur- 6263818152 79871-19756

Appointment आवश्यकता

टेलीकॉलर

Requirment- Creditsea Finance Hiring Telecaller - Collection Associates (Hindi, English, Tamil, Telugu, Kannada, Malayalam). Salary 15,000–25,000; Male/Female; Complete Desk Job.3rd floor, Radhey Chambers, Pandri. Contact HR : 9109165137, 7999611198, 9131205196; Freshers, Experienced apply Immediately now. (RO-7243)

सुरक्षागार्ड

आवश्यकता है- 24 घंटे के लिए सुरक्षा गार्ड चाहिए स्थानः- Maple Town, Opp. St. Xavier School, Borsi-Dhanora Road, Durg रहने की सुविध उपलब्ध तुरंत जॉइनिंग संपर्क करें:- 7771967111.(आरो नं.-232)

Property प्रापर्टी

For Sale- For lease transfer 3B Street 18 Sector 4 Bhilai Plot/ Plinth 5150/1370 sqft Not in plant expansion area Contact Prakhar Pandya 9375798674/ 9033074041 WA (आरो-45189)

प्लाट

प्लॉट बेचना है - अमलेश्वर (कृष्णा नगर 2250 वर्ग रेट 1100 प्रति वर्ग फुट) (कार्नर) प्लांट एवं भाटागांव भाठीखार में 600 वर्ग फुट रेट 1400 प्रति वर्ग फुट डायवर्सन प्लॉट बेचना है। संपर्क पुरुषोत्तम यदु 8823780696 पोषण यदु 9754685471 महामाई परा रायपुर.(आरो-6686)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (जैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वादों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

होली में भाईचारा और सद्भावना का संदेश

परंपरा
डा. राघवेंद्र कुमार ' राज '

छत्तीसगढ़ की पवित्र वसुंधरा ने न केवल दिव्य रत्नों को जन्म दी हैं वरन बहुजन हिताय की सूक्तिवाक्यों को आत्मसात भी किया है। तभी तो यहां की लोकधारा गा उठती है।-
करता पहुनाई जन-जन का,जहां आँखों का पानी।
किशन के प्रेम रंगों में भीगती जहां राधा दीवानी।
सनातन धर्म में होलिका पूजन का विशेष महत्व है।

जो सुख -सौभाग्य प्राप्ति का माध्यम भी है। जहां वसुधैव कुटुम्बकम् की पवित्र भावना फलीभूत होती हुई दृष्टिगोचर होती है।

छत्तीसगढ़ में होलिका पूजन की अपनी अनूठी परम्परा और मान्यताएं विद्यमान है। जो कहीं न कहीं निश्चित रूप से 'सर्वेभवन्तु सुखिनः'की पवित्र भावना से अनुप्राणित -सा लगता है। होलिका पूजन में जो यज्ञाहुतियां दी जाती हैं। उसके पीछे भी लोक धारणाएं और प्राचीन मान्यताएं हैं। जैसे -घी और सरसों तेल के दिये जलाना,सात गेहूं की बालियां और सात सफेद सूत के (धागे), हल्दी का तिलक,रोली, सिन्दूर, श्रीफल, लौंग, कपूर,काले तिल के दाने,राई,गाय के गोबर की उपलें (कंडा या छेना), चांवल, दही, हलुवा, मालपुवा और अरंड (अंडा) पेड़ की टहनी गाड़ना आदि। ऐसा मानना है कि सरसों तेल के दिये जलाने से भगवान काल भैरव का आशीर्वाद प्राप्त होता है। सात गेहूं की बालियां सप्ताह में सात दिन, विवाह में सात फेरे और सात अंक शुभ के प्रतीक माने गए हैं। सात कच्चे सफेद सूत का संबंध शनि ग्रह से है। इसके अर्पण से शनिदोष से मुक्ति मिलती है। उपलों को सात धागों से बांधने से बुरी शक्तियां बंध जाती हैं। सात पान के पत्ते चाहे अरंड या कपूरी पान के हो। इसके अग्निहोत्र से परिवार में सुख,शांति,समृद्धि, और उन्नति की प्राप्ति होती है। लौंग और कपूर की आहुतियों से सुख -शांति, धनवृद्धि , घर में बरकत और पितृ व देवदोषों के अलावा कालसर्प दोष से मुक्ति मिलती है। काले तिल के दाने,नमक व राई से बाधाएं दूर ,पुण्य की प्राप्ति होती हैं। नारियल अर्पण से दृष्टिदोष, शारीरिक और मानसिक समस्याओं का निवारण होता है। होली की भस्म मस्तक पर धारण करने से राहु-केतु की महादशा से मुक्ति, पारिवारिक क्लेश और विवाद का अंत व वास्तुदोष का निवारण होता है। गाय के गोबर की उपलें नकारात्मक शक्तियों, घरेलू परेशानियों को दूर कर वातावरण को शुद्धता प्रदान करती हैं।

अरंड (अंडा) पेड़ की टहनी गाड़ने से समस्त रोगों का अवसान होता है और ये सहज रूप से गांव -शहर में उपलब्ध हो जाती हैं। इसके फल, पत्तियां, टहनियां रोगकारक जीवाणु , कीटाणु से रक्षा करती हैं। दुर्भिक्ष (अकाल), भूखमरी और रूग्णता से मुक्ति दिलाती है। तभी तो भक्तों और श्रद्धालुओं की मंडलियां भक्ति भाव से गा उठती हैं।-₹अरे! सर ररा सुन ले मोर कबीर... अरे! हां हां दे दे बुल ऊवा राधे को,के ब्रज में होली होय।... फागुन महराज अब के गये कब अइ हव।

परंपरा
दिनेश वर्मा

कभु नी जरय चारामा के चूचरुंगपुर में होली

जिला कांकेर वि. ख. चारामा के ग्राम चुचरुंगपुर में जुन्ना परंपरा ला मानत इहु बच्छर होली नई जरय जुन्ना सियान मन रानी मां के आस्था अउ विश्वास ला मानत कोनो बच्छर लकड़ी के होली नई जराय। गांव के देवकोठार में रानी माँ के प्रस्तर प्रतीक अउ घोड़ा के प्रतिमा में पूजा -पाठ करके होली तिहार मनाथे। कतका सुग्घर परंपरा हावय जेमा लकड़ी के होली नई जलाय। ऐमा पर्यावरण संरक्षण के भाव जुड़े हे आइसे लागथे ।रानी माँ ला ये तीर-तखार के बारा गांव मानथे। बच्छर के अगहन मास शुक्ल पक्ष के तृतीया के इहा रानी मां के मेला लगथे। ये मेला में देवता मन के ठीहा मंडई अउ रानी मां के घोडा ला सजा के जम्मों मनखे मन के बाहिर ले मेला ठीहा के अढई परिक्रमा करथें । मड़ई में आय जम्मों मनखे मन परिक्रमा भीतर मा रहिथय। एखर आस्था हावय की परिक्रमा में जम्मों देवधारी अउ देवकैना बाहिर ले मनखे मन के रक्षा करथे। ढाई परिक्रमा के आशय हाबे जग में ढाई योनि होथे। ओएक मनखे जात ,दूसर माइलोगिन अउ तीसर हावय मनखे अउ माइलोगिन दोनों के आधा अंश होथे किन्नर मन ऐखर सेती अढ़ई योनि माने गेहे।अइसन परम्परा ला मानत इंहा लकड़ी के होरी नइ पर जरावय।

परब विशेष
डा. राजन यादव

फाग गीतों में भी प्रथम वंदनीय गणेश जी

फाग गीत एक परिष्कृत तथा सांस्कृतिक रुचि का निर्देशन भी है। छत्तीसगढ़ी फाग गीतों में कथानक विस्तृत होते हैं। राम कथा, कृष्ण कथा, महाभारत, देवी भागवत, लोक देव देवियां, आल्हा खंड, लोकगाथाएं, कबीर, तुलसी, रहीम, सदृश लोक से जुड़े भक्त कवियों की पंक्तियां, ऐतिहासिक पुरुष व घटनाएं, सामयिक प्रसंग, क्षेत्र विशेष के देव गण तथा लौकिक प्रेम इत्यादि कथानकों पर आधारित फाग गीतों का गायन किया जाता है। रुचि भेद, स्थान भेद तथा प्रस्तुतिकरण की दृष्टि से इस रंगीन पर्व के कथानक भी विविधवर्णी हैं। शास्त्र की तरह लोक में भी प्रथम पूजित गणेश जी का पावन स्मरण किया जाता है। वंदना परक फाग गीतों के एक ही गीत में कई देवी देवताओं के प्रसंग आते हैं। देखें यह गीत -

ए हो प्रथम चरण गणपति को हो
गणपति को मनाव प्रथम चरण गणपति को
काकर पुत गणपति भए काकर हनुमान
काकर पुत भैरव भए काकर पुत भगवान
गौरी के पुत गणपति भए अंजनी के हनुमान
काली के पुत भैरव भए कौशल्या के राम
काहे करन गणपति भए काहे करन हनुमान।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- Choupalharibhoomi@gmail.com

कला जगत
गोविंद धनगर

फागुन माह का आकर्षक लयबद्ध : डंडा नाच

प्राचीन कला परंपरा न सिर्फ धरोहर है बल्कि वर्तमान में समकालीन कला जगत व समाज को समझने सहजने का माध्यम है।

लोक नृत्य गीत,कथाएं ,कहावतें हाना, जनऊला व अन्य जन श्रुति युगों से सांस्कृतिक परंपरा को संरक्षित करती है। लोक कला की परंपरा ज्ञान, इतिहास, जीवन मूल्यों व सामाजिक अनुभव के संचार का माध्यम रहा है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी चेतना को जीवित रखता है। पारंपरिक लोक परंपरा में भिन्न-भिन्न विधा है, जो बिना ताम झाम व दिखावे के अपनी अमिट छाप छोड़ते हैं 1 हमारे छत्तीसगढ़ का डंडा नित्य भी लोक कला का अभिन्न हिस्सा है, जिसे रहस के नाम से सामूहिक नृत्य से जाने जाते हैं। जो लोग जीवन से जुड़ा है। ठेही के साथ धारा प्रवाह पारंपरिक गीत व भजन दोहा आदि का समावेश होता है।समय, दूरी, डंडे की सामूहिक आवाज एक निर्धारित लय, वेशभूषा के साथ सुसज्जित होता है।

ग्रामीण अंचल में युवा वर्ग व बड़े बुजुर्ग की भागीदारी उत्साह पूर्वक देखने को मिलती है। जो लोककला व सांस्कृतिक चेतना की दृष्टि से प्रतिष्ठित विधा है। जिसमें खेल, गीत, लय, समय सीमा व शारीरिक मानसिक व्यायाम का संगम झलकता है, रहस नृत्य में पात्र की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। नृत्य में कुछ पारंगत कलाकार होते हैं। जिनकी पैरों की चाल, डंडों से स्पष्ट आवाज व शारीरिक लचक में अच्छी पकड़ होती है। फागुन माह से प्रारंभ रंग पंचमी, रंग तेरस तक गांव की गली मोहल्ले बस्तियों में डंडा नृत्य का अपना अलग ही उत्सव देखा जाता है, जो ग्रामीणों को संगठित रखने योगदान व सामाजिक प्रभाव को बढ़ावा देता है पिछले दो ढाई दशकों से यह वातावरण कम सा हो गया है,

एक समय था यह नृत्य मनोरंजन व प्रभावशाली होता था । आज तकनीकी के दौर में इलेक्ट्रॉनिक वाद्य यंत्र का उपयोग सोशल मीडिया, प्लेटफॉर्म संगीत सृजित रोजगारोन्मुखी स्वरूप का तेजी से आगे आना। हम कम खर्च कम संसाधन वाले पारंपरिक कलाओं के महत्व को अनदेखा कर भूलते जा रहे हैं, जो रफ्तार व विकसित छत्तीसगढ़ और लोक कला जगत के लिए शुभ संकेत नहीं है।

लोक वाद्यः डा. गीतेश कुमार अमरोहित

फाग गीतों में प्रमुख वाद्य नगाड़ा

पारंपरिक वाद्य यंत्र नगाड़ा मूल रूप से मध्य पूर्व से आया, लेकिन बाद में यह भारत में लोकप्रिय हुआ। नगाड़ा अरबी भाषा के शब्द नक्र से आया जिसका अर्थ होता है - मारना या पीटना। प्राचीन और मध्यकाल में नगाड़े का उपयोग युद्ध के मैदान में सैनिकों का जोश बढ़ाने और घोषणाएं करने के लिए किया जाता था। इसे विजय के प्रतीक रूप में भी बजाया जाता था। छत्तीसगढ़ के मैदानी इलाकों में फाग गीत और होलिका दहन के अवसर पर इसे बजाया जाता है। वहीं बस्तर अंचल के आदिवासी महोत्सवों का यह प्रमुख वाद्य यंत्र है। यह घन, ताल वाद्य यंत्र है। संस्कृत में इसे दुन्दुभि कहते हैं। यह नौ वाद्यों में से एक है।

नगाड़ा बनाने की विधि पारंपरिक शिल्प पर आधारित है, जिसमें मिट्टी, चमड़े और लकड़ी का उपयोग होता है। बनाने की प्रक्रिया में एक से डेढ़ माह लग जाते हैं। चिकनी मिट्टी को साफ कर गूंथा जाता है। चाक पर गोल हांडी बनाकर छांव में सुखा देते हैं। फिर इसे भट्टी में गोबर-लकड़ी से पकाते हैं। खाल को साफ कर पानी में नरम होने तक भिगो देते हैं। फिर ढांचे के आकार में काट कर चमड़े को ढांचे में फैला देते हैं। इसे पतली डोरियों से कसकर विशेष तरीके से कस देते हैं। नगाड़ा हमेशा जोड़े में होता है। आकार में बड़े लगभग 12-18 इंच व्यास को गद्द कहते हैं। इसके लिए भैंस की खाल का और आकार में छोटे नगाड़े लगभग 8-12 इंच व्यास, ठीन के लिए बकरी की खाल का उपयोग करते हैं। बजाने के लिए लकड़ी की छड़ी का उपयोग करते हैं, इसे बठेना कहा जाता है। छेरछेरा या अन्य लकड़ी को 12-18 इंच काटकर लंबी आकृति दे देते हैं। वादन के दौरान वादक प्रायः पानी से भीगे कपड़े बड़े नगाड़े की सतह पर फेरते हैं, इससे इसकी ध्वनि उच्च नहीं होती है। छोटे नगाड़े को आग से आंच दिया जाता है, जिससे टंकार उत्पन्न हो। बजाते-बजाते चमड़ा अगर ढीला पड़ जाए, तो उसमें लगे रस्सियों को कसा जाता है।

ऐतिहासिक
प्रो. अश्विनी केशरवानी

शिवरीनारायण माहात्म्य को फागुन मास से विस्तार मिला

महात्मा चाहते थे कि श्री शिवरीनारायण का संस्कृत माहात्म्य भाषा में विख्यात हो। इस माहात्म्य को श्रीयुत पंडित हीराराम त्रिपाठी शिवरीनारायण निवासी ने संवत 1944 विक्रमी में संस्कृत भाषा में पूर्ण हुआ। इस माहात्म्य में सम्पूर्ण शिवरीनारायण को जाना और समझा जा सकता है। इस पांडुलिपि की प्रसिद्धि के कारण सारे प्रति तुरंत बंट गए। इस शिवरीनारायण माहात्म्य की एक ही प्रति बची थी, जब संवत 1932 में फागुन मास में महाराजा करोन तीर्थाटन करते हुए इस पुण्य क्षेत्र में पहुंचे तो इस रमणीय स्थल को देख कर प्रसन्न हुए। जाते समय यह महाराज जी उस एक प्रति को ले गए और 500 प्रति मुद्रित करा कर 100 प्रति शिवरीनारायण भेजे। यह प्रति उन्होंने 1934 में मुद्रित कराया। खास बात यह है कि इस माहात्म्य में ऐसे श्लोक है जो इस क्षेत्र के इतिहास को प्रमाणित रूप से पुष्टि करते हैं।

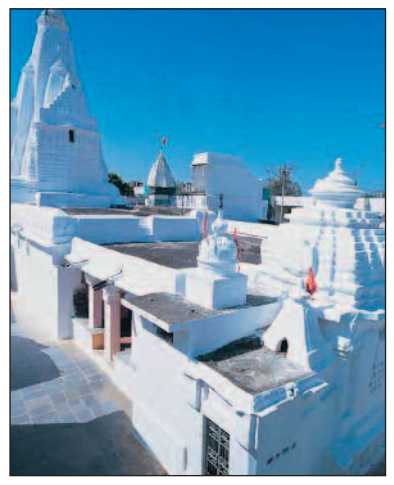

सुरता : डा.विनोद कुमार वर्मा

छत्तीसगढ़ बर समर्पित होके लिखत रिहीन भोले जी

रामचंद्र वर्मा एक शिक्षक रहिन फेर व्याकरण के घलो अच्छा जानकार रहिन। एकर असर बेटा उपर परिस अउ भोले भैया के झुकाव बचपन ले ही साहित्य कोती मुड़गे। आपके विवाह श्रीमती बसन्ती देवी ले होय हे। सुशील भोले जी युवाकाल मा पृथक छत्तीसगढ़ राज्य आँदोलन ले प्रभावित होके ओमा सक्रिय भागीदारी करिन अउ छत्तीसगढ़िया मन के अस्मिता अउ छत्तीसगढ़ी भाषा के सेवा के संकल्प लीन।

ब्रह्मलीन रामचंद्र वर्मा अउ श्रीमती उर्मिला देवी के बेटा सुशील भोले के जनम 02 जुलाई 1961 के भाटापारा नगर में होय रहिस। रामचंद्र वर्मा एक शिक्षक रहिन फेर व्याकरण के घलो अच्छा जानकार रहिन। एकर असर बेटा उपर परिस अउ भोले भैया के झुकाव बचपन ले ही साहित्य कोती मुड़गे। आपके विवाह श्रीमती बसन्ती देवी ले होय हे। सुशील भोले जी युवाकाल मा पृथक छत्तीसगढ़ राज्य आँदोलन ले प्रभावित होके ओमा सक्रिय भागीदारी करिन अउ छत्तीसगढ़िया मन के अस्मिता अउ छत्तीसगढ़ी भाषा के सेवा के संकल्प लीन। आप मन एक मर्मज्ञ लेखक के संगे-संग छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक विरासत के सजग प्रहरी की भूमिका मा अपन दायित्व के निर्वहन करत रहेव।

आपकी प्रकाशित पुस्तक मा छितका कुरिया (काव्य संग्रह), दरस के साध (प्रलंब काव्य), जिनगी के रंग (गीत संग्रह), ढेंकी (कहानी संग्रह), आखर अंजोर (आलेख संग्रह), भोले के गोले (व्यंग्य संग्रह), सब ओकरे संतान (चारगोड़िया संकलन), सुरता के संसार (संस्मरण) प्रमुख हे। एकर अलावा समग्र शिक्षा अभियान के अन्तर्गत आपके अनेक पुस्तक प्रकाशित हे।

आपके सोशल-मीडिया के पहली छत्तीसगढ़ी धारावाहिक कोंदा भैंरा के गोठ के नियमित प्रकाशन दैनिक सुग्घर छत्तीसगढ़ में होवत रहिस। आप मन अनेक दैनिक अउ साप्ताहिक अखबार मन के कालम लेखन भी करत रहेव। जेमा तरकश अउ तीर, आखर अंजोर , डहर चलती , गुड़ी के गोठ , बेंदरा बिनास ,अउ किस्सा कलयुगी हनुमान के चर्चित रहिस। आप मन ला छत्तीसगढ़ी भाषा के प्रथम संपूर्ण मासिक पत्रिका मयारु माटी के संपादन के गौरव प्राप्त हे। आपके असमायिक निधन के समाचार ले पूरा छत्तीसगढ़ी साहित्य समाज स्तब्ध हें। दुःख के घड़ी मा सद् गुरु कबीर के वाणी सुमरन योग्य हे-

आये हैं सो जायेंगे। राजा रंक फकीर।
एक सिंघासन चढ़ि चले, एक बंधे जंजीर।

जैकेट के शेष

ईरान के राष्ट्रपति ....

इजाजत सिर्फ क्लियर निर्देश मिलने पर होगी। हम फ्रंट कमांड के निर्देशों का पालन करें, क्योंकि ये जान बचाते हैं। इस बीच, फ्रांस साइप्रस में एक ब्रिटिश एयरबेस को ड्रोन से निशाना बनाए जाने के बाद एंटी-मिसाइल और एंटी-ड्रोन सिस्टम भेजने की योजना बना रहा है। सेमी-ऑफिशियल साइप्रस न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट में यह बताया गया है।

पेज एक के शेष

छत्तीसगढ़ में पांच साल में...

खोलने की तैयारी में थी, लेकिन जन विरोध के 35 दुकानें नहीं खुल पाईं थीं। अब सरकार ने नए वित्तीय वर्ष में इन दुकानों के खोलने की तैयारी रखी है।

एक नजर साल-दर...

है। जानकारों की मानें तो यह आंकड़ा 31 मार्च तक 11 हजार करोड़ या उससे भी अधिक हो सकता है। पिछले वर्षों में राजस्व प्राप्ति के आंकड़े इस प्रकार रहे हैं 2021-22 में 5 हजार 110 करोड़, 2022-23 में 6 हजार 783 करोड़, 2023-24 में 8 हजार 430 करोड़, 2024-24 में 10 हजार 145 करोड़। वर्ष 2025-26 में 31 दिसंबर 2025 की स्थिति में सरकार को 7 हजार 861 करोड़ से अधिक का राजस्व मिल चुका था।

नितिन जाएंगे राज्यसभा...

फिर से मौका दिया गया है। हरियाणा से संजय भाटिया को राज्यसभा भेजा जाएगा, जो पहले लोकसभा के सांसद रहे हैं। वहीं शिवेश कुमार बिहार भाजपा के महामंत्री हैं। उन्हें भी मौका मिला है। पूरी लिस्ट को देखें तो भाजपा ने ज्यादातर ऐसे लोगों को मौका दिया है, जो संगठन में काम कर रहे हैं। इसके अलावा असम से दो नेताओं को राज्यसभा भेजा है। साफ है कि अब पार्टी उनकी सेवाएं राज्य की बजाय केंद्रीय राजनीति में भी लेना चाहती है।

गांजा तस्करी के मामले में...

विवेकानंद कॉलोनी में दबिश दी। रेड के दौरान घर में रखी एक पेटी से 24 पैकेट गांजा बरामद किया गया। बरामद माल को जब्त कर आरोपी रवि विश्वकर्मा को हिरासत में लिया गया।

डबल डेकर बस और वैन ...

बताया कि वैन में सवार 16 लोग दिल्ली के प्रेम नगर से राजस्थान के धौलपुर जा रहे थे तभी नोएडा से गोरखपुर जा रही स्लीपर बस ने वैन को पीछे से टक्कर मार दी। पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा ने कहा कि दुर्घटना उस समय हुई जब बस चालक वैन से आगे निकलने का प्रयास कर रहा था। उन्होंने बताया कि बस चालक, परिचालक और ऑपरेटर को गिरफ्तार कर लिया गया है और संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है। सिन्हा ने बताया कि बस मालिक के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सूचना मिलने पर अपर पुलिस अधीक्षक राम आनंद कुशवाह, सादाबाद के क्षेत्राधिकारी और थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। अधिकारियों ने बताया कि घायल बच्चों को आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज भेजा गया है, जहां उनमें से दो की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

डिजिटल दुनिया के...

उनके सब्सक्राइबर अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से सात गुना से भी ज्यादा हैं। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो भी उनसे काफी पीछे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर 10 करोड़ फॉलोअर्स का आंकड़ा भी पार किया है, जो एक बड़ा रिकॉर्ड है। वह इस मुकाम तक पहुंचने वाले पहले वैश्विक नेता माने जा रहे हैं। उन्होंने 2014 में इंस्टाग्राम जॉइन किया था और तब से लगातार सक्रिय हैं। उनके फॉलोअर्स डोनाल्ड ट्रंप से दोगुने से ज्यादा बताए जाते हैं। भारत में भी वे अन्य राजनीतिक नेताओं से काफी आगे हैं और सोशल मीडिया पर मजबूत पकड़ बनाए हुए हैं।

पहलगाम हमले में इस्तेमाल कैमरा चीन में किया गया था पहली बार एक्टिव

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कश्मीर के पहलगाम की बैसरन घाटी की रेकी करने के लिए कथित तौर पर इस्तेमाल किया गया गो प्रो हीरो 12 ब्लैक कैमरा का लिंक चीन के एक डिस्ट्रीब्यूटर के पास मिला है। द प्रिंट की एक रिपोर्ट के अनुसार चीन में ही इसे पहलगाम आतंकी हमले से एक साल पहले एक्टिवेट किया गया था। इस तथ्य के सामने आने के बाद नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) अब एक लेटर रोगेटरी जारी करने वाली है क्योंकि कैमरे के एक्टिवेशन, शुरुआती इस्तेमाल और कमर्शियल ट्रेल से जुड़ी जानकारी चीन के अधिकार क्षेत्र में आती है। बता दें कि लेटर रोगेटरी एक देश की कोर्ट की तरफ से दूसरे देश की न्यायपालिका के लिए एक फॉर्मल, डिप्लोमैटिक रिक्वेस्ट होती है। जम्मू में स्पेशल एनआईए जज ने बताया कि मिनिस्ट्री ऑफ़ होम अफेयर्स (एमएचए) ने इस प्रोसेस को अपनी मंजूरी दे दी है।

निर्माता का जवाब कोर्ट में पेश

एनआईए ने स्पेशल कोर्ट में मैन्युफैक्चरर का जवाब पेश किया, 'यह कैमरा एई ग्रुप इंटरनेशनल लिमिटेड को सप्लाई किया गया था, जो पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना में एक डिस्ट्रीब्यूटर है; और कैमरा 30.01.2024 को डोंगगुआन, पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना में एक्टिवेट किया गया था'

चीन को भेजी जाएगी लेटर रोगेटरी

स्पेशल कोर्ट ने एनआईए को चीनी अधिकारियों को एक लेटर रोगेटरी भेजने की मंजूरी दे दी और जांच अधिकारी को लेटर रोगेटरी की एक सॉफ्ट कॉपी, उसके ट्रांसलेशन के साथ, म्यूचुअल लीगल असिस्टेंस ट्रीटी (एमएलएटी) पोर्टल पर अपलोड करने का निर्देश दिया।

आंध्र प्रदेश में कोचिंग संस्थानों पर सख्त नियम

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश कोचिंग संस्थान (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2026 के ड्राफ्ट जारी होने के बाद राज्य में निजी कोचिंग संस्थानों की गतिविधियों में बड़े बदलाव की तैयारी है। आंध्र प्रदेश सरकार ने इन प्रस्तावित नियमों के जरिए छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और शैक्षणिक दबाव को कम करने पर जोर दिया है। राज्य के मानव संसाधन विकास मंत्री नारा लोकेश ने ड्राफ्ट नियम जारी करते हुए आम जनता से सुझाव मांगे हैं और कहा है कि सरकार को प्राथमिकता छात्रों का समग्र विकास और सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करना है। ड्राफ्ट नियमों के अनुसार, मान्यता प्राप्त स्कूल या जूनियर कॉलेज के निर्धारित समय के दौरान कोचिंग कक्षाएं नहीं चलेंगी और नियमित स्कूल/जूनियर कॉलेज में नामांकित छात्र उसी समय में कोचिंग नहीं कर सकेंगे। कोचिंग की अधिकतम अवधि 5 घंटे प्रतिदिन तय की गई है, जिसके साथ रविवार को अनिवार्य रूप से अवकाश रहेगा। साप्ताहिक टेस्ट इस तरह आयोजित किए जाएं कि छुट्टियों के आसपास अतिरिक्त तनाव न बने। छात्रों के अंक और रैंक सार्वजनिक करने पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही सार्वजनिक रूप से छात्र की रैंक, अंक या नाम नोटिस बोर्ड या वेबसाइट पर प्रदर्शित नहीं किए जा सकेंगे।

बिहार राजनीति को मिलेगा नया चेहरा

सीएम नीतीश के बेटे निशांत को राज्य सभा के लिए मिली हरी झंडी

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार की धरती से राजनीति में नया चेहरा सामने आ रहा है। सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार की राजनीति में एंट्री तय हो गई है। सूत्रों की माने तो बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने बेटे को राजनीति में एंट्री के लिए हरी झंडी दे दी है। राज्यसभा के लिए जदयू के तरफ से नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार और रामनाथ ठाकुर करीब-करीब तय हो गए हैं। भाजपा के दो नाम की घोषणा होना अभी बाकी है। दरअसल, बिहार विधान सभा से समय से ही निशांत कुमार की राजनीति में एंट्री की चर्चा चल रही थी। निशांत सक्रिय रूप से पिता यानी सीएम नीतीश कुमार के साथ जुटे दिखाई पड़ रहे थे। अब बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री सह परिवहन मंत्री श्रवण कुमार ने इसकी पुष्टि की है। कहा कि निशांत कुमार जल्द निशांत कुमार एक बड़ी जिम्मेदारी संभालेंगे। खुशी जाहिर करते हुए श्रवण कुमार ने कहा कि युवाओं की लंबे समय से मांग रही है कि निशांत सक्रिय राजनीति में आएं और समाज के बीच सक्रिय भूमिका निभाएं।

छ.ग. गृह निर्माण मण्डल, वृत्त जगदलपुर

प्रथम निविदा आमंत्रण क्रमांक 45

छ.ग. गृह निर्माण मण्डल, प्रक्षेत्र/वृत्त जगदलपुर के अधीनस्थ संभाग जगदलपुर के कार्यालय भवन का मरम्मत कार्य हेतु मेनुअल निविदा एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। विस्तृत निविदा आमंत्रण की जानकारी हेतु कार्यालय- छ.ग.गृह निर्माण मण्डल, संभाग जगदलपुर में उपस्थित होकर एवं कार्यपालन अभियंता संभाग जगदलपुर मो.नं. 8965051588 पर संपर्क जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

S-47082/1 उपायुक्त

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

शुद्धिपत्र-4

ई-निविदा सूचना संख्याः 100- एस एन टी- परियोजना-निविदा- 2026, दिनांकः 20.12.2025

शुद्धिपत्र- 4: उपरोक्त निविदा संख्या में शुद्धि पत्र- 4 **दिनांक** 27.02.2026 को जारी किया गया है। निविदा खुलने के दिनांक में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

विस्तृत जानकारी/ निविदा दस्तावेज का विक्रय, पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु हमारी वेबसाइट https://www.ireps.gov.in. पर उपलब्ध है, उससे देख सकते हैं।

उप मुख्य सि. एवं दूर. इंजी.(परियोजना-।।)
सीपीआर/10/732 द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

उड़ते प्लेन में पायलट सीट पर सोते दिखे वीएसआर वेंचर्स के मालिक

जय पवार ने पोस्ट किया वीडियो मचा हड़कंप

एजेंसी ▶▶ मुंबई

दिवंगत अजित पवार के बेटे जय पवार ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट में एक वीडियो शेयर किया है। इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए इस भावुक पोस्ट ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। इस पोस्ट में विमान पट्टे पर देने वाली कंपनी वीएसआर के रोहित सिंह को विमान के उड़ान भरते समय पायलट की सीट पर सोते हुए दिखाया गया है। जय पवार ने इस दृश्य को गंभीर और चौंकाने वाला बताते हुए विमानन अधिकारियों से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की और डीजीसीए से कड़ी जांच शुरू करने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने हाल ही में हुए विमान दुर्घटना के संबंध में विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की जारी प्रारंभिक रिपोर्ट पर सवाल उठाए हैं।

जय पवार बोले- जवाब पाने का अधिकार

जय पवार ने लिखा, 'मैंने एएआईबी द्वारा जांच की गई प्रारंभिक रिपोर्ट पढ़ी है। यह देखकर मुझे गहरा अफसोस और पीड़ा हुई है कि यह रिपोर्ट पूरी तरह से और विस्तार से तैयार नहीं की गई है। महाराष्ट्र के लोगों के साथ-साथ इस दुर्घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले सभी परिवारों को न केवल औपचारिक जानकारी, बल्कि सच्चाई, पारदर्शिता और व्यापक जवाब पाने का अधिकार है।'

28 जनवरी को महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवारका निधन हो गया था। जय पवार, अजित पवार के छोटे बेटे हैं। उन्होंने वीएसआर वेंचर्स के खिलाफ सुरक्षा में चूक साबित होने पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में, पवार ने प्रारंभिक निष्कर्षों पर असंतोष व्यक्त किया और पारदर्शिता और व्यापक जवाबों की मांग की। जय पवार के बाद इस वीडियो को अजित पवार के बड़े बेटे पार्थ पवार ने भी शेयर किया।

जय पवार ने वीएसआर वेंचर्स के खिलाफ नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा की गई कार्रवाई पर भी चिंता व्यक्त की और सुझाव दिया कि कमियां कुछ विमानों तक सीमित नहीं हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि जिन मुद्दों के आधार पर डीजीसीए ने वीएसआर वेंचर्स के कुछ विमानों को उड़ान भरने से रोक दिया है, हम इस संभावना से इनकार नहीं कर सकते कि इसी तरह की कमियां अन्य विमानों में भी मौजूद हो सकती हैं। यदि सुरक्षा संबंधी नियमों और प्रक्रियाओं में गंभीर चूक पाई जाती है, तो कुछ विमानों तक सीमित कार्रवाई करने के बजाय। पूरे वीएसआर बेड़े के संबंध में सख्त निर्णय लेना आवश्यक है। यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए, डीजीसीए को आवश्यकता पड़ने पर वीएसआर के पूरे विमान बेड़े के संचालन को पूरी तरह से निलंबित करने पर भी विचार करना चाहिए।

राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा, छत्तीसगढ़

द्वितीय तल, एकीकृत शिक्षा भवन, पेंशनबाड़ा, रायपुर

टेलीफोन नं. 0771-2445052 Email-mis.head@gmail.com

Request for Tender (RFT) की सूचना

पीएम श्री योजना अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य के पीएम श्री विद्यालयों में GREEN BOARD. Abacus Learning For I To V, Jadui Pitara क्रय किये जाने हेतु ऑनलाईन RFT आमंत्रित की जाती है। समस्त विवरण Govt. E Market Place (GeM) की वेबसाईट https://gem.gov.in में उपलब्ध है।

क्र.	निविदा का नाम	अंतिम तिथि
1	Green Board (GEM/2026/B/7225108)	13.03.2026
2	Abacus Learning For I To V (GEM/2026/B/7230574)	13.03.2026
3	Jadui Pitara (GEM/2026/B/7220407)	13.03.2026

निविदा संबंधी किसी भी प्रकार की अद्यतन जानकारी के लिए जेम पोर्टल का निरंतर अवलोकन करें।

(आयुक्त महोदया द्वारा अनुमोदित)

उप संचालक
समग्र शिक्षा
छत्तीसगढ़, रायपुर

S-47076/2

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION CO. LTD.
(A SUCCESSOR COMPANY OF CSEB) (A GOVT. OF CHHATTISGARH UNDERTAKING) (CIN - U40108CT2003SGC015820)
OFFICE OF CHIEF ENGINEER (CIVIL) Shed No.5, Dangania, Raipur (CG)- 492013
Phone No. : 0771-2574581 e-mail :ceciviltrans.raipur@cspc.co.in
Fax No. : 0771-2574146 Website : www.cspc.co.in

No.-04-01/Trans./Works/5372 **Raipur, dtd.26.02.2026**

E-TENDER NOTICE

Online bids are invited from eligible/experienced contractors for following works:-

1. Tender Spn.No.-04-01/C-Trans./W/25-26/128, Rfx No.- 8100048534, Construction of new 2.40 m high boundary wall along with 01 No. steel main gate at 132/33 KV S/s Nawagarh.; **NIT Value:-** Rs. 54.99 Lakhs **EMD:-** Rs 55,000/, **Completion Period:-** 06 Months.

Cost per tender document to be submitted online for tender at **Sl. No.- 01 is Rs.5000/- (i/c GST).** Last date for submission of bids upto 12:15 Hrs. on **dt. 01.04.2026 for Sl. No.- 01.** The tender document can be viewed and downloaded online from our e-bidding portal https://ebidding.cspcl.co.in:50724/irj/portal.

(Sanjay Tiwari)
Chief Engineer (Civil)
CSPTCL, Raipur

//Save Electricity//

न्यायालय तहसीलदार धमतरी, जिला-धमतरी (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्रं. 202602130700135 ब-121
वर्ष 2025-26
ग्राम-पो.आ. वार्ड धमतरी
तहसील व जिला धमतरी

सर्वसाधारण आम जनता ग्राम पो.आ. वार्ड धमतरी को सूचित किया जाता है कि आवेदक हरीश चौबे पिता स्व. भरतलाल चौबे निवासी पो.आ. वार्ड धमतरी तहसील व जिला धमतरी के द्वारा अपने पुत्री संस्कृति चौबे के हेतु केंद्र सरकार के अंतर्गत लोक पदों एवं सेवाओ में नियुक्ति हेतु/शैक्षणिक संस्थाओ में प्रवेश प्राप्त करने हेतु आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए निर्धारित 10 प्रतिशत आरक्षण का लाभ प्राप्त करने हेतु भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रारूप में आय एवं सम्पत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन प्राप्त हुआ है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति/उजर दावा पेश करना हो तो वह दिनांक 09/03/2026 तक इस न्यायालय में न्यायालयीन समय पर उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। नियत समयावधि पश्चात् प्राप्त आपत्ति/उजर दावा पर किसी प्रकार से कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 24/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा के साथ जारी किया गया।

सील तहसीलदार
धमतरी (छ.ग.)

संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें छत्तीसगढ़

स्वास्थ्य भवन, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, अटल नगर, नवा रायपुर

क्रमांक / ESTB-101(3)/30/2026-DHS नवा रायपुर, अटल नगर दिनांक/ /2026

: सूचना पत्र :

संचालनालय का पत्र क्रमांक/ ESTB-101(3)/30/2026-DHSदिनांक 04.02.2026 के द्वारा छत्तीसगढ़ शासन, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग मंत्रालय का आदेश क्रमांक एफ 1-67/2021/ सत्रह/ एक, दिनांक 07.12.2021 एवं आदेश दिनांक 03.02.2023 के द्वारा कोरोना वैश्विक महामारी के 10 बोनस अंक एवं भर्ती के संबंध में प्रकाशित संभावित समय-सारणी एवं संचालनालय के आदेश दिनांक 13.01.2026 के द्वारा कोविड बोनस अंक दिये जाने के संबंध में गठित समिति के द्वारा स्टाफ नर्स, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक पुरुष/ महिला, वार्ड ब्वॉय, वार्ड आया का कोविड-19 के संबंध में प्राप्त दावा आपत्ति का सत्यापन व परीक्षण उपरांत समस्त संभागीय संयुक्त संचालक, स्वास्थ्य सेवायें से प्राप्त सूची का संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें के द्वारा गठित समिति के द्वारा परीक्षण/ समीक्षा (स्क्रूटनी) कर, कोविड- 19 बोनस अंक प्रदाय करने के पश्चात दावा आपत्ति हेतु अन्तिम मेरिट सूची कर, विभागीय वेबसाईट www.cghealth.nic.in में अपलोड किया गया है। अंतिम मेरिट सूची में दावा आपत्ति किये जाने हेतु दिनांक 05.03.2026 से 17.03.2026 तक केवल स्पीड पोस्ट के माध्यम से संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें, स्वास्थ्य भवन, सेक्टर - 19, नवा रायपुर अटल नगर में किये जायेंगे।

टीपः- अंतिम मेरिट सूची के संबंध में दावा आपत्ति हेतु आवेदन पत्र दिनांक 17.03.2026 तक केवल स्पीड पोस्ट के माध्यम से स्वीकार किये जायेंगे।

संयुक्त संचालक (अविज्ञप्त/ नर्सिंग)
संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें
छत्तीसगढ़

G-

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSTION COMPANY LIMITED
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking)

No.02-16/CE(S&P)/TR-25/S&P/46/1693 **Raipur, Dtd. 02.03.2026**

E-BIDDING TENDER NOTICE

Online bids are invited by the undersigned through CSTCL e-bidding system (SAP SRM) from experienced manufacturers/eligible bidders for Supply of following material-

S.N.	Tender no. /Rfx No.	Description	Due Date & time
1.	TR- 25/S&P/46 RFx No- 8100049614	Procurement of Leaky Insulator Detector	23.03.2026 Upto 15:00 Hrs

The details of NIT can be viewed from our website www.cspc.co.in and the Tender Documents can be viewed and downloaded online from our e-bidding portal:–https://ebidding.cspcl.co.in:50724/irj/portal Any amendment/corrigendum, if required, will be displayed on our website only.

Chief Engineer (S&P)
CSPTCL : Raipur

"SAVE ELECTRICITY"

कार्यालय नगरपालिका परिषद् दन्तेवाड़ा, जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

क्रमांक / 1917 /नि.आ.सू. / न.पा.परि. / 2025-26 दन्तेवाड़ा, दिनॉकः 02/03/2026

ई-टेण्डर निविदा आमंत्रण सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्म / ठेकेदारों / एजेंसी / कंपनी से निम्नलिखित कार्य हेतु नगरपालिका परिषद, दंतेवाड़ा द्वारा ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है।

सिस्टम ई-टेण्डर नं.	कार्य का विवरण	अनु. लागत राशि (लाख में)	निविदा डाउनलोड एवं अपलोड करने की अंतिम तिथि
1	2	3	4
186693	वार्ड क्र. 06 में प्रधान सर के घर के सामने वाले रोड़ सी.सी. सड़क निर्माण कार्य।	11.02	24.03.2026
186694	वार्ड क्र. 10 ट्रांजिस्ट हॉस्टल के पीछे राजेश कुमार गुप्ता के मकान से रूकमणी के मकान होते हुए कविता देवनाथ के घर के सामने तक सी.सी. सड़क निर्माण कार्य।	11.82	
186695	वार्ड क्र. 07 में श्रीमती अनीता ठाकुर से पटेल घर तक सी.सी. सड़क निर्माण कार्य।	4.53	
186696	वार्ड क्र 12 में स्टेट बैंक के निचे से मेन रोड़ से संध्या के घर तक नाली निर्माण सहित डामरीकरण कार्य।	9.68	

2. उपरोक्त निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाइट http://uad.cg.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद दन्तेवाड़ा
जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाडा (छ.ग.)

राशिफल

मेष — आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवन साथी के स्वास्थ का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें।

वृष — धैर्यशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव की सम्भावना बन रही है। परिश्रम अधिक रहेगा।

मिथुन — मन प्रसन्न रहेगा। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

सिंह — नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। लंबे समय से चली आ रही समस्याएं खत्म होंगी।

कन्या — शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। शैक्षिक कार्यों के लिए भी विदेश जा सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग बन रहे हैं।

तुला — जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। भागदौड़ भी अधिक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा, परन्तु पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। खर्च बढ़ेंगे।

धनु — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। कारोबार में उतार-चढ़ाव रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की चिंताओं पर नियंत्रण बनाकर रखें।

मकर — शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आय में वृद्धि भी होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

कुंभ — भागदौड़ अधिक रहेगी। परन्तु किसी मित्र के सहयोग से आय के साधन बन सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सफलता के भी योग हैं।

मीन — मन में उतार-चढ़ाव हो सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। भाग-दौड़ भी अधिक रहेगी।

विवाद : पाकिस्तान में ऐतिहासिक गुरुद्वारा बेचा

लुधियाना। पाकिस्तान में सिखों व हिंदुओं के धार्मिक स्थलों को लगातार नुकसान पहुंचाया जा रहा है। हाल ही में पाकिस्तान के एबटाबाद शहर से गुरुद्वारा साहिब की इमारत गिराने और जमीन बेचने का मामला सामने आया है। खालसा वोक्स की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के एबटाबाद में ऐतिहासिक गुरुद्वारे को इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड के एक अधिकारी ने एक करोड़ पाकिस्तानी रुपए की रिश्वत लेकर बेच दिया है। यही नहीं, अधिकारी ने गुरुद्वारा साहिब को गिराने की अनुमति भी दे दी। अब इसका खरीदार यहां अपनी पत्नियों के लिए बुटीक बनवा रहा है। बता दें कि पाकिस्तान में ईटीपीबी अल्पसंख्यक समुदायों के गुरुद्वारों, मंदिरों और अन्य पूजा स्थलों के रखरखाव के लिए जिम्मेदार संस्था है।

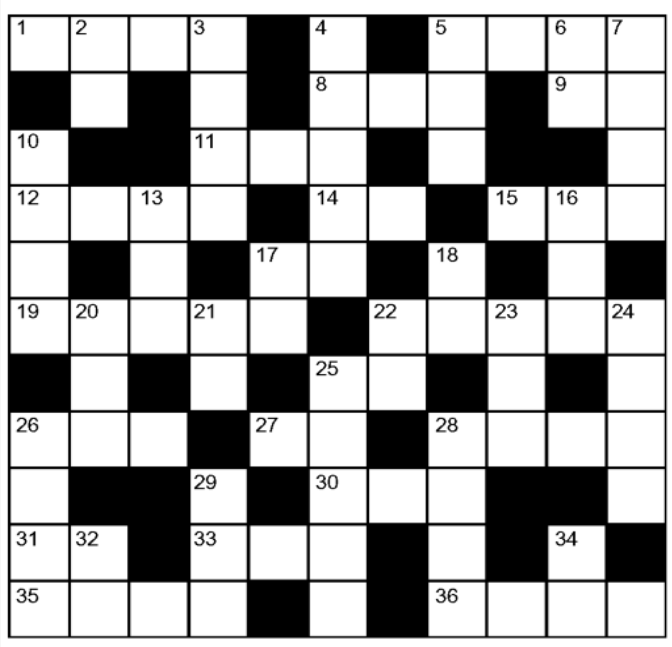

शब्द पहेली - 6156

बाएँ से दाए-
1.फिसलना-4
5.गुनाह,जुर्म-4
8.नाव चलानेवाला-3
9.लड़ी,श्रंखला -2
11.ईर्ष्या,डाह-3
12.उद्देश्य,वजह-4
14.भोजन-2
15.थकावट-3
17.जी,चित-2
19.मंत्र पढ़ना-2,3
22.राजपुत्र,राज कुंवर-2,3
25.यात्रा करनेवाला-2
26.समझौता,संधि-3
27.ईसाई साध्वी-2
28.मनमुटाव-4
30.नौकर-3
31.बदला-2
33.गर्भ,कोख-3
35.रुआफ-4
36.सज्जनता-4

ऊपर से नीचे
2.लम्हा,क्षण-2
3.नामित,मनोनीत-4
4.रनिवास,हरम-5
5.बुद्धि-3
6.गोंद,लाख-2
7.हृदयगति,स्पंदन- 4
10.विम्मी व सुनील दत्त की फिल्म-4
13.शिक्षा,पाठ-3
16.कालिख,कालापन-3
17.इंकार,मनाही-2
18.झंडा,पताका-2
20.चौकसी, रखवाली-3
21.मोटा आटा, सूजी -2
22.निशा,रात-2
23.अच्छे कुल का-3
24.प्रस्थान,विदा-4
25.यान चलाने वाला-2,3
26.सुंदरी,षोडशी, कुमारी-4
28.प्रार्थना,मनोकामना-4
29.गरल,विष-3
32.ताला (अंग्रेजी-2)
34.पात्र,थापा,संचक, डाई -2

शब्द पहेली -6155 का हल

सूडोकु नवताल - 6166

★★★★★ कठिनतम

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6165 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

खबर संक्षेप

सुनील मित्तल को जीएसएमए लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान

नई दिल्ली। वैश्विक दूरसंचार उद्योग निकाय जीएसएमए ने भारती एंटरप्राइज के संस्थापक और चेयरमैन सुनील भारती मित्तल को प्रतिष्ठित 'लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार से सम्मानित किया है। भारती एयरटेल ने सोमवार को बताया कि मित्तल को यह सम्मान वैश्विक दूरसंचार परिदृश्य को नया स्वरूप देने और दुनिया भर में परिचालकों, सरकारों, व्यवसायों और अरबों उपभोक्ताओं के बीच संपर्क के विस्तार में उनके योगदान के लिए दिया गया है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 19.4 अरब डॉलर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार मूल्यांकन प्रभाव सहित बाजार मूल्य पर अप्रैल-दिसंबर 2025 के दौरान 19.4 अरब डॉलर बढ़ गया, जबकि अप्रैल-दिसंबर 2024 में 10.7 अरब डॉलर की कमी हुई थी। भुगतान संतुलन के आधार पर, मूल्यांकन प्रभावों को छोड़कर, अप्रैल-दिसंबर 2025 के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार में 30.8 अरब डॉलर की कमी आई, जबकि अप्रैल-दिसंबर 2024 के दौरान 13.8 अरब डॉलर की कमी हुई थी।

निसान मोटर इंडिया की बिक्री 23 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। निसान मोटर इंडिया की बिक्री फरवरी में पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 23 प्रतिशत बढ़कर 10,565 इकाई हो गई। फरवरी, 2025 में कंपनी ने 8,567 वाहन बेचे थे। निसान मोटर इंडिया ने बयान में कहा कि पिछले महीने उसकी घरेलू थोक बिक्री 2,230 इकाई रही, जबकि निर्यात बढ़कर 8,335 इकाई हो गया। निसान मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक, सौरभ वत्स ने कहा, 'फरवरी भारत में निसान के लिए एक महत्वपूर्ण महीना रहा है। यह हमारे एकीकृत प्रदर्शन, स्थिर अंतर्निहित मांग और निर्यात में निरंतर ताकत को दर्शाता है।'

ब्रिटानिया को 6.37 करोड़ का जीएसटी मांग नोटिस

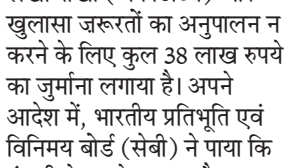

नई दिल्ली। ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज को 6.37 करोड़ रुपये का माल एवं सेवा कर (जीएसटी) मांग का नोटिस जारी किया है। कंपनी ने कहा कि वह इस आदेश के खिलाफ उपलब्ध कानूनी विकल्पों पर विचार कर रही है। कंपनी ने शेयर को दी जानकारी में बताया कि यह आदेश केंद्रीय माल एवं सेवा कर (सीजीएसटी) और केंद्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, ठाणे कार्यालय की ओर से जारी किया गया है। यह मामला वित्त वर्ष 2020-21 से 2023-24 के बीच का है।

सेबी ने कॉफी डे पर लगाया 38 लाख रुपए का जुर्माना

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने कॉफी डे एंटरप्राइजेज लिमिटेड और उसके कई अधिकारियों पर वित्तीय विवरण तैयार करते समय ज़रूरी वित्तीय लेखाजोखा (अकाउंटिंग) और खुलासा ज़रूरतों का अनुपालन न करने के लिए कुल 38 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। अपने आदेश में, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने पाया कि कंपनी ने अपने एकल और एकीकृत वित्तीय विवरण, साथ ही तिमाही वित्तीय परिणाम तैयार करने और पेश करने में भारतीय वित्तीय लेखाजोखा मानकों का पालन नहीं किया।

हमले में बुर्ज खलीफा को हुआ नुकसान तो मिलेंगे 150 करोड़ रुपए?

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और सऊदी अरब तथा दुबई में कई जगह हमलों के बाद एक चर्चा छिड़ गई है। वो ये है कि क्या दुबई की पहचान बन चुकी दुनिया की सबसे ऊंची इमारत कहलाने वाली बुर्ज खलीफा को कुछ होता है तो क्या होगा। क्या बुर्ज खलीफा बर्बाद हो गया तो इसका हर्जाना मिलेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बुर्ज खलीफा बिल्डिंग का भारी भरकम इंश्योरेंस है। इस बिल्डिंग का बीमा इसके डेवलपर एमार प्रॉपर्टी की ओर से ओमान इंश्योरेंस से कराया हुआ है। इस इंश्योरेंस की रकम भी कोई छोटी-मोटी नहीं बल्कि 1,50,00,00,000 रुपए (करीब 150 करोड़ रुपए) है। अब सवाल है कि अगर बुर्ज खलीफा पर हमला होता है तो क्या ये इंश्योरेंस मिलेगा।

बुर्ज खलीफा के लिए एमार प्रापर्टी ने ओमान कंपनी से कराया है इंश्योरेंस

बुर्ज खलीफा के पास कैसा इंश्योरेंस

दरअसल, बुर्ज खलीफा जैसी मेगा-इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का बीमा कवर आम इमारतों से बिल्कुल अलग होता है। एमार डेवलपर की ओर से कराए गए इंश्योरेंस में प्रॉपर्टी इंश्योरेंस, कंस्ट्रक्शन रिस्क और राजनीतिक हिंसा जैसे कवर शामिल हो सकते है। ऐसे में अगर बुर्ज खलीफा को कोई नुकसान होता है तो इंश्योरेंस कंपनी को इसका भुगतान करना होगा। अब सवाल है कि इस तरह के हमलों से हुए नुकसान में क्या क्लेम मिलता है। दरअसल बीमा पॉलिसियों में कई बार एक निश्चित राशि तक का कवर किसी विशेष श्रेणी के नुकसान के लिए निर्धारित होता है और यह रकम पूरी इमारत की कीमत नहीं होती, बल्कि किसी विशेष नुकसान, सेक्शन या कवरेज लिमिट से जुड़ी हो सकती है।

ऐसे तय होता है कितना मिलेगा इंश्योरेंस

जानकारों के मुताबिक इंश्योरेंस अलग-अलग तरह की होती है। आतंकवादी हमला या दंगा जैसे मामलों के लिए अलग सीमा तय होती है। वहीं फुल स्केल वार से होने वाले नुकसान को कई बार स्टैंडर्ड पॉलिसी में शामिल नहीं किया जाता या अलग प्रीमियम पर कवर किया जाता है। बीमा क्लेम का भुगतान पॉलिसी की शर्तों, अपवादों और वास्तविक नुकसान के आकलन पर निर्भर करता है।

क्या सीधे मिल जाएगी पूरी रकम?

कोई भी इंश्योरेंस क्लेम हमेशा वास्तविक नुकसान के आधार पर तय होता है। अगर नुकसान सीमित है, तो भुगतान भी उसी अनुपात में होता है। साथ ही, कई मामलों में डिडक्टिबल और एक्सक्लूज़न क्लॉज लागू होते हैं। बुर्ज खलीफा के केस में देखा जाए तो इसका इंश्योरेंस अलग तरह का होता है। क्योंकि यहां कि संरचना थोड़ी अलग है। वही इसमें कई सारे होटल, ऑफिस और निजी बिल्डिंग्स भी है जिसका बीमा उनके मालिकों की ओर से अलग से होता है। बीमा पॉलिसी एक सीमा से जुड़ी हो सकती है, लेकिन पूरी रकम मिलना नुकसान की प्रकृति, पॉलिसी की शर्तों और जांच पर निर्भर करेगा।

सेबी प्रमुख पांडेय ने कहा, सट्टेबाजी गतिविधियों को लेकर सतर्क

वायदा खंड में कोई समस्या नहीं, कम अवधि वाले विकल्प कारोबार को लेकर चिंता जरूर

एजेंसी ▶▶| मुंबई

सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने कहा है कि नियामक को डेरिवेटिव (वायदा एवं विकल्प) बाजार के वायदा खंड को लेकर कोई चिंता नहीं है, लेकिन कम समय के सौदे वाले विकल्प कारोबार में सट्टेबाजी की गतिविधियों को लेकर वह सतर्क है। पांडेय ने कहा कि नियामक के हाल में किये गये गये हस्तक्षेप विशेष रूप से अल्पावधि वाले विकल्प कारोबार में अत्यधिक गतविधियों पर अंकुश लगाने पर केंद्रित रहे हैं।

अल्पाअवधि वाले कारोबार में अत्यधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने पर ध्यान

साथ ही मूल्य निर्धारण और नकदी में वायदा और विकल्प की महत्वपूर्ण भूमिका को भी संरक्षित किया जा रहा है।

नियामक को बाजार के वायदा खंड को लेकर कोई चिंता नहीं

खुदरा निवेशकों के लिए अत्यधिक जोखिम भरे

अल्पावधि के विकल्प कारोबार ऐसे डेरिवेटिव हैं जो या तो उसी दिन या कुछ दिन के भीतर समाप्त हो जाते हैं। ये सस्ते होते हैं और कम राशि (प्रीमियम) से ही बड़ा 'पोजिशन' प्रदान करते हैं। इससे कारोबारी बहुत ही अल्पकालिक बाजार उतार-चढ़ाव पर दांव लगा सकते हैं या उनसे बचाव कर सकते हैं। हालांकि, ये अत्यधिक अस्थिर होते हैं और बहुत तेजी से अपना मूल्य खो देते हैं, जिससे ये खुदरा निवेशकों के लिए अत्यधिक जोखिम भरे हो जाते हैं।

प्रभाव का विश्लेषण करना जारी रहेगा

सेबी प्रमुख ने कहा कि वायदा बाजार और व्यापक डेरिवेटिव खंड मूल्य निर्धारण और तरलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा, ''यह बेहतर है कि हम उन समस्याग्रस्त क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करें जिनकी पहचान स्वयं सेबी ने की है और आंकड़े भी जारी किये गये हैं। हमने वैधानिक चेतावनी जारी की है, उपाय लागू किए हैं और उनके प्रभाव का विश्लेषण करना जारी रखेंगे...।''

भारत के पूंजी बाजार की सेहत कमजोर कर सकते हैं

इससे पहले जुलाई में, सेबी ने अति-अल्पावधि डेरिवेटिव ट्रेडिंग के बढ़ते प्रभाव पर भी चिंता व्यक्त की थी और चेतावनी दी थी कि इस तरह का रुख भारत के पूंजी बाजारों की सेहत को कमजोर कर सकते हैं। निम्न आय वर्ग के लोगों को डेरिवेटिव कारोबार से बाहर रखने के सुझावों पर प्रतिक्रिया देते हुए, सेबी प्रमुख ने कहा कि नियामक को विभिन्न पक्षों से कई सिफारिशें प्राप्त होती हैं।

न्यूनतम योग्यता मानदंड की वकालत

पांडेय ने प्रस्ताव पर तत्काल कोई कदम उठाने का संकेत दिए बिना कहा, ''हर कोई सुझाव दे सकता है। हमें ईमेल और सोशल मीडिया के माध्यम से कई सुझाव मिलते हैं।''

90 फीसदी डेरिवेटिव कारोबार में पैसा गंवा रहे

सेबी की एक रिपोर्ट के अनुसार, 90 प्रतिशत से अधिक कारोबारी डेरिवेटिव कारोबार में पैसा गंवा देते हैं। एनएसई के बहुप्रतीक्षित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के संबंध में, सेबी प्रमुख ने कहा कि अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) लंबे समय से लंबित था। इसका मतलब है कि अब शेयर बाजार को तैयारी शुरू करने की अनुमति मिल गई है।

मिडिल ईस्ट संकट का भारत पर पड़ेगा नकारात्मक असर

फिच ग्रुप की इकाई बीएमआई ने जारी की रिपोर्ट जारी संघर्ष निवेश को प्रभावित कर सकता है

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

फिच ग्रुप की इकाई बीएमआई ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष भारत में निवेश को प्रभावित कर सकता है और यूरोपीय संघ एवं अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौतों से मिलने वाले सकारात्मक प्रभाव को कुछ हद तक संतुलित कर सकता है।

बीएमआई ने अपनी 'इंडिया आउटलुक' रिपोर्ट में कहा कि यदि ईरान संकट के कारण कच्चे तेल की कीमतों में 10 प्रतिशत की वृद्धि होती है तो इससे भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) पर लगभग 0.3 से 0.6 प्रतिशत अंक तक का नकारात्मक असर पड़ सकता है।

रिपोर्ट कहती है कि खासकर दक्षिण एशिया जैसे शुद्ध तेल आयातक देशों पर इस संकट का अधिक प्रभाव पड़ने का अनुमान है।हालांकि, शोध एवं विश्लेषण

इकाई बीएमआई ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान सात प्रतिशत पर बरकरार रखा है, जो चालू वित्त वर्ष के लिए अनुमानित 7.9 प्रतिशत वृद्धि से कम है। रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च से अनिश्चितता में तेज वृद्धि हो सकती है, क्योंकि पश्चिम एशिया संघर्ष से निवेश धारणा प्रभावित हो सकती है। रिपोर्ट कहती है, /"मार्च से अनिश्चितता में तेज बढ़ोतरी होने की आशंका है।

कीमतों में बढ़ोतरी से आयात बिल बढ़ेगा

भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का करीब 88 प्रतिशत आयात करता है। तेल कीमतों में बढ़ोतरी से आयात बिल बढ़ेगा और इंधन महंगाई पर दबाव पड़ेगा। भारत और अमेरिका ने पिछले महीने अंतरिम व्यापार समझौते की एक रूपरेखा पर सहमति जताई थी, जिसके तहत शुल्क को घटाकर 18 प्रतिशत किए जाने का प्रस्ताव है।

नौकरी जॉबस्पीक इंडेक्स ने व्हाइट-कॉलर नौकरियों पर जारी की रिपोर्ट

एआई और आईटी क्षेत्र में सुधार से नियुक्तियों में आया उछाल

एजेंसी ▶▶| मुंबई

कृत्रिम मेधा (एआई) को अपनाए जाने और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र में सुधार के चलते देश में दफ्तर में बैठकर काम करने वाले पेशेवरों (व्हाइट कॉलर) की नियुक्तियों में इस साल फरवरी में सालाना आधार पर 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

- फरवरी माह में नियुक्तियों में 12 फीसदी का आया उछाल

'नौकरी जॉबस्पीक इंडेक्स' के अनुसार, व्हाइट-कॉलर नौकरियों के बाजार ने हाल के वर्षों में फरवरी महीने का अपना सबसे शानदार प्रदर्शन किया है। इंडेक्स फरवरी, 2025 के 2,890 अंक के मुकाबले 12 प्रतिशत बढ़कर फरवरी, 2026 में 3,233 अंक पर पहुंच गया।

रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी की तुलना में फरवरी में नियुक्तियों की रफ्तार में 23 प्रतिशत की तेजी देखी गई, जो सामान्य तौर पर देखी जाने वाली 13-16 प्रतिशत की वृद्धि से काफी अधिक है। फरवरी में आईटी क्षेत्र में नियुक्तियों में सालाना आधार पर छह प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि इस क्षेत्र में नए लोगों (फ्रेशर्स) की भर्ती में आठ प्रतिशत का इजाफा हुआ। रिपोर्ट कहती है कि भारत स्थित बहुराष्ट्रीय आईटी कंपनियां इसकी मुख्य चालक रहीं, जहां नियुक्तियों में 55 प्रतिशत का उछाल देखा गया। आईटी क्षेत्र के भीतर एआई/'मशीन लर्निंग' से जुड़ी नियुक्तियों में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह दर्शाता है कि फरवरी का प्रदर्शन उच्च-कौशल और उच्च-मूल्य वाले प्रतिभा क्षेत्रों पर केंद्रित रहा।

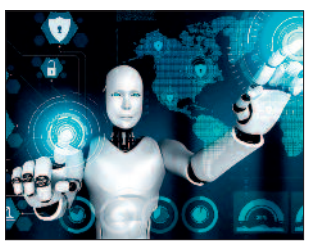

सालाना आधार पर 49 फीसदी का उछाल

बहुराष्ट्रीय कंपनियों (एमएनसी) ने अपनी नियुक्तियों में 24 प्रतिशत का विस्तार किया। आईटी (सूचना प्रौद्योगिकी) क्षेत्र में कृत्रिम मेधा (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) से जुड़ी भूमिकाओं में तेजी का रुख बना रहा और इसमें सालाना आधार पर 49 प्रतिशत की जोरदार वृद्धि दर्ज की गई।

एमएनसी एआई प्रतिभाओं पर निवेश कर रही

'नौकरी' के मुख्य कारोबार अधिकारी (सीबीओ) पवन गोयल ने कहा, /"आईटी क्षेत्र में नियुक्तियों में सार्थक सुधार हो रहा है और भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनियां एआई प्रतिभाओं पर निवेश कर रही हैं। नए वित्त वर्ष की ओर बढ़ते हुए यह सकारात्मक संकेत है।/"

मर्सिडीज-बेंज का वी-क्लास एमपीवी मॉडल पेश, कीमत 1.40 करोड़

मुंबई। जर्मनी की लक्जरी कार विनिर्माता कंपनी ''मर्सिडीज-बेंज इंडिया'' ने सोमवार को भारतीय बाजार में अपनी ''वी-क्लास'' लक्जरी एमपीवी (बहुउद्देश्यीय वाहन) पेश की है। इसकी कीमत 1.40 करोड़ रुपये है। वी क्लास एमपीवी को स्थानीय स्तर पर असेंबल किया गया है। यह मर्सिडीज बेंज इंडिया के चाकन विनिर्माण संयंत्र में उत्पादित कंपनी का 12वां मॉडल है। पुणे के चाकन संयंत्र की सालाना उत्पादन क्षमता 20,000 इकाई की है। कंपनी अगले वित्त वर्ष में अपनी वाहन बिक्री में वृद्धि की उम्मीद कर रही है, हालांकि यह दो अंक में नहीं हो सकती। कंपनी ने कहा कि कोविड-19 के बाद देश में लक्जरी एमपीवी खंड का बाजार बदल गया है।

मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संतोष अय्यर ने कहा, 'भारतीय आर्थिक आधार मजबूत है, इसलिए बिक्री में वृद्धि संभव है। लेकिन मैं इसे दो अंक में नहीं आंकता।' उन्होंने बताया कि कैलेंडर वर्ष 2025 में बिक्री स्थिर रही थी और इस वित्त वर्ष में भी स्थिति इसी तरह रहने की संभावना है।

जनवरी में कीमत बढ़ा दी गई थी

अय्यर ने कहा कि मार्च इस तिमाही का सबसे महत्वपूर्ण महीना है और बिक्री के नतीजे इसी पर निर्भर करेंगे। उन्होंने कहा कि जनवरी में कीमत बढ़ा दी गई थी और अप्रैल में दूसरी बढ़ोतरी होगी, जो बिक्री पर थोड़ा असर डाल सकती है।

दो हजार के 98.44 प्रतिशत नोट वापस आए : आरबीआई

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा है कि 2,000 रुपये के 98.44 प्रतिशत नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस आ चुके हैं। आरबीआई ने 19 मई, 2023 को 2,000 रुपये के नोटों को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी।

- आरबीआई ने 19 मई 2023 को वापस लेने की घोषणा की थी

आरबीआई के जारी बयान के अनुसार, 19 मई, 2023 को जब यह घोषणा की गई थी, तब बाजार में 2,000 रुपये के नोटों का कुल मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपये था। 28 फरवरी, 2026 को कारोबार बंद होने तक यह घटकर 5,551 करोड़ रुपये रह गया। रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों (आरबीआई निर्गम कार्यालय) में 19 मई, 2023 से 2000 रुपये के नोट बदलने की सुविधा उपलब्ध है। नौ अक्टूबर, 2023 से आरबीआई के निर्गम कार्यालय व्यक्तियों और संस्थाओं से 2,000 रुपये के नोट उनके बैंक खातों में जमा करने के लिए भी स्वीकार कर रहे हैं।

ओला की इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल की दिशा में एक नई शुरुआत

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन विनिर्माता ओला इलेक्ट्रिक ने मंगलवार को 'होली महोत्सव' की घोषणा करते हुए अपनी इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल खंड की नई शुरुआती कीमतों का ऐलान किया। कंपनी ने कहा कि यह भारत में इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल की दिशा में एक नई शुरुआत है। 'होली' के अवसर पर कंपनी ने बताया कि उसकी रोडस्टर मोटरसाइकिल श्रृंखला अब 79,999 रुपये की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध होगी। कंपनी के अनुसार, इस नई कीमत के साथ इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलें अब शुरुआती स्तर की पेट्रोल मोटरसाइकिलों के बराबर आ गई हैं। कंपनी की रोडस्टर एक्स श्रृंखला 2.5 किलोवाट-घंटा, 3.5 किलोवाट-घंटा और 4.5 किलोवाट-घंटा बैटरी विकल्पों में उपलब्ध है।

बिजनेस साइट

अष्टविनायक शांतिकुंज सिटी छछानपैरी में रंगों से सजा भव्य होली मिलन समारोह

रायपुर। अष्टविनायक रियल्टीज द्वारा आज अपनी पूरी टीम के साथ अष्टविनायक शांतिकुंज सिटी में भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लगभग 500 से अधिक सहयोगियों एवं टीम सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर कार्यक्रम को यादगार बना दिया। कार्यक्रम के दौरान रंग, गुलाल, संगीत और आपसी सौहार्द का अद्भुत संगम देखने को मिला। पूरा परिसर रंगों से सराबोर नजर आया। उपस्थित सभी सदस्यों ने प्रेम, भाईचारे और एकता के रंगों के साथ होली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया। पारंपरिक गीत-संगीत और उत्साहपूर्ण माहौल ने सभी का मन मोह लिया। अष्टविनायक रियल्टीज परिवार के सीएमडी संतोष लोहाना ने इस अवसर पर सभी मेंबर्स एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन आपसी संबंधों को मजबूत बनाने और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने आगे कहा कि कंपनी परिवार सदैव सकारात्मक ऊर्जा और एकजुटता के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

बार्सिलोना में चल रहे मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस 2026 इवेंट में पेश

शाओमी ने पेश की नई कॉन्सेप्ट कार, हवा में तैरती आएगी नजर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

चीन की दिग्गज कंपनी शाओमी ने बार्सिलोना में चल रहे मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस (एमडब्ल्यूसी) 2026 इवेंट में अपनी नई कॉन्सेप्ट सुपरकार विजन ग्रैन टूरिस्मो (वीजीटी) से पर्दा उठा दिया है। यह एक इलेक्ट्रिक हाइपरकार है। यह कार जितनी दिखने में शानदार है, इसकी टेक्नोलॉजी भी उतनी ही हैरान करने वाली है। यह कार सड़क पर चलती हुई नहीं, बल्कि हवा में तैरती हुई नजर आएगी। यह असल में एक डिजिटल सुपरकार है जिसे खास तौर पर ग्रैन टूरिस्मो वीडियो गेम के लिए डिजाइन किया गया है। कंपनियां इस प्रोग्राम का इस्तेमाल अपनी सबसे बेहतरीन डिजाइन और इंजीनियरिंग दिखाने के लिए करती हैं। इस कार की सबसे बड़ी खासियत इसके अनोखे पहिये हैं।

सबसे अलग डिजाइन

इस कार का डिजाइन काफी अलग है। आमतौर पर सुपरकारों में बड़े विंग्स या स्पॉइलर लगे होते हैं, लेकिन शाओमी की इस कार में ऐसा कुछ नहीं है। कार की बॉडी को इस तरह बनाया गया है कि हवा इसके अंदर से होकर गुजरती है और इसे जमीन से चिपकाए रखती है। इसके साथ ही कार के पीछे छोटे-छोटे छेद दिए गए हैं जो सेंसर की मदद से हवा फेंकते हैं और कार को बैलेंस रखते हैं। इसे इनविजिबल स्पॉइलर कहा जा रहा है।

पावर और टेक्नोलॉजी में बेमिसाल

जहां आज की ज्यादातर इलेक्ट्रिक कारें 400वॉट या 800वॉट तकनीक का इस्तेमाल करती हैं, शाओमी ने इसमें 900वॉट सिलिकॉन कार्बाइड प्लेटफॉर्म दिया है। इससे यह कार कम गर्म होगी और बहुत तेजी से चार्ज हो सकेगी। यह कार 1,900 हॉर्सपावर की पावर देती है, जो फरारी की विजन जीटी (1,337 एचपी) से भी कहीं ज्यादा है।

सोफा रेसर इंटीरियर

हाइपरकार की सीटें अक्सर बहुत सख्त होती हैं, लेकिन शाओमी ने इसे आरामदायक बनाने के लिए सोफा रेसर कॉन्सेप्ट दिया है। कार का इंटीरियर यानी अंदर का हिस्सा काफी शानदार और आरामदायक है। ड्राइवर की सीट और डैशबोर्ड एक साथ जुड़े हुए लगते हैं। इसमें स्पोर्ट्स फैशन इंडस्ट्री वाले खास कपड़ों का इस्तेमाल किया गया है।

वर्चुअल कॉन्सेप्ट

यह कार असल में सड़कों पर बेचने के लिए नहीं बनाई गई है। यह एक वर्चुअल कॉन्सेप्ट है जिसे फेमस गेम ग्रैन टूरिज्मो 7 में चलाया जा सकेगा। शाओमी दुनिया की पहली ऐसी टेक कंपनी बन गई है जिसने इस प्रोग्राम में हिस्सा लिया है। इससे पहले सिर्फ फेरारी, पोर्श और बीएमडब्ल्यू जैसी कंपनियों ने इसमें हिस्सा लिया है।

आईसीसी रैंकिंग : स्मृति का धमाका, फिर बनी नंबर-1 बल्लेबाज, हरमनप्रीत ने लगाई छलांग

एजेंसी ▶▶| दुबई

आईसीसी ने ताजा रैंकिंग का ऐलान कर दिया है। महिला क्रिकेट की ताजा आईसीसी रैंकिंग में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। टीम इंडिया की स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने एक बार फिर वनडे क्रिकेट में नंबर-1 की कुर्सी हासिल कर ली है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हालिया वनडे सीरीज में उनके लगातार प्रदर्शन का इनाम उन्हें आईसीसी वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान के रूप में मिला। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर (652) को रैंकिंग में फायदा मिला है। 53, 54 और 25 के स्कोर के साथ हरमनप्रीत कौर ने चार पायदान की छलांग लगाते हुए 9वां पायदान अपने नाम कर लिया है।

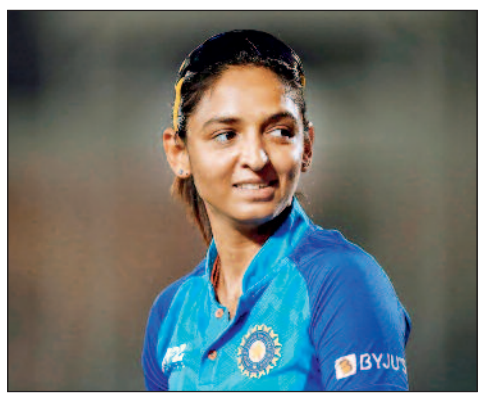

मंधाना ने वोल्वार्ड्ट को पीछे छोड़ा

मल्टी-फॉर्मेट सीरीज के तहत ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच खेले गए तीन वनडे मैचों के बाद ये ताजा रैंकिंग जारी की गई है, जिसमें मंधाना (790 रेटिंग पॉइंट) ने साउथ अफ्रीका की लॉरा वोल्वार्ड्ट को पीछे छोड़ते हुए नंबर-1 पोजिशन हासिल कर ली है। मंधाना ने सीरीज के दौरान 58 और 31 रनों की अहम पारियां खेलीं, जिसने उन्हें रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचा दिया। हालांकि, वोल्वार्ड्ट के पास मार्च-अप्रैल में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के दौरान फिर से नंबर-1 बनने का मौका रहेगा।

मूनी और हीली ने लगाई छलांग

ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी और एलिसा हीली को भी जबरदस्त फायदा हुआ है। टीम इंडिया के खिलाफ वनडे सीरीज के आखिरी मैच में शानदार शतक ठोकने के बाद दोनों बल्लेबाजों ने 2-2 पायदान की छलांग लगाई है। मूनी अब तीसरे जबकि इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट लेने के करीब पहुंची एलिसा हीली चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं। तीन मैचों की वनडे सीरीज हारने के बावजूद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर को रैंकिंग में फायदा हुआ। हरमनप्रीत 53, 54 और 25 रनों की पारियों के दम पर वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में 4 स्थान ऊपर चढ़कर नौवें नंबर पर पहुंच गईं।

दीप्ति को हुआ नुकसान

ऐश गार्डनर वनडे ऑलराउंडर रैंकिंग में नंबर-1 बनी हुई हैं और वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज दूसरे पायदान पर हैं। दोनों के बीच करीब 100 रेटिंग पॉइंट का अंतर हैं। ऐश गार्डनर की रेटिंग 516 है जबकि हेली मैथ्यूज की रेटिंग 418 है। एनाबेल सदरलैंड ने भी दो स्थान की छलांग लगाई है और अब वह तीसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। मारिजान कैप 2 स्थान के नुकसान के बाद चौथे स्थान पर खिसक गई हैं। भारत की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को भी एक स्थान का नुकसान हुआ है और अब वह 5वें पायदान पर खिसक गई हैं। ऑस्ट्रेलिया की अलाना किंग ने 4 स्थान की लंबी छलांग लगाते हुए 7वें स्थान पर कब्जा कर लिया है।

खबर संक्षेप

बिली जीन किंग कप के लिए भारतीय टीम में शामिल वैष्णवी

नई दिल्ली। युवा खिलाड़ी वैष्णवी अडकर को छह अप्रैल से यहां होने वाले बिली जीन किंग कप (बीजेकेसी) एशिया ओशिनिया ग्रुप एक टेनिस टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया। वैष्णवी ने हाल ही में बेंगलुरु में तब अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल की थी जब वह किसी डब्ल्यू100 टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाने वाली सानिया मिर्जा के बाद दूसरी महिला खिलाड़ी बनी थी। इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने 2024 में अहमदाबाद में डब्ल्यू15 का खिताब भी जीता था, जिससे उनकी लगातार प्रगति का पता चलता है। भारतीय टीम में वैष्णवी के अलावा रुतुजा भोसले, अंकिता रैना, सहजा यमलापल्ली और श्रीवल्ली भामिदिपति शामिल हैं। वैदेही चौधरी को रिजर्व नामित किया गया है।

भारत-इंग्लैंड सेमीफाइनल रोमांचक होगा: गावस्कर

बेंगलुरु। पूर्व बल्लेबाज सुनील गावस्कर को लगता है कि भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 विश्व कप का सेमीफाइनल मैच बेहद रोमांचक होगा, जिसमें बल्लेबाजी में लचीलापन और जसप्रीत बुमराह जैसे तेज गेंदबाज की मौजूदगी से भारतीय टीम थोड़ा फायदे में रहेगी। मौजूदा चैंपियन भारत गुरुवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड से भिड़ेगा। इससे पहले 2022 और 2024 में भी इन दोनों टीमों के बीच सेमाईफाइल खेला गया था। इंग्लैंड ने 2022 में एडिलेड में भारत को 10 विकेट से हराया, जबकि रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ने दो साल बाद वेस्टइंडीज के प्रोविडेंस में इसका बदला चुकता कर दिया था। गावस्कर ने कहा, ' दोनों टीम बहुत अच्छी हैं। उनके पास अच्छे बल्लेबाज और अच्छे गेंदबाज हैं।

डीपी वर्ल्ड सेलिब्रिटी गोल्फ में हिस्सा लेंगे सितारे

मुंबई। क्रिकेट विश्व कप विजेता युवराज सिंह और इयोन मॉर्गन, टेनिस के दिग्गज लिएंडर पेस और बैडमिंटन खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण जैसी खेल जगत की कई नामी हस्तियां शुक्रवार को होने वाली डीपी वर्ल्ड सेलिब्रिटी गोल्फ प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी, जो बल्लेबाजी के दिग्गज सुनील गावस्कर की एक चैरिटी पहल है। प्रतिष्ठित बॉम्बे प्रेसिडेंसी गोल्फ क्लब में होने वाली इस प्रतियोगिता का उद्देश्य गावस्कर के चैम्प्स फाउंडेशन के लिए जागरुकता पैदा करना है। यह फाउंडेशन वित्तीय कठिनाइयों और चिकित्सा संबंधी चुनौतियों का सामना कर रहे पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की मदद करता है। इस प्रतियोगिता में 100 से अधिक प्रतिभागी 18 होल वाले कोर्स में प्रतिस्पर्धा करेंगे। इस प्रतियोगिता में युवराज, जीआर विश्वनाथ, वेंकटेश प्रसाद, हरभजन सिंह, अजय जडेजा, पार्थिव पटेल, मुरली कार्तिक, एस बद्रीनाथ, मुरली विजय और निखिल चोपड़ा जैसे प्रमुख भारतीय क्रिकेटरों के साथ-साथ मॉर्गन, माइकल वॉन और डेविड लॉयड जैसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर भी भाग लेंगे।

टी20 फॉर्मेट में साउथ अफ्रीका का पलड़ा न्यूजीलैंड के खिलाफ भारी

वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका का 5-0 का दबदबा पहले सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड से भिड़ंत आज

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टी 20 वर्ल्ड कप 2026 के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में साउथ अफ्रीका की भिड़ंत न्यूजीलैंड से 4 मार्च को होगी। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला कोलकाता के ईडन गार्डन्स मैदान पर खेला जाना है। साउथ अफ्रीका इस टूर्नामेंट की इकलौती टीम है, जो विश्व कप में अजेय रही है। टी20 फॉर्मेट में साउथ अफ्रीका का पलड़ा न्यूजीलैंड के खिलाफ भारी रहा है। क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड की कुल 19 बार भिड़ंत हुई है, जिसमें से 12 मुकाबलों में जीत प्रोटियाज टीम के हाथ लगी है। वहीं, न्यूजीलैंड ने सिर्फ 7 मैच जीते हैं। साउथ अफ्रीका का प्रदर्शन टी20 वर्ल्ड कप 2026 में कमाल का रहा है। टीम ने टूर्नामेंट में अब तक खेले सभी मुकाबलों में जीत दर्ज की है। एडेन मार्करम की कप्तानी में साउथ अफ्रीका ने सुपर-8 राउंड में भारत, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे को हराते हुए सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई है।

दमदार बल्लेबाजों से सजी दक्षिण अफ्रीका की टीम

मार्क्रम, क्विंटन डीकॉक, डेवाल्ड ब्रेविस, रयान रिकलेटन, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड मिलर और मार्को यानसन जैसे दमदार बल्लेबाजों से सजी दक्षिण अफ्रीका की टीम किसी भी विरोधी टीम की नींद उड़ा सकती है। लेकिन सैंटनर के पास रचिन रविंद्र (सात से कम इकॉनमी रेट से नौ विकेट), ग्लेन फिलिप्स और कोल मैककॉन्ची जैसे स्पिनर होंगे जिन्होंने अभी तक मिलकर अच्छा प्रदर्शन किया है। अगर भारत को छोड़ दिया जाए तो दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली बार इतने अच्छे स्पिन आक्रमण का सामना करेगी।

न्यूजीलैंड के पास अच्छे लेग स्पिनर की कमी

न्यूजीलैंड के पास दक्षिण अफ्रीका को चुनौती देने के लिए एक अच्छे लेग स्पिनर की कमी है क्योंकि ईश सोढ़ी ने अब तक खेले गए मैचों में कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया है। ईडन गार्डन्स की पिच पर दक्षिण अफ्रीका की टीम न्यूजीलैंड की उस टीम के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करना चाहेगी, जिसने अपने सुपर आठ के मैच श्रीलंका की धीमी पिचों पर खेले थे। यहां की पिच बल्लेबाजी के लिए अनुकूल रही है और ऐसे में फिन एलन, टिम सीफर्ट, ग्लेन फिलिप्स और डैरिल मिचेल जैसे बल्लेबाज पहले बल्लेबाजी करने की स्थिति में 200 से अधिक का स्कोर बनाने की कोशिश करेंगे ताकि दक्षिण अफ्रीका के सामने कड़ी चुनौती पेश की जा सके।

बेहतरीन फॉर्म में मार्करम

साउथ अफ्रीका की तरफ से बल्लेबाजी में एडेन मार्करम बेहतरीन फॉर्म में नजर आए हैं। मार्करम 7 मैचों में 175 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 268 रन बना चुके हैं। वहीं, रयान रिकेल्टन भी लगातार बल्ले से अहम योगदान दे रहे हैं। रिकेल्टन 7 मैचों में 171 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 228 रन बना चुके हैं। क्विंटन डी कॉक ने भी पावरप्ले में शानदार बल्लेबाजी करते हुए टीम को दमदार शुरुआत दी है। गेंदबाजी में लुंगी एनगिडी साउथ अफ्रीका की ओर से इस विश्व कप में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं। एनगिडी 6 मैचों में अब तक 12 विकेट अपने नाम कर चुके हैं। वहीं, कॉर्बिन बॉश 11 विकेट निकाल चुके हैं।

बेहतरीन लय में न्यूजीलैंड की टीम

दूसरी ओर, न्यूजीलैंड की टीम भी बेहतरीन लय में दिखाई दी है। बल्लेबाजी में टिम सीफर्ट ने 6 मुकाबलों में 157 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 216 रन बनाए हैं। वहीं, रचिन रविंद्र लगातार बल्ले और गेंद दोनों से योगदान दे रहे हैं। ग्लेन फिलिप्स ने भी न्यूजीलैंड की लड़खड़ाती हुई पारी को बखूबी संभाला है। गेंदबाजी में मिचेल सैंटनर, मैट हेनरी और लॉकी फर्ग्यूसन ने बढ़िया प्रदर्शन किया है।

टी20 वर्ल्ड कप

आईसीसी ने घोषित किए टी20 विश्वकप सेमीफाइनल के अंपायर और रेफरी

एजेंसी ▶▶| दुबई

टी20 वर्ल्ड कप अब अपने सबसे रोमांचक दौर में पहुंच गया है। टाइटल से बस दो कदम दूर चार बड़ी टीमों के बीच होने वाले मुकाबले से पहले, इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने एक अहम घोषणा की है। सेमीफ़ाइनल मैचों के लिए अंपायरों और मैच रेफ़री के नामों की घोषणा कर दी गई है।

आईसीसी ने बताया कि आईसीसी एलीट पैनल के अनुभवी अंपायर और रेफ़री कोलकाता और मुंबई में खेले जाने वाले नॉकआउट मैचों में अंपायरिंग करेंगे। कोलकाता के ईडन गार्डन्स में पहले सेमी-फ़ाइनल में साउथ अफ़्रीका और न्यूज़ीलैंड आमने-सामने होंगे। इस मैच में रिचर्ड इलिंगवर्थ और एलेक्स व्हार्फ ऑन-फ़ील्ड अंपायर होंगे। रिचर्ड इलिंगवर्थ पहले भी बड़े टी20 वर्ल्ड कप मैचों में अंपायरिंग कर चुके हैं, जबकि एलेक्स व्हार्फ ने भी टूर्नामेंट के अहम मैचों में अंपायरिंग की है। नितिन मेनन पहले सेमी-फ़ाइनल में थर्ड अंपायर होंगे, जबकि जवागल श्रीनाथ मैच रेफ़री होंगे।

सेमीफाइनल में दिखेगा जबरदस्त रोमांच

टी20 वर्ल्ड कप जैसे बड़े मंच पर अंपायरों और रेफरी की भूमिका बेहद अहम होती है। नॉकआउट मुकाबलों में हर फैसला मैच का रुख बदल सकता है। ऐसे में आईसीसी ने अनुभवी अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है, ताकि मुकाबले निष्पक्ष और सुचारू रूप से संपन्न हो सकें। अब फैंस की नजरें सेमीफाइनल मुकाबलों पर टिकी हैं।

सेमी-फ़ाइनल 1

द.अफ़्रीका बनाम न्यूज़ीलैंड

फ़ील्ड अंपायर: रिचर्ड इलिंगवर्थ और एलेक्स व्हार्फ
थर्ड अंपायर: नितिन मेनन
फ़ोर्थ अंपायर: रॉड टकर
मैच रेफ़री: जवागल श्रीनाथ
(4 मार्च, कोलकाता)

सेमी-फ़ाइनल 2

इंडिया बनाम इंग्लैंड

फ़ील्ड अंपायर: क्रिस गैफ़नी और अलाउद्दीन पालेकर
थर्ड अंपायर: एड्रियन होल्डस्टॉक
फ़ोर्थ अंपायर: पॉल रीफ़ेल
मैच रेफ़री: एंडी पायक्रॉफ्ट
(5 मार्च, मुंबई)

विडंबना

अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्रों में लगा बैन वेस्टइंडीज टीम नहीं जा पा रही स्वदेश

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्रों पर लगे प्रतिबंधों के कारण टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल की दौड़ से से बाहर होने वाली वेस्टइंडीज की क्रिकेट टीम भारत में ही फंसी हुई है।

क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने कहा है कि वह खिलाड़ियों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। खाड़ी क्षेत्र में हवाई सेवाएं फिलहाल निलंबित हैं और दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी नुकसान की खबर है, जो दुनिया के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने कहा, 'सीडब्ल्यूआई यह बताना चाहता है कि आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप से बाहर होने के बाद वेस्टइंडीज की सीनियर पुरुष टीम अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र में प्रतिबंधों के कारण भारत से रवाना नहीं हो पाई।'

वेस्टइंडीज की टीम को कोलकाता में खेले गए सुपर आठ के करो या मरो के मैच में भारत से हार का सामना करना पड़ा और इस तरह वह टूर्नामेंट से बाहर हो गई।

जिम्बाब्वे के खिलाड़ी भारत में फंसे

सीडब्ल्यूआई ने कहा, 'वर्तमान स्थिति में हमारे प्रशंसकों, परिवारों और हितधारकों की समझ और चिंता के लिए सीडब्ल्यूआई आभारी है।" वेस्टइंडीज के अलावा जिम्बाब्वे के खिलाड़ी भी इसी कारण से भारत में फंसे हुए हैं। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने कहा कि टीम दिल्ली में ही है। उसने कहा कि यात्रा की नई व्यवस्थाओं पर काम किया जा रहा है। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने कहा, ' टीम को दुबई के रास्ते स्वदेश लौटना था, लेकिन मध्य पूर्व में बदलती स्थिति के कारण प्रमुख पारगमन मार्ग बाधित हो जाने से यात्रा कार्यक्रम पर असर पड़ा है।' आईसीसी वैकल्पिक यात्रा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों के साथ काम कर रहा है।

कांती दत्त करेंगे हैदराबाद से मुंबई तक साइकिल यात्रा

नई दिल्ली। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के फिटनेस एंबेसडर और साइकिल चालक कांती दत्त सरकार के प्रमुख 'फिट इंडिया' अभियान को बढ़ावा देने के लिए 7 मार्च से साइकिल पर हैदराबाद से मुंबई तक 750 किलोमीटर की यात्रा करेंगे। दत्त 'अल्ट्रा एंड्योरेंस' साइकिलिस्ट हैं और उन्होंने अपने पिता के निधन के बाद मानसिक रूप से फिट रहने के लिए यह खेल अपनाया।

उनकी यह यात्रा 14 मार्च को समाप्त होगी। दत्त ने कहा, ' फिटनेस पर ध्यान देने से मैं केवल शारीरिक रूप से ही फिट नहीं बना, बल्कि इसने मुझे भावनात्मक रूप से फिट बनने में भी मदद की। इसने मुझे खुद को फिर से समझने में मदद की। मैं चाहता हूं कि लोग यही समझें कि यह केवल शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं मानसिक स्वास्थ्य से भी जुड़ा हुआ है।' उन्होंने कहा, 'हैदराबाद से मुंबई तक का यह मेरा पहला दौरा है। मैं चाहता हूं कि यह किसी खास बात का प्रतीक बने।

बेंगलुरु लौटीं सिंधू, कहा- नहीं खेल पाऊंगी ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू खाड़ी में चल रही जंग के बाद हवाई क्षेत्र बंद किए जाने के कारण बर्मिंघम में ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में नहीं खेल पाएंगी और वह दुबई से स्वदेश लौट गई हैं।

सिंधू इंग्लैंड जाने के लिए उड़ान नहीं मिल पाने के कारण दुबई में फंसी हुई थी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, 'बेंगलुरु में अपने घर लौट गई हूं और सुरक्षित हूं। पिछले कुछ दिन बेहद तनावपूर्ण और अनिश्चित रहे हैं। मैं ईश्वर की आभारी हूं कि मैं वापस अपने घर लौट आई हूं।' उन्होंने कहा, 'दुबई की बेहतरीन ग्राउंड टीम, दुबई के अधिकारियों, हवाई अड्डे के कर्मचारियों, आव्रजन विभाग और उन सभी लोगों का तहेदिल से आभार, जिन्होंने इस बेहद मुश्किल समय में हमारी अच्छी देखभाल की। उनकी सहानुभूति और पेशेवर रवैए को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता।' उन्होंने कहा, 'फिलहाल अब आराम करने, खुद को तरोताजा करने और अगली प्रतियोगिताओं के बारे में सोचने का समय है।'

दुबई होते हुए बर्मिंघम जा रही थीं

पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू दुबई होते हुए बर्मिंघम जा रही थीं, लेकिन अमेरिका और इजरायल के ईरान पर किए गए हमले के बाद खाड़ी क्षेत्र में उड़ान संचालन रोक दिया गया, जिसके कारण वह दुबई में फंस गई थी। ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए दुबई पर भी हमला किया। सिंधू ने कहा कि उनके और उनकी टीम के लिए यह अनुभव भयावह था।

विश्व कप फुटबॉल में ईरान की जगह ले सकता है इराक

एजेंसी ▶▶| जेनेवा

विश्व कप के सह मेजबान अमेरिका की पहल पर मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष के बढ़ने के कारण तीन महीने बाद होने वाली फुटबॉल की सबसे बड़ी प्रतियोगिता में ईरान का भाग लेना संदिग्ध है और ऐसी स्थिति में उसकी जगह इराक या यूएई को दी जा सकती है।

ईरान को विश्व कप के ग्रुप चरण के अपने तीनों मैच अमेरिका में खेलने हैं। उसे ग्रुप जी में रखा गया है और उसे इंग्लेवुड, कैलिफोर्निया में 15 जून को न्यूजीलैंड और 21 जून को बेल्जियम के खिलाफ मैच खेलने हैं। इसके बाद वह 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ पहले दौर का अपना अंतिम मैच खेलेगा। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ईरान 11 जून से शुरू होने वाले विश्व कप के लिए अपनी टीम भेजेगा या नहीं या अमेरिका की सरकार उसकी टीम को अपने यहां आने से रोकेगी या नहीं। फीफा ने शनिवार से इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया था। एशियाई फुटबॉल की महाशक्ति ईरान ने पिछले आठ विश्व कप में से छह के लिए क्वालीफाई किया है। वह 211 टीमों की फीफा विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर है। अगर ईरान विश्व कप से हट जाता है तो उसके फुटबॉल महासंघ को कम से कम 10.5 मिलियन डॉलर का नुकसान होगा। उस पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

स्पेनिश फुटबॉल लीग: रियाल मैड्रिड की हार, बार्सिलोना को फायदा

एजेंसी ▶▶| मैड्रिड

रियाल मैड्रिड की स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा में लगातार दूसरी हार के कारण बार्सिलोना ने अंक तालिका में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। गेटाफे ने सैंटियागो बर्नबेउ स्टेडियम में मार्टिन सैट्रियानो के गोल की मदद से रियाल मैड्रिड को 1-0 से हराकर चौंकाने वाली जीत हासिल की। इस हार से रियाल मैड्रिड अपने चिर प्रतिद्वंद्वी बार्सिलोना से चार अंकों के अंतर को कम करने में असफल रहा। बार्सिलोना के अब 26 मैच में 64 अंक जबकि रियाल मैड्रिड के इतने ही मैच में 60 अंक हैं। एटलेटिको मैड्रिड और विलारियाल 26 मैच में 51 अंक लेकर क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। गेटाफे के 26 मैच में 32 अंक हैं और वह 11वें स्थान पर है। गेटाफे को रियाल मैड्रिड के खिलाफ अपने पिछले सभी आठ लीग मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा था। गोलकीपर डेविड सोरिया ने शुरू में कुछ शानदार बचाव करके अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

500 सालों से यहां सास-बहू की होली का नजारा देखने उमड़ती है भीड़

मध्य प्रदेश के बुरहानपुर में 500 साल पुरानी 'सास बहू की होली' की अनोखी परंपरा निभाई जाती है। निमाड़ क्षेत्र के गोकुल चंद्रमा मंदिर में सास और बहू एक-दूसरे को रंग लगाकर साथ में नृत्य करती हैं।

बुरहानपुर। इस दिन परिवार के मनमुटाव भुलाकर प्रेम और सद्भाव का संदेश दिया जाता है। हजारों लोग इस खास आयोजन को देखने के लिए मंदिर परिसर में जुटते हैं। साल में एक बार होने वाला यह पर्व बुरहानपुर की सांस्कृतिक पहचान बन चुका है। आपने सास-बहू के झगड़ों की कहानियां खूब सुनी होंगी, लेकिन मध्य प्रदेश के बुरहानपुर में एक ऐसी परंपरा है जहां सास और बहू एक-दूसरे को रंग लगाकर गले मिलती हैं। यहां मनाई जाती है अनोखी 'सास बहू की होली', जो करीब 500 साल पुरानी परंपरा मानी जाती है।

साथ झूमती हैं सास और बहुएं

मंदिर में ठाकुर जी के दर्शन के बाद सास और बहू एक-दूसरे को गुलाल लगाती हैं। फिर शुरू होता है लोकगीतों और नृत्य का सिलसिला. स्थानीय भाषा में गीत गाए जाते हैं और ढोल की थाप पर महिलाएं झूम उठती हैं। यह नजारा देखने के लिए बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की भीड़ उमड़ पड़ती है। हजारों लोग इस आयोजन के साक्षी बनते हैं।

रिश्तों में घुलता है प्यार

साल में एक बार होने वाला यह आयोजन सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि रिश्तों को मजबूत करने का जरिया भी है। कहा जाता है कि इस दिन अगर सास-बहू साथ में रंग खेल लें तो उनके बीच का तनाव दूर हो जाता है। यही वजह है कि इस खास होली का सभी को बेसब्री से इंतजार रहता है।

500 साल पुरानी अनोखी परंपरा

निमाड़ क्षेत्र के इतवारा स्थित गोकुल चंद्रमा मंदिर में हर साल यह खास आयोजन होता है। मंदिर समिति के आदित्य मुखिया बताते हैं कि यह परंपरा लगभग 500 वर्षों से चली आ रही है। इस दिन सास और बहू अपने सारे गिले-शिकवे भुलाकर मंदिर पहुंचती हैं और साथ में रंग-गुलाल लगाती हैं। मान्यता है कि इस दिन मनमुटाव खत्म कर प्रेम से होली खेलने से परिवार में सुख-शांति बनी रहती है।

अफ्रीका में भी भारतीयों ने खेली होली राजस्थानी गाने पर जमकर किया डांस

नई दिल्ली। होली के मौके पर लोग विदेशों में अभी से त्योहार मनाना शुरू कर चुके हैं। जो लोग अफ्रीका में हैं, वे भी वहां होली मना रहे हैं। हाल ही में इंस्टाग्राम अकाउंट पर अफ्रीका का एक वीडियो पोस्ट किया गया है, जहां भारतीय लोग होली मना रहे हैं और एक दूसरे पर अबीर-गुलाल लगा रहे हैं। इस मौके पर अफ्रीकी लोग खड़े होकर वीडियो बना रहे हैं और मजे भी ले रहे हैं। वीडियो वायरल हो रहा है।

होली में रहती है सबसे ज्यादा डिमांड

यूपी के इस जिले में बनती है देश की सबसे महंगी शराब!

लखनऊ। त्योहारी सीजन में शराब की डिमांड बढ़ जाती है। साथ ही बिक्री भी रिकॉर्ड होती है। वैसे तो होली में ड्राई डे रहता है, लेकिन शराब के शौकीन पहले ही स्टॉक जमा कर लेते हैं। इस बार होली 4 मार्च को है। इससे पहले शराब की दुकानों पर लंबी लंबी लाइन लगी रही। होली जैसे त्योहार का जश्न हो तो शराब की कीमत भी खास मायने नहीं रखती। अब भारत में ही इतनी महंगी शराब बनती है, जिसके आगे विदेशी शराब फीकी पड़ जाती है।

देश की सबसे महंगी शराब : भारत की सबसे महंगी शराब उत्तर प्रदेश के रामपुर में बनती है। इसका नाम रामपुर सिग्नेचर रिजर्व सिंगल माल्ट व्हिस्की है। रेडिको खेतान की यह लग्जरी शराब की एक बोतल की कीमत पांच लाख रुपए है। यह कोई आम शराब नहीं है, बल्कि अपनी शानदार क्वालिटी और खासियत के कारण भारत की सबसे महंगी सिंगल माल्ट व्हिस्की बन चुकी है। इसे देश की जानी-मानी कंपनी रेडिको खेतान यूपी के रामपुर में स्थित डिस्टिलरी में तैयार करती है।

82 साल से बना रही शराब

रामपुर में स्थित यह डिस्टिलरी 1943 से शराब बना रही है। सिग्नेचर रिजर्व सिंगल माल्ट व्हिस्की की सिर्फ 400 बोतल ही तैयार की गई थी। इसकी कीमत पांच लाख रुपए होने के बाद भी खूब डिमांड रहती है। रामपुर सिंगल माल्ट शराब हर बजट के शौकीनों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। रामपुर डबल कास्क की कीमत लगभग 8500 रुपए प्रति बोतल है।

इसकी भी डिमांड

वहीं, रामपुर पीएक्स शेरी एडीशन लगभग 12,000 रुपए में बिकती है। रामपुर सेलेक्ट की बात करें तो इसकी कीमत करीब 14,000 रुपए प्रति बोतल है। रामपुर असवा की कीमत करीब 10,990 रुपए है। सबसे प्रीमियम वेरिएंट रामपुर जुगलबंदी की कीमत 40,000 रुपए प्रति बोतल है। रामपुर त्रिगुण की कीमत 17000 रुपए प्रति बोतल है।

कैसे तैयार होती है सिंगल माल्ट व्हिस्की

सिंगल माल्ट वह व्हिस्की होती है, जिसे एक ही डिस्टिलरी में केवल माल्टेड जौ से तैयार किया जाता है। माल्टेड जौ को पहले अंकुरित किया जाता है। इसके बाद सुखाया जाता है। फिर इसे मैश करके पकाया जाता है। इस प्रोसेस में जौ में स्टार्च को शर्करा में तब्दील किया जाता है। जो बाद में फर्मेंटेशन प्रोसेस के दौरान अल्कोहल में परिवर्तित हो जाता है। सिंगल माल्ट व्हिस्की को अमूमन ओक बैरल में मेच्योर किया जाता है।

ढोल की आवाज दूर से आती है, हवा में रंग का हल्का सा धुआं तैर रहा होता है। अचानक भीड़ में शोर उठता है और एक भैंसा गाड़ी नजर आती है।

जब गधे पर बैठकर निकलते हैं लाट साहब, देखते ही बरसते हैं जूते-चप्पल

यहां रंगों से नहीं, जूतों से खेली जाती है होली

नई दिल्ली। उस पर बैठा होता है लॉट साहब...गले में जूतों की माला, सिर पर हेलमेट. लोग जयकारे भी लगाते हैं और जूते भी बरसाते हैं। यह कोई फिल्मी सीन नहीं, बल्कि एक ऐसी परंपरा है, जिसे देखकर हर कोई हैरान रह जाता है। आखिर क्या है इस जूतेमार होली का राज?

300 साल पुरानी परंपरा

उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में होली 2026, जूतामार होली, लाट साहब जुलूस जैसे कीवर्ड हर साल ट्रेंड करते हैं। यहां होली पर एक शख्स को अंग्रेज अफसर की तरह सजाकर भैंसा गाड़ी पर बिठाया जाता है। उसे लॉट साहब कहा जाता है। गले में जूतों की माला पहनाई जाती है और जुलूस के दौरान लोग उस पर जूते चप्पल बरसाते हैं। बताया जाता है कि यह परंपरा करीब 300 साल पुरानी है। अंग्रेजी हुकूमत के जुल्म के खिलाफ लोगों का गुस्सा इसी जुलूस के जरिए जताया जाता है। लॉट साहब को हेलमेट पहनाया जाता है ताकि चोट न लगे, लेकिन झाड़ू और जूतों की बौछार लगातार चलती रहती है।

कहां से निकलता है जुलूस

ये जुलूस चौक क्षेत्र के फूलमती मंदिर से शुरू होकर कोतवाली तक जाता है। वहां प्रतीकात्मक सलामी दी जाती है। इसके बाद शहर के अलग-अलग रास्तों से गुजरते हुए घंटा घर तक पहुंचता है। शहर में दो जगहों से यह जुलूस निकलता है, जिससे माहौल और भी गरमजोशी भरा हो जाता है।

सुरक्षा के सख्त इंतजाम

पिछले साल विवाद के बाद इस बार प्रशासन ज्यादा सतर्क है। करीब 30 इंस्पेक्टर, 150 उपनिरीक्षक, 600 हेड कांस्टेबल और दो कंपनी पीएसी तैनात की जा रही है। ड्रोन से निगरानी होगी और रूट पर बैरिकेडिंग की गई है। धार्मिक स्थलों को ढकने और शांति बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासन ने कई बैठकों के बाद तैयारी पूरी की है। यह परंपरा अनोखी जरूर है, लेकिन इसके साथ कानून व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द भी जुड़ा है। जूतेमार होली केवल एक तमाशा नहीं, बल्कि इतिहास से जुड़ा प्रतीक है।

घोड़े पर बैठकर दुल्हन ने ली शाही एंट्री, स्वैग देखती रह गई पब्लिक

नई दिल्ली। ढोल की गूंज, रोशनी से सजा दरबार और सबकी नजरें उस पल पर टिकी थीं, जब कोई खास शख्स एंट्री लेने वाला था। लोगों को लगा दूल्हे 'राजा' आएंगे, लेकिन अगले ही लम्हे जो मंजर सामने आया, उसने पूरी महफिल को हैरत में डाल दिया।

लाल जोड़े में सजी दुल्हन घोड़े पर सवार, पूरे रौब और एतमाद के साथ...जैसे शादी नहीं, कोई शाही ऐलान हो रहा हो। शादियों में आमतौर पर दूल्हा घोड़ी पर बारात लेकर आता है, लेकिन इस वायरल वीडियो में नजारा बिल्कुल जुदा है। लाल लहंगे और भारी गहनों में सजी दुल्हन पूरे रौब और एतमाद के साथ घोड़े पर बैठकर एंट्री लेती दिख रही है। उसका अंदाज ऐसा है जैसे कोई योद्धा जंग के मैदान में उतर रहा हो। वीडियो में देखा जा सकता है कि ढोल नगाड़ों की आवाज के बीच दुल्हन शान से आगे बढ़ रही है। वहां मौजूद मेहमान हैरान भी हैं और खुश भी. कई लोग मोबाइल निकालकर इस खास लम्हे को कैद करते नजर आते हैं। दूल्हे के चेहरे पर भी साफ हैरानी देखी जा सकती है।

वर्षों पुराने श्राप से बचने के लिए आधी रात को करवा दी 2 लड़कों की शादी

जयपुर। राजस्थान के बांसवाड़ा में 500 साल पुरानी एक खौफनाक परंपरा आज भी जिंदा है, जहां आधी रात को दो मासूमों का विवाह कराया जाता है। ग्रामीण मानते हैं कि यदि यह शादी न हुई, तो गांव पर खेर जाति का वो प्राचीन श्राप टूट पड़ेगा, जिसने दशकों पहले सैकड़ों मवेशियों की जान ले ली थी। राजस्थान बांसवाड़ा जिले के बड़ोदिया गांव में होली की पूर्व संध्या पर एक ऐसी परंपरा निभाई गई, जिसे सुनकर बाहरी लोग हैरान रह जाते हैं। लेकिन ग्रामीणों के लिए यह आस्था और भय का संगम है। यहां की परंपरा के अनुसार, आधी रात को एक बजे सो रहे दो बालकों को उठाकर उनका आपस में विवाह कराया गया। इस अनोखे विवाह में एक दिलचस्प मोड़ तब आया जब चुन्नू और मुन्नू, दोनों ही दूल्हा बनने की जिद पर अड़ गए। विवाद बढ़ता देख गांव के मुखिया नाथजी भाई पटेल और डॉ. स्वामी विवेकानंद महाराज ने हस्तक्षेप किया। आपसी सहमति और पंचों के निर्णय के बाद चुन्नू को दूल्हा और मुन्नू को दुल्हन बनाया गया।

विवाह की परंपरा पूरा न करने पर हुआ कुछ ऐसा

मुखिया ने बताया कि करीब 90 साल पूर्व भारी बारिश के कारण यह विवाह संपन्न नहीं हो पाया था। इसके परिणामस्वरूप गांव में अकाल पड़ा और 200 से अधिक दुधारू पशुओं की अचानक मौत हो गई। उस खौफनाक मंजर के बाद से आज तक ग्रामीण इस परंपरा को कभी नहीं भूलते। रात के अंधेरे में फागण गीतों, ढोल-नगाड़ों और सेल्फी के दौर के बीच यह आयोजन साल में एक बार बड़ोदिया की गलियों में जीवंत हो उठता है।

500 साल पुराना इतिहास और खेर जाति का श्राप

ग्रामीणों के अनुसार, यह परंपरा करीब 500 साल पुरानी है। कहा जाता है कि प्राचीन काल में यहां 'खेर'जाति का शासन था। जब गोल पटेल समाज यहां बसने आया, तो एक सिद्ध बाबा की मदद से खेर जाति को यहां से विस्थापित होना पड़ा। जाते समय खेर जाति के मुखिया ने श्राप दिया था कि यदि होली से पूर्व इस विवाह की परंपरा को नहीं निभाया गया, तो पूरा गांव तबाह हो जाएगा.

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com